वर्ष : 16 ❖ अंक : 307 ❖ पृष्ठ : 08 ❖ मूल्य : ₹ 3.00 ❖ आरएनआई सं. SIKHIN/2006/17890 ❖ www.anugamini.com

सिक्किम से प्रकाशित प्रथम हिन्दी दैनिक

अनुगामिनी

गंगटोक
सोमवार, 20 जून 2022

गांधी परिवार को युवाओं की कोई चिंता नहीं : पात्रा 3 | भाजपा ने आजमगढ़ की उपेक्षा की और बदनाम किया : अखिलेश 8

अपना ट्रैक रिकॉर्ड सुधारें या सेवानिवृत्ति के लिए तैयार रहें गोले : पवन चामलिंग

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 19 जून । पवन चामलिंग ने मुख्यमंत्री पीएस गोले के उनकी सेवानिवृत्ति को लेकर किए सवाल का उत्तर देते हुए इसे उनकी निरंकुश मानसिकता की अभिव्यक्ति बताया। एसडीएफ अध्यक्ष पवन चामलिंग ने कहा कि सीएम गोले ने सिक्किम के सबसे कमजोर मुख्यमंत्री के रूप में अभी तीन साल पूरे किए हैं और उन्हें भारत के सबसे लंबे समय तक मुख्यमंत्री रहने वाले व्यक्ति को लेकर हल्के में बोलने का कोई अधिकार नहीं है। अपने स्वयं के खराब रिकॉर्ड और प्रदर्शन को देखते हुए, उन्हें उन लोगों की चिंता करनी चाहिए जो उन्हें सेवानिवृत्त होने के लिए मजबूर करेंगे। इसके साथ ही पवन चामलिंग ने यह भी कहा कि अगर सीएम गोले अपने सभी झूठों के लिए लोगों से माफी मांग लेते हैं और एसकेएम के घोषणापत्र और चुनाव में किए गए सभी वादों को 100 दिनों में पूरा करते हैं लेते हैं तो मैं सेवानिवृत्त हो जाऊंगा।

ये बातें पवन चामलिंग ने अपने साप्ताहिक प्रश्नोत्तरी कार्यक्रम में एक सवाल के जवाब में कही। उनसे हाल के एक कार्यक्रम में मुख्यमंत्री पीएस गोले के सवाल कि यदि श्याम थापा और सचिन तेंदुलकर जैसे खेल के दिग्गज अपने-अपने क्षेत्रों से संन्यास ले लेते हैं, तो पवन चामलिंग राजनीति से संन्यास क्यों नहीं लेते हैं के संबंध में प्रश्न किया गया था। इस पर पूर्व मुख्यमंत्री पवन चामलिंग ने कहा कि 2019 में जब से एसकेएम पार्टी की सरकार बनी है, उनकी सबसे बड़ी इच्छा मेरी सेवानिवृत्ति देखने की रही है। हर दिन वे चाहते हैं कि मैं सेवानिवृत्त हो जाऊं। यह पहली बार नहीं है कि मुख्यमंत्री पीएस गोले ने मुझे सेवानिवृत्त होने के लिए कहा है। वह इस मामले को लेकर इतना चिंतित और जुनूनी हैं कि वह अपने खुद के काम पर ध्यान देने से ज्यादा मेरे और मेरे रिटायरमेंट के बारे में सोचने और बात करने में समय बिताते हैं। मुझे उनसे और उनकी टीम, जो मुझे संन्यास लेते देखना चाहते हैं, को तीन बातें बतानी हैं।

पवन चामलिंग ने कहा कि सबसे पहले तो उन्हें बता दें कि मैंने राजनीति को कभी पेशा या नौकरी के रूप में नहीं लिया। मेरे लिए राजनीति लोगों की सेवा है। नौकरी या पेशे से सेवानिवृत्ति लेना एक स्वाभाविक प्रक्रिया है। लेकिन कोई भी तब तक सेवा करना चुन सकता है जब तक वह सेवा करने में सक्षम हो। मैं अपने प्रिय सिक्किम और सिक्किम के लोगों की सेवा करने के लिए राजनीति में आया हूं। सिक्किम के लोग मुझे विधायक के रूप में लगभग 40 वर्षों से उनकी सेवा करने का मौका दे रहे हैं। उन्होंने मुझे 25 साल तक मुख्यमंत्री के रूप में उनकी सेवा करने का जनादेश दिया। पिछले चुनाव में भी, उन्होंने हमारी पार्टी को सत्ताधारी पार्टी से ज्यादा लोकप्रिय वोट दिए। जब लोग चाहते हैं कि मैं सेवा करूं, तो सीएम गोले कौन हैं जो मुझे रिटायर होने के लिए कह रहे हैं? क्या वह सिक्किम के लोगों से बड़े हैं? मेरा मालिक जनता है और मैं केवल उनकी सुनता हूं। सीएम पीएस गोले को ज्ञात होना चाहिए कि वह सिर्फ एक लोक सेवक हैं और लोकतंत्र में जनता से ज्यादा ताकतवर कोई नहीं है। प्रजा सर्वोच्च है। उन्हें यह जानना चाहिए कि जनता के राज में जनता ही राजा होता है।

उन्होंने कहा कि दूसरे, उन्हें बताएं कि उनके पास किसी भी नागरिक को राजनीति से सेवानिवृत्त होने के लिए कहने का कोई अधिकार और सार्वजनिक जनादेश नहीं है। यहां तक कि राजा-महाराजा भी किसी को राजनीति से संन्यास लेने के लिए नहीं कह सकते। सीएम गोले ने एक सार्वजनिक भाषण में खुले तौर पर यह कहने का दुस्साहस किया है कि उन्होंने पत्रकारों को सिक्किम में काम करने की स्वतंत्रता दी और वे चाहें तो पत्रकारों को अपनी पार्टी के लिए काम करने के लिए कह सकते हैं। ये निरंकुश मानसिकता की अभिव्यक्ति है। वह जनता के जनादेश से अंधे हो गए हैं जिसे उसे सेवा करने के लिए दिया गया था। मैं उन्हें मेरे मौलिक अधिकारों में दखल देना बंद करने की सख्त चेतावनी देता हूं। सीएम गोले ने मुझे राजनीति में शामिल नहीं किया और निश्चित रूप से उन्हें मुझे सेवानिवृत्त होने के लिए कहने का कोई अधिकार नहीं है। मैं उन्हें चेतावनी देता हूं कि लोकतंत्र, मीडिया और लोगों के मौलिक अधिकारों को हल्के में लेना बंद करें। वह सिक्किम के मालिक नहीं हैं। वह सिक्किम और सिक्किम के लोगों का सेवक हैं। मैं उन्हें सलाह देता हूं कि मेरे नाम का जाप बंद कर दें और सिक्किम के लोगों की सेवा पर ध्यान दें।

इसके साथ ही पवन चामलिंग ने कहा कि तीसरा, मैं सीएम पीएस गोले को बता दूं कि मैं राजनीति से संन्यास लेने को तैयार हूं यदि वह एसकेएम घोषणापत्र में छपे और सार्वजनिक भाषणों में छपे सभी झूठों के लिए सिक्किम के लोगों से सार्वजनिक रूप से माफी मांगते हैं और फिर उन सभी वदों को अगले 100 दिनों में पूरा करते हैं। यह उनके लिए खुली चुनौती है। सीएम पीएस गोले के नेतृत्व वाली एसकेएम सरकार ने एलटी के लिए विधानसभा में सीट आरक्षण, शेष जातियों के लिए आदिवासी की मान्यता, 17वें ग्यालवांग करमापा को सिक्किम में लाने, 30,000 नौकरियां पैदा करने, सिक्किम के सरकारी कर्मचारियों को 15 प्रतिशत पूर्वोत्तर विशेष भत्ता देने, इलायची और अदरक की कीमतें बढ़ाने जैसे कई वादे किए हैं जो उन्हें पूरा करना है।

इसके साथ ही उन्होंने सभी बेरोजगार युवाओं को मासिक बेरोजगारी भत्ता 10,000 रुपए के साथ-साथ सभी गृहिणियों को पांच लाख का वार्षिक भत्ता देने का वादा किया है। उन्होंने ओल्र्ड सेटलर्स को आयकर से छूट और मितोकगांग को कैंसर अस्पताल में परिवर्तित करने का वादा किया है। अगर ये वादे पूरे होते हैं, तो मैं स्वीकार करूंगा कि सिक्किम के लोगों को मेरी सेवा की जरूरत नहीं है।

पवन चामलिंग ने कहा कि अगर वह अपने वादों को पूरा नहीं कर सकते हैं, तो उसे मेरे मौलिक अधिकार में हस्तक्षेप करने का कोई अधिकार नहीं है। उन्होंने न केवल जनता से झूठ बोला है, बल्कि वे भारतीय इतिहास में सबसे लापरवाह मुख्यमंत्री साबित हुए हैं-जो अपने ही राज्य की संपत्ति बेच रहे हैं। मैं सिक्किम के लोगों को ऐसे मोड़ पर कैसे छोड़ सकता हूं? जब मैं अपने प्रिय सिक्किम को मुख्यमंत्री द्वारा अपने सहयोगियों को थोक मूल्य पर बेचते हुए देखता हूं तो मैं राजनीति कैसे छोड़ सकता हूं? जब सिक्किम के लोगों को मेरी सबसे ज्यादा जरूरत है तो मैं रिटायर कैसे हो सकता हूं? अंत में, मैं उन्हें याद दिला दूं कि उन्होंने सिक्किम के सबसे कमजोर और सबसे अक्षम मुख्यमंत्री के रूप में केवल तीन साल पूरे किए हैं। उन्हें भारत के सबसे लंबे समय तक सेवा करने वाले मुख्यमंत्री के बारे में हल्की-फुल्की बात करने का अधिकार अर्जित करना होगा। उनके लिए सबसे अच्छी सलाह है-अपना खुद का ट्रैक रिकॉर्ड सुधारें या जल्दी रिटायरमेंट के लिए तैयार रहें।

प्रताड़ित करने वालों को वोट नहीं देगी जनता : अजय एडवर्ड

अनुगामिनी नि.सं.

दार्जिलिंग, 19 जून । हाम्रो पार्टी के अध्यक्ष अजय एडवर्ड ने कहा कि मुझे नहीं लगता की जनता 2017 में उन्हें प्रताड़ित करने वालों को वोट देगी।

मंग्पू में हाम्रो पार्टी के उम्मीदवार विंदु तमांग के पक्ष में प्रचार के क्रम में पहुंचे श्री एडवर्ड ने ये बातें कहीं। उन्होंने उम्मीदवार विंदु तमांग के साथ रोड शो भी किया। इस अवसर पर पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि 2017 में गोरखालैंड के आंदोलन के क्रम में तृणमूल कांग्रेस और गोजमुमो टू जो अब भागोप्रमो हो गई है, ने ही दार्जिलिंग पर्वतीय क्षेत्र की जनता को परेशान किया था। इनके कारण ही हमारे कई युवाओं को विस्थापित जीवन जीना पड़ा था। हमारे अनेक लोगों के घर कुर्क हो गए थे। आज इन दोनों पार्टियों का गठबंधन चुनाव मैदान में है, जनता उन्हें किसी भी कीमत पर वोट नहीं देगी।

अजय एडवर्ड ने कहा कि भागोप्रमो और तृणमूल कांग्रेस पहाड़ की जनता को धोखा देने के लिए चाहे जितना भी नाटक करे वे इसमें सफल नहीं हो सकते हैं। उन्होंने कहा कि कल कालिपोंग में एक चुनावी सभा में भागोप्रमो अध्यक्ष अनित थापा ने कहा था कि जीटी चुनाव में हमें 45 सीटें मिलेंगे, जबकि जीटीए की 45 में से उन्होंने केवल 35 पर तृणमूल ने 10 सीटों पर उम्मीदवार दिए हैं। इससे स्पष्ट है कि इस चुनाव में भागोप्रमो और तृणमूल ने आपस में गठबंधन किया है।

सिक्किम में कोविड के 03 नए मामले

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 19 जून । सिक्किम में पिछले 24 घंटों में तीन नए कोविड -19 मामले सामने आए। यह जानकारी रविवार को स्वास्थ्य विभाग की ओर से दी गई। इसके साथ ही राज्य में कोविड संक्रमितों की कुल संख्या बढ़कर 39,192 हो गई है। पूर्व जिले से दो और दक्षिण जिले से एक नया मामला सामने आया।

हिमालयी राज्य में वर्तमान में कोविड के 12 सक्रिय मामले हैं। इस महामारी के शुरू होने के बाद से राज्य में अब तक 37,976 लोग इससे उबर चुके हैं, और 751 अन्य राज्यों में चले गए हैं। राज्य में कोविड के कारण अब तक 453 लोगों की जान गई है। सिक्किम ने पिछले 24 घंटों में 249 नमूनों का परीक्षण किया।

विधायक सुनीता गजमेर ने की जोरथांग के लोगों से मुलाकात

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 19 जून । आज जूम सालघारी निर्वाचन क्षेत्र की विधायक सुनीता गजमेर ने जोरथांग बजार का भ्रमण किया और जनता से अन्तरक्रिया की।

इस अवसर पर उन्होंने वहां के दुकानदारों और व्यवसायियों से भी मुलाकात की और उनकी समस्याओं को जाना। उन्होंने कहा कि कुछ समस्या होने पर उन्होंने उनसे या समष्टि स्तरीय समिति के अध्यक्ष से संपर्क करने को कहा।

उल्लेखनीय है कि विधायक सुनीता गजमेर प्रत्येक सप्ताह एक दिन पार्टी कार्यालय में बैठकर जनता की शिकायतें सुनती हैं और उनका काम करती हैं। इससे स्थानीय लोगों को अपने विधायक से मिलने के लिए कहीं दूर नहीं जाना पड़ता है।

अग्निवीरों को मिलेगी कार्यालयों में नौकरी, बोलकर घिरे विजयवर्गीय

नई दिल्ली, 19 जून (एजेन्सी)। केंद्र सरकार की अग्निवीर योजना को लेकर पक्ष-विपक्ष के बीच तकरार जारी है। अब कांग्रेस, आम आदमी पार्टी और शिवसेना ने रविवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय महासचिव कैलाश विजयवर्गीय के उस बयान पर निशाना साधा जिसमें उन्होंने अग्निवीरों को भाजपा कार्यालय की सुरक्षा में तैनात करने की बात कही थी।

आम आदमी पार्टी के संयोजक और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा कि भाजपा के वरिष्ठ नेता ने देश के युवाओं और सेना के जवानों का अपमान किया है। दरअसल कैलाश विजयवर्गीय का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ है। इस वीडियो में नजर आ रहा है कि भाजपा नेता पत्रकारों से कहते हैं कि अगर वो पार्टी कार्यालय में सुरक्षा बनाए रखना चाहते हैं तो अग्निवीरों को प्राथमिकता दी जाएगी।

भाजपा नेता आगे कहते हैं, 'जब एक अग्निवीर को मिलिट्री की ट्रेनिंग की जाएगी और जब वो 4 साल बाद नौकरी छोड़ेंगे तो उन्हें 11 लाख रुपये मिलेंगे। अगर मैं भाजपा कार्यालय की सुरक्षा के लिए नियुक्ति करना चाहता हूं तो मैं अग्निवीरों को प्राथमिकता दूंगा।'

उनके इस बयान पर अरविंद केजरीवाल ने ट्वीट कर कहा, 'देश के युवाओं और सेना के जवानों का इतना अपमान मत करो। हमारे देश के युवा दिन-रात मेहनत करके फ़िज़िकल पास करते हैं, टेस्ट पास करते हैं, क्योंकि वो फ़ौज में जाकर पूरा जीवन देश की सेवा करना चाहते हैं, इसलिए नहीं कि वो के दफ़्तर के बाहर गार्ड लगना चाहते हैं।'

वहीं इसपर कांग्रेस पार्टी की तरफ से ट्वीट कर कहा कि बीजेपी के नेता कैलाश विजयवर्गीय ने अग्निपथ योजना को लेकर सभी संशयों को दरकिनार कर दिया। पार्टी ने आगे कहा कि दिल्ली में उसका सत्याग्रह ऐसी (शेष पृष्ठ ०३ पर)

देशभक्त युवाओं के लिए अग्निपथ योजना बेहतरीन अवसर : डॉ. राजू गिरी

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 19 जून । भारत सरकार ने 14 जून को अग्निपथ योजना की शुरुआत की है, जिससे देश के युवाओं को राष्ट्रीय सेवा का सबसे अच्छा अवसर मिलेगा और उन्हें सक्षम और आत्मनिर्भर बनने में मदद मिलेगी। यह बातें प्रदेश भाजपा के प्रवक्ता डा राजू गिरी ने एक प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कही।

उन्होंने कहा कि योजना के तहत युवाओं को 4 साल के लिए सेना में शामिल होने और सीधे राष्ट्रीय सेवा में भाग लेने का अवसर मिलेगा उसके बाद, 25 प्रतिशत रंगरूटों को पूर्णकालिक सेना में शामिल किया जाएगा और अन्य 75 प्रतिशत एकमुश्त सेवा पैकेज प्राप्त कर वैकल्पिक मार्ग चुन सकेंगे। इस योजना से एक तरफ देश के युवाओं को बेहतरीन अवसर मिलेगा तो दूसरी तरफ देश की रक्षा प्रणाली में जोश और साहस आएगा। भाजपा सिक्किम देशभक्त युवाओं की ओर से केंद्र सरकार की इस ऐतिहासिक योजना का तहेदिल से स्वागत करती है।

डा गिरी ने कहा कि सेना को बदलने के उद्देश्य से शुरू की गई इस योजना में 17.5 से 21 वर्ष की आयु के युवाओं को शामिल किया जाएगा। पिछले दो वर्षों में कोविड महामारी के प्रभावों को ध्यान में रखते हुए वर्ष 2022 के लिए आयु सीमा को बढ़ाकर 23 वर्ष कर दिया गया है। योजना के तहत अगले 90 दिनों के भीतर भर्ती प्रक्रिया शुरू हो जाएगी और इस साल 46,000 अग्निवीरों की भर्ती की जाएगी। अग्निवीरों को शुरुआत में 30,000 रुपये प्रति माह दिया जाएगा जो चौथे वर्ष तक 40,000 रुपये प्रति माह हो जाएगा। साथ ही सेना को मिलने वाली सभी सुविधाओं सहित जोखिम और श्रम भत्ते भी दिए जाएंगे।

उन्होंने कहा कि अग्निवीरों के वेतन का 30 प्रतिशत हर महीने सेवा कोष में जमा किया जाएगा जबकि सरकार अतिरिक्त 30 प्रतिशत (शुरुआत में 9 हजार) प्रदान करेगी जो सेवानिवृत्ति के समय तक बढ़कर 11.71 लाख हो जाएगी। यह राशि आयकर से मुक्त होगी। उनका 48 लाख रुपए का जीवन बीमा भी प्रदान किया जाएगा। उन्होंने दावा किया कि राष्ट्रीय सेवा के इच्छुक युवाओं के लिए यह योजना एक बड़े अवसर के रूप में सामने आई है। एक ओर यदि अल्पकाल के लिए राष्ट्रसेवा का अवसर मिलेगा वहीं 4 वर्ष के बाद सक्षम, अनुशासित और आत्मनिर्भर जीवन जीने का पर्याप्त विकल्प होगा। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने अन्य सुरक्षा बलों में 10 प्रतिशत आरक्षण के साथ-साथ चार साल के कार्यकाल से लौटने वाले अग्निशामकों के लिए 3 साल की छूट की घोषणा की है, जबकि विभिन्न राज्य सरकारों ने राज्य पुलिस बल में उन्हें प्राथमिकता की घोषणा की है।

इस बीच, मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग (गोले) ने कल घोषणा की है कि सिक्किम सरकार सिक्किम पुलिस अग्निवीरों की सीधी भर्ती करेगी। भाजपा सिक्किम राज्य सरकार द्वारा की गई घोषणा का स्वागत करती है और राज्य के युवाओं से इस ऐतिहासिक अवसर का लाभ उठाने के लिए अपनी तैयारी शुरू करने का आग्रह करती है। भाजपा प्रवक्ता ने कहा कि देश के कुछ राज्यों में योजना के विरोध में आगजनी और सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाने की घटनाएं हुई हैं। हिंसा के ऐसे कृत्यों में शामिल लोग राजनीति से प्रेरित विरोध का केवल एक हिस्सा हैं जो हमने पिछले तथाकथित सीएए और तथाकथित किसान विरोधी कानून आंदोलनों में देखा है। इसलिए, भाजपा सिक्किम में युवाओं से योजना के बारे में अधिक जानकारी हासिल करने और विपक्ष द्वारा फैलाई जा रही अफवाहों पर ध्यान न देने का आग्रह करती है।

सैनिकों को सिक्योरिटी गार्ड बनाने की सोच उन्हें मुबारक : वरुण गांधी

नई दिल्ली, 19 जून (एजेन्सी)। भाजपा सांसद वरुण गांधी ने अपनी ही पार्टी के नेता कैलाश विजयवर्गीय के उस बयान का कड़ा विरोध किया है जिसमें उन्होंने पार्टी दफ्तर के आगे अग्निवीरों को सिक्योरिटी गार्ड रखने में प्राथमिकता देने की बात कही है। वरुण गांधी ने कहा कि सेना देशभक्ति का एक सशक्त माध्यम होती है। भारतीय सैनिकों की वीर गाथाओं को इतिहास भी अपने में समेट नहीं पाता है, लेकिन दुर्भाग्यपूर्ण है कि कुछ लोग ऐसे देश भक्तों को सिक्योरिटी गार्ड के रूप में काम करते हुए देखना चाहते हैं। भाजपा नेता के बयान पर विवाद ऐसे समय में हुआ है जब अग्निपथ योजना का पूरे देश में विरोध हो रहा है।

कैलाश विजयवर्गीय ने इंदौर में एक कार्यक्रम के दौरान कहा कि अग्निवीरों को सेना से रिटायरमेंट मिलने के बाद भी रोजगार के अवसरों की कमी नहीं रहेगी। इसी क्रम में उन्होंने आगे कहा कि यदि इस दफ्तर के बाहर उन्हें किसी को सिक्योरिटी गार्ड के रूप में नियुक्त करना है तो वे अग्निवीर जवानों को प्राथमिकता देंगे। वरुण गांधी ने उनके इसी बयान पर निशाना साधा है।

वरुण गांधी ने रविवार को एक ट्वीट करते हुए कहा है कि भारतीय सेना के जवानों की वीर गाथाओं को व्यक्त करने में समूचा शब्दकोश अपर्याप्त साबित होता है। उनके पराक्रम की वीर गाथाएं पूरी दुनिया में गाई जाती हैं। उस वीर भारतीय सैनिक की सेवाओं को किसी पार्टी के दफ्तर के आगे सिक्योरिटी गार्ड के रूप में काम करते हुए देखने की बात दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने कहा कि इस तरह की सलाह देने वालों को यह सलाह उन्हें ही मुबारक होनी चाहिए।

फिर पांव पसार रहा कोरोना

भागलपुर में कार्यपालक पदाधिकारी समेत पांच संक्रमित, जेल की महिला कैदी मिली पॉजिटिव

पटना। बिहार में कोरोना फिर से पांव पसार रहा है। भागलपुर के सुल्तानगंज नगर परिषद के कार्यपालक पदाधिकारी समेत पांच कोरोना पॉजिटिव जांच में पाये गये। शनिवार को मिले संक्रमितों में से एक महिला कारा की तो दूसरा किशोर तो तीसरा युवक पीरपैंती निवासी दवा प्रतिनिधि है। एक कोरोना संक्रमित महिला की जांच रिपोर्ट जारी होने के बाद उससे स्वास्थ्य विभाग कनेक्ट नहीं कर पाया है। इसके साथ ही जिले में कोरोना के कुल संक्रमितों की संख्या बढ़कर 28997 पर पहुंच गयी। इनमें से जिले के 362 कोरोना संक्रमितों की मौत हो चुकी है तो कुल 28629 कोरोना संक्रमित ठीक हो चुके हैं। जिले में कोरोना के सक्रिय मरीजों की संख्या बढ़कर छह पर पहुंच गयी है। शनिवार को जिले में कोरोना संक्रमण की दर जहां 0.11 प्रतिशत रही तो वहीं रिकवरी रेट 98.73 प्रतिशत रहा। सिविल सर्जन डॉ. उमेश शर्मा ने बताया कि सुल्तानगंज नगर परिषद के 38 वर्षीय कार्यपालक पदाधिकारी को सर्दी, जुकाम व खांसी की शिकायत थी। यहां तक उन्होंने अब तक कोरोना के दोनों डोज भी लगवा लिया है। उनका रेफरल अस्पताल सुल्तानगंज में कोरोना जांच की गयी तो वे कोरोना पॉजिटिव निकले। इसके अलावा भागलपुर के महिला कारा की 50 वर्षीय महिला से कोई संपर्क नहीं हो पाया, क्योंकि उनके द्वारा दिया गया नंबर ह्यडज नॉट इग्जिस्टह्व बता रहा है। पीरपैंती प्रखंड के गोकुल मथुरा निवासी 32 वर्षीय युवक एक दवा कंपनी में एमआर है और इसने भी कोरोना टीके का दोनों डोज ले रखा है। उसने 15 जून को कोरोना जांच के लिए सैंपल दिया था, जो संक्रमित मिला है। सबौर प्रखंड के बैजनाथपुर निवासी 15 वर्षीय किशोर ने कोरोना का टीका नहीं लिया है और ये जांच में कोरोना पॉजिटिव निकला है।

अब उपद्रवियों की खैर नहीं, सख्ती से निपटेगी आरपीएसएफ की बटालियन

पटना। अग्निपथ सेना भर्ती योजना के विरोध में जगह-जगह हो रहे प्रदर्शन के दौरान रेलवे को भारी क्षति हो रही है। प्रदर्शनकारियों के उपद्रव पर लगाम लगाने के लिए रेलवे ने भी कमर कस लिया है। सुरक्षा के मद्देनजर भागलपुर में आरपीएसएफ की पूरी बटालियन भेजी जा रही है। शनिवार को इस बारे में आरपीएफ इंस्पेक्टर और स्टेशन अधीक्षक को पत्र मिल गया है। बताया गया कि आरपीएसएफ बटालियन में 80 जवान और अफसर होंगे। अगर उप्रदवियों ने रेल परिचालन में किसी तरह की बाधा पहुंचाने की कोशिश की तो उनपर सीधी कार्रवाई होगी। भागलपुर में रेलवे यार्ड होने के साथ-साथ यह बड़ा स्टेशन है और यहां कई ट्रेनों की रैक खड़ी रहती है। उपद्रवी किसी तरह का नुकसान न पहुंचा सकें, इसके लिए पूरी तैयारी की गई है। परिवहन विभाग के सचिव ने सरकारी बसों की सुरक्षा का निर्देश जिलाधिकारी व एसएसपी को दिया है। पत्र में कहा कि छात्र व नौजवानों द्वारा सरकारी संपति व बसों को क्षतिग्रस्त किया जा रहा है। इसीलिए भागलपुर, गया, औरंगाबाद, नवादा, मुंगेर, पटना, आरा, बिहार शरीफ प्रतिष्ठानों में स्थित बसों की सुरक्षा की समुचित व्यवस्था की जाए। इधर क्षेत्रीय प्रबंधक पवन कुमार शांडिल्य ने बताया कि सभी डिपो में सुरक्षा कड़ी हो गयी है। बिहार बंद होने के कारण तीनों डिपो से लगभग 40 गाड़ियां नहीं चलीं। नवगछिया भाजपा कार्यालय में एसएसबी के 32 जवानों की एक कंपनी तैनात की गई है। भाजपा जिलाध्यक्ष बिनोद मंडल ने जानकारी दी। सूबे के विभिन्न जिलों में भाजपा कार्यालयों पर तोड़फोड़ के बाद कार्यालयों की सुरक्षा बढ़ा दी गयी है। जिला प्रशासन ने 18 से लेकर 20 जून तक महत्वपूर्ण जगहों पर मजिस्ट्रेट के साथ पुलिस की तैनाती की है। भाजपा के जिला अध्यक्ष रोहित पांडेय ने कहा कि अन्य जिलों की घटनाओं को देखते हुए प्रशासन द्वारा कार्यालय की सुरक्षा बढ़ा दी गयी है। शनिवार को काफी संख्या में पुलिस बलों की तैनाती की गयी थी। सुल्तानगंज के जदयू विधायक ललित नारायण मंडल ने कहा कि केन्द्र सरकार को युवाओं से बात कर स्थिति साफ करना चाहिए.राजद के जिला अध्यक्ष चन्द्रशेखर यादव ने कहा कि सरकार को योजना वापस लेनी होगी।

लखीसराय में विक्रमशिला एक्सप्रेस से लूटा गया सामान बरामद

लखीसराय। बिहार के लखीसराय में अग्निपथ योजना के विरोध के दौरान विक्रमशिला एक्सप्रेस में शुक्रवार को आग लगा दी गई। जहां उपद्रवियों द्वारा ट्रेन में रखे कई सामान भी लूट लिए गए। जिसमें मिक्सिंग मशीन, इलेक्ट्रॉनिक समान, रेडियो और हीटर शामिल थे। वहीं, घटना के बाद रेलवे अधिकारियों ने स्टेशन पर लगे सीसीटीवी को घंटों तक खंगाला था। जिसमें लोगों को संतर मुहल्ले और पंजाबी मुहल्ले में लूट की सामग्री को ले जाते देखा गया। इसी के आधार पर पंजाबी मोहल्ला और संतर मोहल्ले में छापेमारी चलाई गई, जिसमें कई सामग्री बरामद हुई। इस मामले पुलिस ने कार्रवाई करते हुए 2 लोगों को गिरफ्तार कर लिया। इस लोगों के पास से लूटे गए कई सामान बरामद किए गए। मामले को लेकर लखीसराय के अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी सह एएसपी सैयद इमरान मसूद ने बताया कि शुक्रवार को कुछ प्रदर्शनकारियों ने विक्रमशिला एक्सप्रेस ट्रेन में आग लगा दी। यह ट्रेन दिल्ली से चलकर भागलपुर जा रही थी। ऐसे में विरोध प्रदर्शन में मौजूद कुछ उपद्रवियों ने पार्सल बोगी में रखी सामग्री भी लूट ली और फिर बोगियों में आग लगा दी। हमे जैसे ही मामले की सूचना मिली हमने कार्रवाई करते हुए संतर मोहल्ले से चार लड़कों को हिरासत में लिया। वहीं, जब इनके घर पर छापेमारी की गई तो वहां से मिक्सिंग मशीन, इलेक्ट्रॉनिक समान, रेडियो और हीटर जैसे कई सामान बरामद किए गए। उन्होंने बताया कि हमने ये कार्रवाई सीसीटीवी फुटेज के आधार पर की।

हमने फुटेज के जरिए इन उपद्रवियों की पहचान की और फिर उन्हें हिरासत में लेकर उनसे पूछताछ की। इसके बाद हमने कई जगहों पर रेड किया। जहां से लूटे गए कई सामान बरामद हुए। जिसके बाद हमने 2 लोगों को गिरफ्तार भी किया। बता दें कि अग्निपथ के विरोध में प्रदर्शनकारियों ने रेलवे को भारी नुकसान पहुंचाया। शुक्रवार की सुबह लखीसराय स्टेशन पर खड़ी विक्रमशिला एक्सप्रेस को आग के हवाले कर दिया। कुछ देर बाद लखीसराय बाइपास के पास आउटर सिग्नल पर खड़ी जनसेवा एक्सप्रेस नें भी आग लगा दी। आज विक्रमशिला एक्सप्रेस की जली बोगियो को हटा कर उसे चलाया गया। जब ट्रेन मुंगेर के जमालपुर स्टेशन पहुंची तो भारी सुरक्षा व्यवस्था के बीच उसे रोका गया। वहीं, घटना के बाद रेलवे अधिकारियों ने स्टेशन पर लगे सीसीटीव को घंटों तक खंगाला था। जिसमें लोगों को संतर मुहल्ले और पंजाबी मुहल्ले में लूट की सामग्री को ले जाते देखा गया। इसी के आधार पर पंजाबी मोहल्ला और संतर मोहल्ले में छापेमारी चलाई गई, जिसमें कई सामग्री बरामद हुई।

बेगूसराय में सांप के डसने से महिला की मौत

बेगूसराय। रविवार की अलसुबह अपने फूंस के घर के सामने बैठे महिला की जहरीले सांप (अधसर) के डसने से जान चली गई। घटना गढ़पुरा थाना क्षेत्र के राहुल नगर गांव की है। मृतक महिला की पहचान सुभाष पासवान की पत्नी 30 वर्षीय पार्वती देवी के रूप में हुई है। पत्नी की मौत के बाद पति की आंखों से आंसू बहने का रुकने का नाम नहीं ले रहा है । पति का पत्नी के जाने के गम में रो रो कर बुरा हाल हो गया है। बताया जा रहा है कि रविवार की सुबह पार्वती देवी अपने फूस के घर के सामने बरामदा पर बैठी हुई थी। तभी सुबह सुबह झारी से निकलकर विषैले सर्प ने उसे डस लिया। जब तक लोग उसे आनन-फानन में इलाज के लिए बेगूसराय सदर अस्पताल लाया। तब तक उसकी जान चली गई। ग्रामीणों ने बताया कि पार्वती देवी और उसका पति गांव में ही खेतिहर मजदूरी का काम करते थे। जिससे तीन लड़का और दो लड़की सहित पांच बच्चों का भरण पोषण हो रहा था। अब पत्नी के मरने के बाद पति अकेला हो गया। वह पत्नी के जाने के गम में बार-बार बेहोश हो रहा है। स्थानीय ग्रामीणों ने बताया कि मोहल्ले में कई दिनों से यह अधसर सांप डेरा डाला हुआ था। इससे पहले दो मुर्गे की जान अधसर ने ले ली थी। तीसरी जान इस महिला को रविवार की सुबह सांप ने लिया है । यह मोहल्ले के लोगों के लिए खतरनाक साबित हो रहा है। अब जल्दी इसका मारने के लिए कोई ना कोई उपाय हम लोगों को ढूंढना होगा नहीं तो और भी जानें जा सकती है। वही पार्वती देवी की मौत के बाद परिजनों में कोहराम मचा हुआ है।

बिहार: बाढ़ ने बरपाया कहर

पूर्णिया में 20 से अधिक घर महानंदा में विलीन, बचे घरों को तोड़ रहे हैं बाढ़ पीड़ित

पूर्णिया। बिहार में बाढ़ का का खतरा तेजी से बढ़ता जा रहा है। पूर्णिया के बैसा प्रखंड के शमाटोली में गुरुवार की देर रात से महानंदा नदी के जलस्तर में वृद्धि से एक बार फिर से कटाव तेज हो गया। महज 12 से 14 घंटों के भीतर 40 फीट का कटाव हो चुका है। कटाव से 20 से अधिक घर नदी में विलीन हो चुके हैं। वही दर्जनों परिवार भीषण कटाव को देखकर न चाहते हुए अपने हाथों से घर को तोड़ रहे हैं। गुरुवार की देर रात से शुरू हुए भीषण कटाव का कहर जारी है। शनिवार को प्रखण्ड प्रमुख शमीम अख्तर ऊर्फ लालबाबू ,राजस्व अधिकारी आकाशदीप सिंहा ने संयुक्त रूप से कटाव स्थल का निरीक्षण कर कटाव प्रभावित परिवारों से बातचीत की। मौके पर मौजूद प्रखण्ड प्रमुख सहित जिला परिषद सदस्य असरारुल हक एवं पंचायत मुखिया प्रतिनिधि मो. हासीम ने हो रहे नदी कटाव को लेकर विभाग व प्रशासन पर सीधा आरोप लगाते हुए कहा कि सरकार हर काम देर करती है जिसका कोई फायदा लोगों को नहीं मिलता है। इसके कारण कभी-कभी लोगों को भारी नुकसान भी उठाना पड़ता है। इस बार भी प्रशासन व संबंधित विभाग की सुस्ती के कारण दर्जनों परिवार भीषण कटाव से प्रभावित हो रहे है। उन्होंने बताया कि यदि समय रहते एक माह पूर्व ही नदी कटाव निरोधक कार्य पूरा कर लिया जाता तो आज स्थिति इतनी भयावह नहीं होती। आज जो स्थिति है उससे तो यही लगता है कि इस बार शमाटोली का अस्तित्व ही समाप्त हो जाएगा। उन्होंने अंचल प्रशासन से इस दिशा में त्वरित कार्रवाई करते हुए नदी कटाव से प्रभावित परिवारों को सुरक्षित आश्रय में आश्रय देने व उसके खाने पीने आदि की समुचित व्यवस्था की की है। महानंदा नदी के किनारे बसे कंफलिया पंचायत के शमाटोली में गुरुवार की देर रात से शुरू हुए कटाव की जद में छह से अधिक परिवारों के घर नदी में विलीन हो चुके हैं। इस नदी कटाव में पंचायत समिति सदस्या किरण कुमारी के तीन घरों के साथ-साथ छह परिवारों के 20 से अधिक घर नदी में विलीन हो गए हैं। शुक्रवार की देर रात करीब 11 बजे कटाव इनके घरों तक पहुंच गया। आनन फानन में घरों ने सामानों को तो निकाल लिया पर घर नहीं बचा सके। कटाव इतना तेज है जिसे देखकर अब लोग न चाहते हुए अपने बचे घर को तोड़ रहे हैं। इनमे से कुछ तो आसपास रिश्तेदारों के यहां तो कुछ पास के प्राथमिक विद्यालय रघुनाथपुर में आश्रय लिए हुए हैं। उन्होंने अंचल प्रशासन का ध्यान दिलाते जल्द से जल्द इस दिशा में कटाव प्रभावित परिवारों के लिए सरकारी स्तर पर सहायता की मांग की है। शनिवार को कटाव स्थल पर प्रखण्ड प्रमुख के साथ पहुंचे राजस्व अधिकारी आकाशदीप सिन्हा ने कटाव प्रभावित परिवारों से बातचीत करते हुए बताया कि प्रशासन नदी कटाव प्रभावित क्षेत्र का निरीक्षण कर रही है। इस निरीक्षण के क्रम में उन्होंने कटाव प्रभावित परिवारों के सूची तैयार की है। उन्हें सरकारी स्तर पर हरसंभव मदद दी जाएगी। कई दिनों से हो रही बारिश से अररिया जिले के सिकटी में बाढ़ की स्थिति उत्पन्न हो गई है एवं नीचले इलाकों में पानी प्रवेश कर गया। वहीं परमान नदी के जलस्तर में भारी वृद्धि हुई है। परमान नदी अनुमंडल क्षेत्र में खतरे के निशान से ऊपर बहने लगी है हालांकि शनिवार की शाम 6:00 बजे से जलस्तर में कमी शुरू हो गई है। महानंदा एवं कनकई नदी खतरे के निशान के करीब बह रही है। जिससे क्षेत्र में बायसी अनुमंडल क्षेत्र के नीचले इलाकों में बाढ़ का खतरा मंडराने लगा है। सीडब्ल्यूसी के अधिकारी लक्ष्मी नारायण उरांव ने बताया कि महानंदा का डेंजर लेवल तैयबपुर में 66.000 है वही महानंदा 65.500 पर बह रही है। जबकि डेगराह घाट में महानंदा डेंजर लेवल 35.240 है और शुक्रवार की शाम 35.390 मीटर पर बह रही थी। चरघरिया में कनकई नदी का डेंजर लेवल 46.940 मीटर पर है जबकि शनिवार की शाम छह बजे 46.220 मीटर पर बह रही थी। अररिया में परमान नदी का डेंजर लेवल 47.000 मीटर है और शाम के छह बजे 46.140 मीटर पर बह रही थी। यहां जलस्तर में कमी जारी है। बता दें कि महानंदा नदी का जलस्तर स्थिर है जबकि कनकई एवं परमाण नदी के जल स्तर में वृद्धि जारी देखी गई।

भागलपुर: बह गया निमार्णाधीन फोरलेन पुल का पाया

भागलपुर। नेपाल और सीमांचल में बारिश से बिहार में कोसी नदी उफान पर है। भागलपुर जिले के बिहपुर में शनिवार को कोसी नदी पर निमार्णाधीन पुल का पाया बह गया। कोसी नदी पर 6.94 किलोमीटर लंबा फोरलेन पुल बन रहा है, जिसे मुंबई की एफकॉन कंपनी बना रही है। पाया बहने से कंपनी को करीब 3 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है। बहुप्रतीक्षित एनएच 106 मिसिंग लिंक (30 किलोमीटर) बिहपुर से फूलोत तक कोसी नदी पर बन रहे पुल का एक पाया हरिओ के त्रीमुहान घाट के समीप शनिवार की दोपहर करीब दो बजे कोसी नदी के तेज बहाव में बह गया। एफकॉन के प्रोजेक्ट मैनेजर बीके झा, डीजीएम अरविंद कुमार, सीनियर मैनेजर तकनीक शैलेश तिवारी और एजीएम रणजीत कुमार ने बताया कि पाया 1400 टन वजनी था और उसका व्यास 8.50 मीटर था। कोसी की मुख्य धारा में चार पाया 121, 122, 123 और 124 हैं। तीन पाया का काम पूरा हो चुका है। लेकिन 124 नंबर पाया के नीचे कंक्रीट आ जाने के कारण उसका काम नहीं पूरा हो पाया। वहीं, एक जून को गोताखोर को बुलाकर जब दिखाया गया तो पता चला कि कुएं के नीचे बंडल में बिजली का पोल था। कोसी के पानी का बहाव तेज होने के कारण कुएं के नीचे से मिट्टी खिसक गई और ये कुआं (पाया) बह गया। पुल का निर्माण एवं सड़क कुल मिलाकर 996 करोड़ की लागत से हो रहा है। इसमें 41 पुलिया, माइनरब्रिज का निर्माण हो रहा है। पुल निर्माण का कार्य इसी वर्ष 7 मार्च से शुरू हुआ था। निर्माण कार्य 6 जुन 2024 को पूरा होना है। प्रोजेक्ट मैनेजर ने बताया कि कोसी नदी पर मेजर ब्रिज ओवर कोसी रिवर सात किमी लंबा बनाया जा रहा है। पुल निर्माण पर करीब 828 करोड़ रुपये खर्च होगा। जो पाया कोसी में बह गया है। उसकी जगह दूसरा पाया बनाया जाएगा। 10 जून से कोसी के जलस्तर में बढ़ोतरी शुरू हुई और 12 जून से नदी में पानी का बहाव तेज हुआ। पिछले 14 घंटे में 10 लाख 34 हजार क्यूसेक पानी छोड़ा गया है।

संक्षिप्त -समाचार

सीवान में अपराधियों ने युवक को मारी गोली: मोबाइल छीनने का विरोध करने पर की फायरिंग

सीवान। मोबाइल छीनने का विरोध करने एक युवक को गोली मार दी गई। जहां युवक गंभीर रुप से घायल हो गए। फिलहाल उसका इलाज जिले के सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां से डॉक्टर ने उस पटना पीएमसीएच में रेफर कर दिया। घटना जीबी नगर तरवारा थाना क्षेत्र के नवका बाजार के समीप शनिवार रात घटी। पीड़ित की पहचान जीबी नगर तरवारा थाना क्षेत्र के पांडेयपुर खमहौरी गांव निवासी स्व.ओम प्रकाश मिश्रा के 27 वर्षीय पुत्र सोनू कुमार मिश्रा के रूप में हुई है। घटना के संबंध में मिली जानकारी के अनुसार बताया जाता है कि सोनू कुमार मिश्रा शनिवार की देर रात सड़क पर टहल रहे थे। इसी दौरान एक ही बाइक पर सवार तीन की संख्या में पहुंचे नकाबपोश बदमाशों ने उनकी मोबाइल छीनने की कोशिश करने लगे। जिसका सोनू ने विरोध किया। बताया जाता है कि युवक और बदमाशों के बीच मोबाइल छीनने को लेकर काफी देर तक हाथापाई भी हुई। इसके बाद नकाबपोश बदमाशों ने युवक को गोली मार दी। बता दें कि पीड़ित युवक के बायां हाथ के कंधे पर गोली लगी है। वह इधर मामले की जानकारी मिलते ही पचरुखी थाने के पुलिस दल बल के साथ मौके पर पहुंचकर मामले की तहकीकात शुरू कर दी है। सोनू कुमार की गोली मारकर गंभीर रूप से घायल कर देने की जानकारी जैसे ही परिवार के लोगों को ही चीख-पुकार मच गया। परिवार के लोग काफी डर गए थे। जिसके बाद वह भागते हुए सीवान सदर अस्पताल पहुंचकर पीड़ित का हाल खबर लिया। कोई घटना की जानकारी के बाद मौके पर अफरा-तफरी का माहौल कायम हो गया सैकड़ों की तादाद में लोगों की भीड़ एकत्रित हो गई। बता दें कि किधर युवक की गोली मारकर गंभीर रूप से घायल करने के मामले में जीबी नगर तरवारा थाने की पुलिस अपराधियों की धरपकड़ के लिए दुकानों में लगे सीसीटीवी फुटेज खंगालने में लगी हुई है।

सर्जरी के दौरान पेट में कॉटन छोड़ने का मामला:थानेदार ने एएसपी की भी नहीं मानी बात, अब कोर्ट जाएंगी पीड़ित डॉक्टर

पटना। फुलवारी पुलिस ने संवेदनहीनता की सारी हदें पार कर दी हैं। सर्जरी के दौरान पेट में कॉटन छोड़ने के मामले की जांच के लिए मेडिकल बोर्ड का गठन करने के लिए पीड़िता डॉ. पूजा का आवेदन आठवें दिन भी न तो सिविल सर्जन और न ही पटना एम्स को भेजा है। इससे पीड़िता निराश हैं। डॉ. पूजा के पति ने कहा कि पता नहीं क्यों पुलिस आवेदन नहीं भेज रही है। टालमटोल कर रही है। इसमें मुझे तो षड्यंत्र की बू आती है। पुलिस का रवैया अफसोसनाक है। अगर पूजा के आवेदन पर एफआईआर नहीं हुई तो कोर्ट में ही मामला दर्ज कराएंगे। एएसपी मनीष कुमार ने 12 जून को ही कहा था कि डॉ. पूजा का आवेदन मेडिकल बोर्ड के गठन के लिए एम्स और सिविल सर्जन को भेज दिया जाएगा। इसके लिए थानेदार एकरार अहमद को आदेश दे दिया गया है। मगर थानेदार ने तो एएसपी के आदेश को भी ताक पर रख दिया है। थानेदार ने एएसपी को बताया कि आवेदन भेज दिया गया है। रिसिविंग मांगने पर नहीं दिखाया। थानेदार ने एएसपी को भी इस बाबत गुमराह किया। थानेदार ने गुरुवार को कहा था कि शुक्रवार को आवेदन भेज देंगे। जब शुक्रवार को उनसे पूछा तो बताया कि मसौदा लिखा गया है, शनिवार को भेज देंगे। जब शनिवार को इस बाबत पूछा तो कहा कि मसौदा लिखा हुआ है। लेकिन, शनिवार की रात 8.15 बजे तक पत्र नहीं भेजा गया था। सूत्र बताते हैं कि इस समय लेटर टाइप हो रहा था। एएसपी मनीष कुमार ने कहा कि अगर आवेदन नहीं भेजा गया है तो इसके लिए थानेदार से स्पष्टीकरण पूछा जाएगा।

बेगूसराय में हादसा, महिला की मौत:तेज रफ्तार वाहन की टक्कर से गई महिला की जान, पहचान में जुटी पुलिस

बेगूसराय। सड़क हादसा में एक महिला की मौत हो गई। घटना बलिया थाना क्षेत्र के बरियारपुर ढाला के समीप की है। बलिया थाना की गश्ती पुलिस ने रात के करीब एक बजे सड़क के किनारे महिला का शव पड़ा मिला। जिसके बाद पुलिस ने आनन-फानन में महिला के शव को पोस्टमार्टम के लिए दो चौकीदार के साथ बेगूसराय सदर अस्पताल भेज दिया। बरामद महिला की लाश की शिनाख्त अभी तक नहीं हो पाई है। पुलिस आसपास के थानों सहित मुख्यालय में इसकी सूचना देकर शव की पहचान करने में जुटी हुई है। सबको पोस्टमार्टम करवाने के लिए पहुंचे चौकीदार नूर मोहम्मद व पवन पासवान ने बताया बीती रात में एनएच 31 पर सरक हादसा के दौरान अज्ञात वाहन की ठोकर से महिला की मौत हुई है। महिला का शव क्षत-विक्षत अवस्था में एनएच के किनारे पड़ा हुआ था। इसे किसी तरह समेटकर पोस्टमार्टम के लिए लाया गया है। जिससे पहचान करने में भी परेशानी हो रही है। गश्ती गाड़ी की सूचना पर हम लोग अपने ड्यूटी से आकर सबको पोस्टमार्टम करवाने के लिए सदर अस्पताल लेकर आए हैं। आईओ रामप्रताप पासवान के आने में विलंब होने के कारण पोस्टमार्टम की प्रक्रिया शुरू नहीं की गई है। उन्होंने बताया कि महिला की पहचान को लेकर पुलिस जुटी हुई है। समाचार प्रेषण तक महिला की पहचान नहीं हो पाई है।

सीतामढ़ी में 32 पुलिसकर्मियों का तबादला: 31 सब इंस्पेक्टर का अंतर जिला ट्रांसफर

सीतामढ़ी। जिले के विभिन्न थानों एवं अन्य स्थान पर कार्यरत 13 सब इंस्पेक्टर समेत 32 पुलिसकर्मियों का अंतर जिला तबादला कर दिया गया है। इस संबंध में पुलिस उपमहानिरीक्षक कार्मिक में सूची जारी की है। जिसमें बताया गया है कि सीतामढ़ी जिला बल में पदस्थापित उमाशंकर शर्मा को जहानाबाद जिला बल में तबादला किया गया है। पुअनि साकेत बिहारी सिंह को दरभंगा, प्रमोद कुमार को मधेपुरा, कमला यादव को अरवल, धर्मेंद्र सिंह को भोजपुर, राजेश चटर्जी को भागलपुर, परमहंस राय को अरवल, जयराम पासवान को कटिहार, बीजू शर्मा को पटना, देवपूजन राय, परशुराम प्रसाद गुप्ता और शिव शंकर सिंह को भोजपुर, गौतम प्रसाद यादव को भागलपुर, केदार राम को भोजपुर, अभिमन्यु यादव को पटना भेजा गया। वहीं पुअनि रणविजय सिंह को वैशाली, अशोक कुमार को नालंदा, महेंद्र सिंह को रोहतास, राजा राम सिंह को कैमूर, शंभू सिंह को बेगूसराय, लक्ष्मण ठाकुर को जहानाबाद, योगेंद्र सिंह को सारण, मोहम्मद अकबर खां को रोहतास, रामानंद सिंह को कैमूर, मोहम्मद मुस्लिम खां को भागलपुर, छोटन कुमार सिंह को भोजपुर, सुशीला देवी को बेगूसराय और अवलेज यादव को भागलपुर तबादला किया गया है। बताया गया कि इन सभी के अलावे कई अन्य लोगों की भी तबादला की गई है।

अग्निपथ योजना देश के युवाओं को मार डालेगी और सेना को खत्म कर देगी : प्रियंका गांधी

नई दिल्ली, 19 जून (एजेन्सी)। अग्निपथ योजना पर केंद्र की आलोचना करते हुए कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने रविवार को कहा कि यह योजना देश के युवाओं की जान लेने के साथ ही सेना को भी खत्म कर देगी। उन्होंने कहा कि सरकार गरीबों और युवाओं के लिए नहीं बल्कि बड़े उद्योगपतियों के लिए काम कर रही है।

अग्निपथ योजना के खिलाफ आंदोलन करने वालों के समर्थन में एकजुटता दिखाते हुए रविवार को जंतर-मंतर पर कांग्रेस पार्टी द्वारा आयोजित 'सत्याग्रह' में हिस्सा लेने के दौरान प्रियंका गांधी ने यह बात कहीं। उन्होंने युवाओं से अग्निपथ योजना के खिलाफ शांतिपूर्ण प्रदर्शन करने की अपील की और साथ ही उन्हें कांग्रेस पार्टी के पूर्ण समर्थन का आश्वासन भी दिया। सभी सांसदों, सीडब्ल्यूसी सदस्यों और एआईसीसी पदाधिकारियों ने भी इस विरोध-प्रदर्शन में भाग लिया।

कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने अग्निपथ योजना का विरोध कर रहे युवाओं से कहा कि आपसे बड़ा देशभक्त कोई नहीं है। मैं आपको बताना चाहती हूं, आप अपनी आंखें खोलिए तथा फर्जी राष्ट्रवादियों एवं फर्जी देशभक्तों को पहचानिए। पूरा देश और कांग्रेस आपके संघर्ष में आपके साथ है।

उन्होंने हरिवंशराय बच्चन की कविता 'अग्निपथ' की पंक्तियां उद्धृत करते हुए युवाओं से दृढ़ता एवं शांतिपूर्वक संघर्ष करने की अपील की। प्रियंका ने कहा कि इस कविता के शीर्षक को योजना का नाम दिया गया है, जो युवाओं को बर्बाद कर देगी। यह योजना सेना को तबाह कर देगी। इस सरकार की मंशा को पहचानिए। आपके संघर्ष में पूरा देश आपके साथ है। उन्होंने कहा कि लोकतांत्रिक तरीके से तथा सत्य एवं अहिंसा के मार्ग पर चलते हुए इस सरकार को गिराइए।

'सत्याग्रह' में पत्रकारों को संबोधित करते हुए कांग्रेस नेता ने कहा कि केंद्र सरकार गरीबों और युवाओं के लिए नहीं बल्कि बड़े उद्योगपतियों के लिए काम कर रही है। प्रियंका ने कहा कि यह योजना देश के युवाओं को मार डालेगी, सेना को खत्म कर देगी... कृपया इस सरकार की मंशा देखें और इसे गिराएं। ऐसी सरकार लाओ जो देश के लिए सोचती हो, और देश की संपत्ति की रक्षा करे। मैं आपसे शांतिपूर्ण प्रदर्शन करने का आग्रह करती हूं। विरोध करें, लेकिन रुकें नहीं।

बता दें कि, सशस्त्र बलों में नई भर्ती योजना के खिलाफ देश के विभिन्न हिस्सों में विरोध प्रदर्शन शुरू हो गए हैं। कुछ जगहों पर विरोध प्रदर्शन हिंसक हो गए और ट्रेनों में आग लगा दी गई। हाल ही में शुरू की गई अग्निपथ भर्ती योजना के खिलाफ युवाओं के आंदोलन के कारण शुक्रवार को 340 ट्रेन सेवाएं प्रभावित हुईं।

विशेष रूप से, सरकार द्वारा 14 जून को सशस्त्र बलों की भर्ती प्रक्रिया में बदलाव लाने के प्रयास में अग्निपथ योजना शुरू की गई थी। नई सैन्य भर्ती योजना को विपक्ष के विरोध का सामना करना पड़ रहा है, केंद्र ने अग्निवीरों की भर्ती के लिए ऊपरी आयु सीमा में बदलाव लाने का फैसला किया है।

एकमुश्त छूट देते हुए केंद्र ने 16 जून, 2022 को घोषणा की कि अग्निपथ योजना के माध्यम से भर्ती के लिए अग्निवीर की ऊपरी आयु सीमा 21 वर्ष से बढ़ाकर 23 वर्ष कर दी गई है। इस योजना को अग्निपथ नाम दिया गया है और इस योजना के तहत चयनित युवाओं को अग्निवीर के रूप में जाना जाएगा। अग्निपथ देशभक्ति से प्रेरित युवाओं को चार साल की अवधि के लिए सशस्त्र बलों में सेवा करने का अवसर देगी।

कर्नाटक के पूर्व सीएम येद्दियुरप्पा को जमानत

बेंगलुरु, 19 जून (एजेन्सी)। सांसदों और विधायकों से जुड़े आपराधिक मामलों की सुनवाई करने वाली एक विशेष अदालत ने भ्रष्टाचार के एक मामले में कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री बी एस येद्दियुरप्पा को जमानत दे दी है। न्यायाधीश बी जयंत कुमार ने शनिवार को येद्दियुरप्पा को जमानत दी। इससे पहले, दर्ज कराई गई आपत्तियों में शिकायतकर्ता के वकील ने कहा कि उन्होंने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता को जमानत दिये जाने का विरोध नहीं किया है।

हालांकि, शिकायतकर्ता के वकील केवी धनंजय ने दलील दी कि उन्होंने आरोपी द्वारा दिये गये सिर्फ कुछ आधार पर आपत्ति जताई थी। आपत्तियों में कहा गया था कि येद्दियुरप्पा की जमानत अर्जी कांग्रेस नेता आर वी देशपांडे और अन्य आरोपियों के खिलाफ दर्ज मामले का उल्लेख करती है, जिनके विरूद्ध मूल शिकायत दायर की गई थी। लेकिन अब मामला सिर्फ भाजपा नेता के खिलाफ है और अन्य का जिक्र करना अनुचित है।

आपत्तियों में कहा गया है, 'अपनी जमानत अर्जी में, आरोपी बी एस येद्दियुरप्पा ने उस अपराध से इनकार किया है जिसके लिए उन्हें समन किया गया और अपने उन कृत्यों का बचाव करने की कोशिश की जो इस आपराधिक कार्यवाही का विषय है।' अदालत ने कहा कि येद्दियुरप्पा को जमानत दी जाती है और सुनवाई 16 जुलाई के लिए स्थगित की जाती है। विशेष अदालत ने 2013 में वासुदेव रेड्डी नाम के एक व्यक्ति द्वारा दायर एक शिकायत में येद्दियुरप्पा (79) को समन जारी किया था।

शिकायत में आरोप लगाया गया है कि येद्दियुरप्पा ने 2006 में उप मुख्यमंत्री रहने के दौरान बेंगलुरु के बेल्लंदुर और देवराबीसनहल्ली में 15 एकड़ 30 गुंटा जमीन अवैध रूप से गैर अधिसूचित कर दी, जो एक आईटी पार्क के लिए ली गई थी। पूर्व उद्योग मंत्री आर वी देशपांडे मूल शिकायत में मुख्य आरोपी थे, लेकिन कर्नाटक हाई कोर्ट ने 2015 में उनके खिलाफ मामला रद्द कर दिया था। येद्दियुरप्पा, मामले में एक मात्र आरोपी बच गए हैं और उनपर भ्रष्टाचार रोकथाम अधिनियम के तहत आरोप लगाया गया है।

दिल्ली एयरपोर्ट की तरह बनेगा कानपुर सेंट्रल, रीडेवलपमेंट पर लगी मुहर

कानपुर, 19 जून (एजेन्सी)। कानपुर सेंट्रल स्टेशन के रीडेवलपमेंट प्रोजेक्ट पर आखिरकार मुहर लग गई। सेंट्रल को दिल्ली एयरपोर्ट की तर्ज पर विकसित करने का खाका तैयार करने के बाद टेंडर भी जारी कर दिया है। तीन साल में स्टेशन के रीडेवलपमेंट पर 710 करोड़ रुपये की राशि प्रस्तावित की गई है। पोर्टिको के साथ रिजर्व पार्किंग दोनों तरफ होगी। कांट्रैक्टर को जुलाई-2025 में काम पूरा करने का लक्ष्य दिया गया है। वर्ष 2050 के यात्री लोड का आकलन करके रीडेवलपमेंट योजना में कार्य प्रस्तावित किए गए हैं।

सेंट्रल स्टेशन के रीडेवलपमेंट के तहत सिटी साइड अंडरग्राउंड पार्किंग प्रस्तावित थ्री स्टार होटल के नीचे होगी। स्टेशन आने वाले यात्री इसमें पार्किंग कर सकेंगे। माल कम थ्री स्टार होटल में यात्रियों के ठहरने के लिए भी पूरी व्यवस्था रहेगी। इसका रेट रेलवे अपने हिसाब से यात्री हित में तय करेगा। सेंट्रल स्टेशन के प्लेटफार्मों में भी विस्तार प्रस्तावित है। अभी दस प्लेटफार्म हैं पर बाद में 13 प्लेटफार्म होंगे। इसके बाद हर रूट की ट्रेनों के आने और जाने के लिए रिजर्व प्लेटफार्मों का निर्धारण हो जाएगा। अभी ख्रलेटफार्म खाली न होने पर हावड़ा और लखनऊ से आने वाली ट्रेनों को आउटरों पर पांच से दस मिनट तक रूकना पड़ता है। इसके अलावा सिटी और कैंट साइड़ एक गेट प्रवेश का होगा तो दूसरा बाहर आने का। सुरक्षा के लिहाज से दो ही गेट होंगे। घंटाघर से आने वाले वाहन सीधे पोर्टिको में जाकर सवारियों को उतारेंगे और आगे चलकर हैरिसगंज पुल के सामने के गेट से बाहर निकलेंगे।

सिटी साइड एक ही छत के नीचे आरक्षण केंद्र और जनरल टिकट घर प्रस्तावित किए गए हैं। अभी जनरल टिकट हाल में तो रिजर्वेशन काउंटर की अलग बिल्डिंग है। इससे यात्रियों को भ्रम होता है। लंबे समय से एक छत के नीचे दोनों काउंटरों को शिफ्ट करने की तैयारी चल रही थी।

थ्री स्टार होटल के बगल में ओपन फूडप्लाजा होगा। ओपन का मतलब खानपान का काउंटर तो कमरे में होगा। सेल्फ सर्विस होगी। आर्डर बुक करने पर काउंटर से सामान लेकर सामने हाल में कुर्सियों पर जाकर बैठना होगा। वहीं पर खानपान कर सकेंगे।

धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने वाले बयान देने से बचें; सांसदों को ओम बिड़ला की नसीहत

नई दिल्ली, 19 जून (एजेन्सी)। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला ने रविवार को कहा कि संविधान के समक्ष सभी धर्म समान हैं। उन्होंने कहा कि सांसदों को किसी भी धर्म के बारे में भड़काऊ बयान देने से बचना चाहिए और हर समय संसद की गरिमा और मर्यादा बनाए रखनी चाहिए। लोकसभा अध्यक्ष के रूप में रविवार को तीन साल पूरे करने वाले बिरला ने अब तक की यात्रा को सफल बनाने में योगदान देने के लिए सभी राजनीतिक दलों के नेताओं को धन्यवाद दिया और कहा कि यह एक बड़ी उपलब्धि है कि इस अवधि के दौरान सदन की औसत उत्पादकता 100 प्रतिशत से ऊपर रही है।

उन्होंने कहा कि सदन में 17वीं लोकसभा में अब तक आठ सत्रों में लगभग एक हजार घंटे कामकाज हुआ है। चर्चा और बहस को 'लोकतंत्र का आभूषण' बताते हुए बिरला ने कहा कि सांसदों को संसद में बोलते समय अनावश्यक आक्रामकता और शोर-शराबे से बचना चाहिए। ओम बिड़ला ने कहा, 'चर्चा, बहस संसदीय लोकतंत्र के महत्वपूर्ण अंग हैं। बहस के दौरान एक-दूसरे पर कटाक्ष करना भी स्वीकार्य है। लेकिन संसद में सांसदों को अनावश्यक आक्रामकता और शोर-शराबे से बचना चाहिए।'

उन्होंने कहा कि राजनीतिक नेताओं द्वारा संसद का इस्तेमाल निराधार आरोप लगाने और जवाबी आरोप लगाने के लिए एक मंच के रूप में नहीं किया जाना चाहिए। धर्मों को लेकर इन दिनों नेताओं के बीच तीखी बहस के सवाल पर, बिरला ने सुझाव दिया कि संसद सदस्यों को किसी भी धर्म के खिलाफ भड़काऊ बयान देने से बचना चाहिए क्योंकि संविधान के समक्ष सभी धर्म समान हैं।

ओम बिड़ला ने कहा, 'सांसदों को धार्मिक मुद्दों पर बोलते समय इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि उनके बयान से किसी अन्य धर्म की भावनाओं को ठेस न पहुंचे। हम सभी को पूरी निष्ठा से इस परंपरा का पालन करना चाहिए। हमारा संविधान सभी को अपने धर्म का पालन करने का अधिकार देता है।' उन्होंने कहा कि संसद संविधान के अनुसार काम करती है। उन्होंने कहा, 'संसद में किसी

भी धर्म के खिलाफ भड़काऊ टिप्पणी नहीं की जानी चाहिए। इसकी गरिमा और मर्यादा को हर समय बनाए रखा जाना चाहिए।'

फेसबुक व्हिसल-ब्लोअर सोफी झांग के आईटी पर संसद की स्थायी समिति के समक्ष पेश होने की इच्छा जताने के बावजूद यहां के अधिकारियों द्वारा पेश होने के लिए नहीं कहे जाने के बारे में पूछे जाने पर ओम बिड़ला ने कहा कि संसदीय समिति के सामने किसी को पेश होने के लिए बुलाने के लिए नियम और कानून हैं। बिरला ने कहा, 'यह उचित नहीं है कि कोई कहे कि 'मुझे समिति द्वारा नहीं बुलाया गया है'। संसदीय समिति के समक्ष किसी को बुलाने की व्यवस्था और प्रक्रियाएं हैं और अंतिम निर्णय लोकसभा अध्यक्ष को लेना होता है।'

सेंट्रल विस्टा परियोजना के तहत बन रहे नए संसद भवन के बारे में बात करते हुए बिरला ने कहा यह आधुनिक भारत और हमारे समृद्ध इतिहास दोनों की झलक दिखाएगा। यह भारत के सभी राज्यों की संस्कृति को प्रदर्शित करेगा।' गौरतलब है कि बिरला को 19 जून, 2019 को सर्वसम्मति से लोकसभा अध्यक्ष के रूप में चुना गया था।

बिहार संपर्क क्रांति की बोगी से मिला बम, आंदोलन की आड़ में समस्तीपुर को दहलाने की थी साजिश

समस्तीपुर, 19 जून (नि.सं.)। अग्निपथ के विरोध में हुए प्रदर्शन के दौरान समस्तीपुर में बिहार संपर्क क्रांति एक्सप्रेस की बोगियों में उपद्रवियों ने आग लगा दी थी। अब जांच के दौरान ट्रेन के एसी कोच से आईईडी बरामद किया गया है। मामले की उच्चस्तरीय जांच शुरू कर दी गई है। पुलिस को आशंका है कि प्रदर्शन की आड़ में आईईडी के जरिए शहर को दहलाने की साजिश रची गई थी।

एसपी हृदयकांत ने बताया कि ट्रेन की बोगी से जो सामग्री मिली है, उसकी जांच की जा रही है। जांच पूरी होने के बाद ही बताया जा सकता है कि उक्त सामग्री विस्फोटक है या कुछ और। दूसरी ओर इस मामले में रेल थाने की पुलिस और आरपीएफ कुछ भी बोलने से परहेज कर रही है।

शुक्रवार को समस्तीपुर जिले के मोहिउद्दीननगर में लोहित एक्सप्रेस और समस्तीपुर में आउटर पर खड़ी बिहार संपर्क क्रांति एक्सप्रेस में उपद्रवियों ने तोड़फोड़ कर आग के हवाले कर दिया था। सूत्रों ने बताया कि बिहार संपर्क क्रांति एक्सप्रेस की जिन बोगियों को उपद्रवियों ने जलाया, उसकी बगल वाली एसी बोगी से आईईडी बरामद किया गया है। जिस कोच से बम मिला है, उसे आग से बचाने के लिए आरपीएफ व रेल पुलिस के जवानों के अलावा घटना देखने गये लोगों ने धक्का देकर हटाने की कोशिश की थी। कोच की जांच के दौरान मिले बम को आरपीएफ के हवाले कर दिया गया था।

सूत्रों का कहना है कि बरामद बम इतना अधिक शक्तिशाली था कि विस्फोट होने के बाद ट्रेन तो उड़ती ही, रेलवे ट्रैक के आसपास के घर भी पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो जाते। यह संयोग ही था कि बम को विस्फोट कराने में उपद्रवियों को सफलता नहीं मिली। सूत्र यह भी बता रहे हैं कि समस्तीपुर को दहलाने के लिए एक दिन पूर्व यानी गुरुवार को शहर के एक खेल मैदान में कुछ लोगों ने बैठक की थी। इसमें उपद्रव की रूपरेखा तैयार की गयी थी।

अग्निवीरों को मिलेगी .....

ही मानसिकता के खिलाफ है। वहीं शिवसेना की राज्यसभा सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने कहा कि विजयवर्गीय की टिप्पणी ने वर्दी वालों के महत्व को कम कर दिया है।

यूपी में बुलडोजर' क्यों नहीं चलवाया? ब्रेक फेल हो गया या ड्राइवर भाग गया? जेडीयू ने संजय जायसवाल से पूछा सवाल

पटना, 19 जून (का.सं.)। प्रदेश जदयू प्रवक्ता विधान पार्षद नीरज कुमार ने रविवार को बिहार भाजपा अध्यक्ष डॉ संजय जायसवाल पर हमला बोला है। उन्होंने कहा कि बिहार में प्रशासन पर सवाल उठाने वाले संजय जायसवाल बताएं कि उत्तर प्रदेश में जब पुलिस स्टेशन में आग लगा दी गई तो क्यों नहीं कार्रवाई हुई? यूपी की बुलडोजर संस्कृति का क्या हुआ? क्या बुलडोजर का ब्रेक फेल हो गया या ड्राइवर भाग गया।

बता दें कि शनिवार को बिहार भाजपा के अध्यक्ष डॉ. संजय जायसवाल ने कहा कि अग्निपथ के विरोध के नाम पर बिहार में उपद्रव की सुनियोजित साजिश की गई। विपक्षी दलों ने अफवाहों का बाजार गर्म किया है और छात्रों को भड़काया। एक खास एजेंडे के तहत सुनियोजित और संगठित तरीके से विरोधी दलों द्वारा पूरे बिहार को तबाह करने की कोशिश हुई।

भाजपा के नेताओं और दफ्तरों को लक्ष्य किया गया है। जो पूरे हिन्दुस्तान में नहीं हुआ, वह बिहार में हो रहा है।

वहीं जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह ने प्रदेश भाजपा अध्यक्ष डॉ. संजय जायसवाल के बयान पर पलटवार करते हुए कहा कि लोगों के आक्रोश से डॉ. जायसवाल ने अपना संतुलन खो दिया है। इसलिए वह पुलिस-प्रशासन पर अनर्गल आरोप लगा रहे हैं। प्रशासन को जदयू या भाजपा से क्या लेना-देना है? उन्हें हमलावरों से पूछना चाहिए कि वे भाजपा को लक्ष्य क्यों किए हुए हैं।

गांधी परिवार को युवाओं की कोई चिंता नहीं : पात्रा

नई दिल्ली, 19 जून (एजेन्सी)। अग्निपथ सैन्य भर्ती योजना के खिलाफ बढ़ते विरोध के बीच भाजपा ने रविवार को विपक्षी दलों पर सरकार को अस्थिर करने के लिए राष्ट्रीय सुरक्षा और सशस्त्र बलों के मुद्दों पर राजनीति करने का आरोप लगाया। रविवार को अग्निपथ विरोध के समर्थन में कांग्रेस के 'सत्याग्रह' को भाजपा नेता संबित पात्रा ने 'शुद्ध राजनीति' करार दिया। उन्होंने दावा किया कि वे तीनों सेनाओं के अधिकारियों को आगजनी में शामिल न होने की अपील करने के लिए 'मजबूर' कर रही हैं।

भाजपा नेता संबित पात्रा ने कहा कि प्रियंका गांधी वाड्रा के बयान के मुताबिक, उनका उद्देश्य सरकार गिराना है। इसलिए, यह बिल्कुल स्पष्ट है कि उन्हें इस देश के सशस्त्र बलों और युवाओं की कोई चिंता नहीं है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय महत्व के विषयों पर राजनीति नहीं होनी चाहिए, लेकिन ऐसे विषय पर राजनीति हो रही है और सशस्त्र बलों के अधिकारियों को आगे आकर उन्हें अग्निपथ योजना के बारे में समझाना पड़ रहा है। इस दौरान भाजपा प्रवक्ता संबित पात्रा ने कहा कि आखिर विपक्ष क्या चाहता है?

भाजपा नेता संबित पात्रा ने अग्निपथ भर्ती योजना को एक बहुत जरूरी सुधार बताया। उन्होंने कहा कि इसका उद्देश्य भारतीय सशस्त्र बलों को एक युवा प्रोफाइल देना है। संबित पात्रा ने कहा कि भारतीय सेना की औसत आयु अभी 32 साल है। अग्निपथ योजना इसे घटाकर 26 कर देगी। कारगिल युद्ध के बाद सभी समितियों ने सशस्त्र बलों में इस तरह के सुधार का सुझाव दिया है।

इस दौरान संबित पात्रा ने अग्निपथ योजना और इसके लाभों की व्याख्या करने के लिए तीनों बलों की सराहना करते हुए विपक्ष पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि ये वही दल थे जिन्होंने सर्जिकल स्ट्राइक, हवाई हमले और राफेल जेट सौदे पर सवाल उठाया था। संबित पात्रा

ने कहा कि उन्होंने सर्जिकल स्ट्राइक, हवाई हमले और राफेल जेट सौदे पर राजनीति की। उन्हें इसके बाद भी नुकसान हुआ क्योंकि इस देश के लोगों को सशस्त्र बलों और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर पूरा भरोसा है। भाजपा प्रवक्ता संबित पात्रा ने कहा कि देश की सुरक्षा के मुद्दों पर हम सभी को भारतीयों के रूप में एकजुट होना चाहिए, न कि इन राजनीतिक दलों के व्यक्तियों के रूप में।

गौरतलब है कि कांग्रेस सांसदों और नेताओं ने सशस्त्र बलों में भर्ती के लिए केंद्र की नई अग्निपथ योजना का विरोध कर रहे युवाओं के साथ एकजुटता दिखाते हुए रविवार को दिल्ली के जंतर मंतर पर 'सत्याग्रह' किया।

इस विरोध प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने युवाओं को नकली राष्ट्रवादियों को पहचानने और देश में एक नई सरकार बनाने का आग्रह किया। उन्होंने केंद्र पर आरोप लगाया कि नई सैन्य भर्ती योजना युवाओं और सेना के लिए विनाशकारी होगी।

NAGALAND STATE LOTTERIES
Draw Time: 06:00 PM
DEAR JUPITER SUNDAY
Draw No:81 DrawDate on:19/06/22
1st Prize ₹1 Crore/- 86K 43814
Cons. Prize Rs.1000/- 43814 (REMAINING ALL SERIALS)
2nd Prize ₹9000/-
08161 09556 11258 19169 34296 42637 52135 65947 88608 88690
3rd Prize ₹450/-
0317 2370 3791 4209 4745 6012 7400 7639 8150 8244
4th Prize ₹250/-
0175 1261 2468 2965 4349 5324 6440 6540 7842 9013
5th Prize ₹120/-
0108 0223 0309 0389 0659 0783 0998 1180 1190 1251
1271 1280 1419 1459 1463 1559 1628 1629 1718 1740
1752 1854 1912 1995 2091 2175 2260 2303 2317 2332
2355 2474 2593 2606 2655 2804 2904 3029 3082 3118
3180 3356 3363 3524 3626 3739 3801 3899 3954 3962
3984 4233 4561 4948 5030 5246 5299 5438 5790 5826
6072 6089 6213 6227 6719 6742 6745 6789 7018 7055
7084 7522 7619 7775 7841 7916 7964 7977 7979 8086
8351 8382 8479 8616 8792 8817 9008 9111 9251 9378
9388 9506 9512 9544 9622 9652 9781 9898 9958 9960
ISSUED BY : THE DIRECTOR
NAGALAND STATE LOTTERIES, KOHIMA, NAGALAND
For Results, Please Visit : Www.Nagalandlotteries.Com
KINDLY CHECK THE RESULT WITH THE OFFICIAL GAZETTE

NAGALAND STATE LOTTERIES
Draw Time: 08:00 PM
DEAR HAWK EVENING
Draw No:181 DrawDate on:19/06/22
1st Prize ₹1 Crore/- 93D 08937
Cons. Prize Rs.1000/- 08937 (REMAINING ALL SERIALS)
2nd Prize ₹9000/-
14101 28662 31812 59480 59943 63997 72444 75376 90912 96042
3rd Prize ₹450/-
0646 1281 1948 2203 2646 3925 5762 5999 7050 9193
4th Prize ₹250/-
0934 1236 3080 3843 4220 4412 4673 4930 8000 9701
5th Prize ₹120/-
0010 0073 0080 0125 0342 0366 0394 0399 0553 0680
0770 0898 0970 1048 1226 1370 1494 1499 1575 1597
1685 1747 1761 1780 1918 2109 2297 2416 2443 2445
2663 2870 2905 3128 3135 3159 3372 3533 3568 3903
4088 4272 4376 4617 4879 4967 4981 5009 5221 5309
5383 5406 5428 5450 5569 5662 5711 5980 6014 6451
6582 6633 6775 6894 6914 6942 7041 7046 7262 7375
7376 7513 7780 7823 7827 7955 7975 8255 8474 8579
8592 8614 8697 8737 8827 8855 8903 8981 9010 9022
9217 9407 9675 9691 9760 9767 9787 9790 9838 9863
ISSUED BY : THE DIRECTOR
NAGALAND STATE LOTTERIES, KOHIMA, NAGALAND
For Results, Please Visit : Www.Nagalandlotteries.Com
KINDLY CHECK THE RESULT WITH THE OFFICIAL GAZETTE

NAGALAND STATE LOTTERIES
Draw Time: 01:00 PM
DEAR DAMODAR MORNING
Draw No:81 DrawDate on:19/06/22
1st Prize ₹1 Crore/- 76E 53002
Cons. Prize Rs.1000/- 53002 (REMAINING ALL SERIALS)
2nd Prize ₹9000/-
25796 26335 32898 40998 56473 58023 65247 78529 79649 96980
3rd Prize ₹450/-
0060 0681 1336 1833 2825 4698 5535 5948 8044 9339
4th Prize ₹250/-
0387 1803 3737 4237 4478 6487 6796 7135 7402 8558
5th Prize ₹120/-
0057 0327 0358 0366 0378 0507 0587 0595 0634 0719
0805 0848 0965 1125 1180 1224 1238 1307 1350 1384
1454 1476 1583 1610 1629 1776 1883 1897 1910 1921
2374 2712 2783 2888 3259 3378 3448 3474 3536 3614
3882 4058 4150 4218 4540 4680 4810 4974 5107 5131
5168 5185 5330 5414 5435 5676 5989 6110 6147 6339
6479 6670 6754 6758 6787 6811 7104 7147 7180 7294
7297 7338 7439 7550 7587 7599 7700 7990 8006 8220
8377 8378 8425 8467 8470 8596 8850 8859 8882 9086
9100 9301 9401 9419 9456 9732 9832 9880 9887 9940
ISSUED BY : THE DIRECTOR
NAGALAND STATE LOTTERIES, KOHIMA, NAGALAND
For Results, Please Visit : Www.Nagalandlotteries.Com
KINDLY CHECK THE RESULT WITH THE OFFICIAL GAZETTE

सच और झूठ

सच और झूठ का खेल बड़ा निराला है। क्या हम में से किसी ने कभी इस बात पर चिंतन किया है कि मनुष्य झूठ क्यों बोलता है और सच बोलने से इतना घबराता-कतराता क्यों हैं? झूठ एक ऐसा आवरण है, जिसे ओढ़े रखने में बड़ी समस्या है, पर जब वह हमारा संस्कार बन जाता है, तब वह बहुत आकर्षक लगने लगता है। आकर्षक इसलिए, क्योंकि झूठ बोलनेवाला व्यक्ति अपनी बातों को दूसरों के समक्ष इस प्रकार प्रस्तुत करता है, मानो वह सच ही बोल रहा है। किंतु ऐसा करने में वह भूल जाता है कि आखिरकार वह स्वयं तथा दूसरों को धोखा ही दे रहा है।

झूठ बोलनेवाला व्यक्ति जिंदगीभर झूठी व मनगढ़ंत बातों को मनवाने के लिए अनेक प्रकार के जतन करता है। परिणामस्वरूप, उसकी बहुमूल्य ऊर्जा एवं शक्ति नष्ट होती रहती है। अपने गुणों व शक्तियों को श्रेष्ठ कार्यो में लगाने की बजाय ऐसे व्यक्ति झूठी बातें करने और उसे फैलाने में अपना समय बर्बाद करते रहते हैं। झूठ आज हमारे जीवन का अनिवार्य अंग बन चुका है। हम झूठ बोलने के इतने अभ्यस्त हो चुके हैं कि इसके बगैर हमें चैन ही नहीं मिलता है। इसी कारण अमेरिकी निबंधकार इमर्सन को कहना पड़ा की नि:संदेह सच बहुत सुंदर है, लेकिन झूठ के साथ भी कुछ ऐसा ही है।

व्यवहार स्वभाव संबंधी वैज्ञानिकों के अनुसार, झूठ हमारे अचेतन में प्रवेश कर गया है और इसीलिए हम अनजाने में भी झूठ बोलते चले जाते हैं। जब हम नया झूठ बोलने की योजना बनाते हैं, केवल तब ही हमें अहसास होता है कि हम पिछली बार की तरह फिर से झूठ बोलने जा रहे हैं। अन्यथा, हम प्रतिदिन न जाने कितने झूठ बोलते रहते हैं और हमें उसका जरा सा भी अहसास नहीं होता है। पर प्रश्न उठता है कि आखिर झूठ बोलना इतना जरूरी क्यों हैं?

क्या उसके बिना हमारा जीवन निर्वाह संभव नहीं हो पायेगा? हमारे भीतर छुपे लालच, भय, अस्वीकृति जैसे अवगुण ही हमें झूठ बोलने के लिए प्रेरित करते हैं। अत: हमें विद्वानों द्वारा दी गयी शिक्षा का अनुसरण करते हुए अपने भीतर छुपी सत्य की शक्ति को जाग्रत करके असत्य का पूर्ण नाश करना चाहिए।

संपादकीय पृष्ठ

डाटा युग में बिगड़ते बोल का बोलबाला

हरजिंदर

अपने देश में विवादास्पद सांप्रदायिक बयानों वाला बवाल जब अपने चरम पर था, तब कुछ अखबारों में खबर यह छपी कि भारतीय जनता पार्टी ने विवाद पैदा करने वाले अपने बयानवीरों पर लगाम लगाने का फैसला किया है। ऐसे 38 नेताओं की पहचान की गई है, जो अपने मुंह से झरने वाले फूलों की वजह से सुर्खियों में आते हैं। खबरों में यह भी बताया गया कि इसके लिए पार्टी नेताओं के लाखों ट्वीट खंगाले गए। उनमें से हजारों ट्वीट ऐसे अलग किए गए, जिनमें उनके बोल बिगड़े हुए थे। यह साफ नहीं है कि उसके आगे पार्टी ने सुधार के लिए क्या कार्रवाई की? की भी, या नहीं? यह भी हो सकता है कि पूरे मामले में पार्टी जिस तरह से फंस गई थी, उसके बाद ऐसी लीपापोती उसकी मजबूरी बन गई हो। मामला चाहे पार्टी में अनुशासन बनाने का हो या फिर महज लीपापोती करने का, इन कामों के लिए किसी पार्टी ने शायद पहली बार बिग डाटा का इस्तेमाल किया। कम-से-कम पहली बार ऐसा कोई किस्सा सार्वजनिक हुआ है।

साल 2014 का आम चुनाव वह पहला मौका था, जब बिग डाटा, यानी नागरिकों और मतदाताओं के आंकड़ों, उनकी जानकारियों, उनकी पसंद-नापसंद और उनके रुझानों का राजनीतिक इस्तेमाल शुरू हुआ था। सूचना तकनीक के इस्तेमाल से मतदाताओं को किस तरह जोड़ा और मोड़ा जा सकता है, इसका पहला अनुभव भारत को तभी मिला।

मतदान को प्रभावित करने की जिस तकनीक का इस्तेमाल अमेरिका में इस सदी की शुरुआत में ही होने लगा था, उसे भारत तक पहुंचने में एक दशक का समय लग गया। सबसे पहले बराक ओबामा ने इसका बड़े पैमाने पर इस्तेमाल किया और बिग डाटा के जरिये वह न सिर्फ पार्टी की तरफ से राष्ट्रपति पद की उम्मीदवारी प्राप्त करने में कामयाब रहे, बल्कि इसे आगे का मुख्य चुनाव भी उन्होंने जीता। पार्टी के भीतर उम्मीदवारी की दौड़ में उनकी प्रतिद्वंद्वी थीं हिलेरी क्लिंटन। हिलेरी जब इस दौड़ से बाहर हुईं, तो उन्होंने अपनी हार का ठीकरा आंकड़ों पर ही फोड़ते हुए कहा था कि उनके पास जीतने लायक अच्छे आंकड़े नहीं थे।

भारत में 1984 के आम चुनाव में राजीव गांधी ने राजनीति के परंपरागत और पुरातन तेवर बदलने की कोशिश की थी। तब पहली बार पार्टी दफ्तर में कंप्यूटर का इस्तेमाल शुरू हुआ था। उम्मीदवारों से उनके बायोडाटा मांगकर इन कंप्यूटरों में फीड किए गए थे। राजीव गांधी ने ही पहली बार चुनाव प्रचार को पेशेवर लोगों के हवाले कर उसका रूप-रंग पूरी तरह बदल दिया था। तब कांग्रेस के चुनाव प्रचार का जिम्मा री-डिफ्यूजन नाम की विज्ञापन एजेंसी को दिया गया था। इन चीजों के लिए उस दौर में उनका काफी मजाक भी बनाया गया। यह बात अलग है कि बाद में तकरीबन सभी दलों ने इन्हीं तौर-तरीकों को अपनाया। हालांकि, राजीव गांधी जिस समय कंप्यूटर का इस्तेमाल कर रहे थे, उस समय तक न तो बिग डाटा की अवधारणा विकसित हुई थी, न आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस (एआई) था, न मशीन लर्निंग थी, न इंटरनेट था और न ही वह सोशल मीडिया था, जिसने अगले दो दशक में करोड़ों लोगों को आपस में जोड़ दिया। पहला बदलाव तो राजीव गांधी ने कर दिया था, लेकिन अगले बदलाव के लिए भारत की राजनीति को अभी तीन दशक का इंतजार करना था।

आठ साल पहले जब बिग डाटा के इस्तेमाल ने भारत में दस्तक दी, तो यहां की राजनीति शायद उसके लिए पहले से ही तैयार थी। तब तक मोबाइल फोन की संख्या के मामले में भारत चीन के बाद दूसरा सबसे बड़ा देश बन गया था। देश में जितने वयस्क थे, मोबाइल फोन की संख्या उससे ज्यादा हो चुकी थी। इससे पहले की परंपरागत राजनीति में किसी भी उम्मीदवार के लिए यह लगभग अंसभव था कि अपने क्षेत्र के 80 फीसदी मतदाताओं तक वह पंफलेट या प्रचार सामग्री को पहुंचा सके। लेकिन अब तकनीक ने यह मुमकिन कर दिया था कि 80 फीसदी से ज्यादा मतदाताओं के फोन पर अपना संदेश भेजा जा सके।

इसलिए आंकड़ों का अंबार जमा करके उनके इस्तेमाल की तकनीक को भारतीय राजनीति ने ठीक वैसे ही अपनाया, जैसे मछली पानी को अपनाती है। हर रोज एक जीबी मुफ्त डाटा का दौर भले ही तब नहीं आया था, लेकिन ऐसी आबादी बहुत बड़ी थी, जो सोशल मीडिया से जुड़ चुकी थी। यह मीडिया मध्य वर्ग से होते हुए नीचे के वर्गों में भी अपने लिए जगह बनाने लग गया था।

तब से अब तक भारतीय राजनीति की गंगा-जमुना-सरस्वती में काफी डाटा बह चुका है। सभी दलों ने संकोच त्याग दिए हैं और आज हर कोई इनमें हाथ धो रहा है। इसी दौर ने एक और राजनीति को जन्म दिया है, जिसे हम चौबीसों घंटे और सातों दिन की राजनीति कहते हैं। यह और कुछ नहीं, नेताओं, कार्यकर्ताओं और समर्थकों की लगातार ऑनलाइन सक्रियता है। यह सक्रियता आपको ट्विटर पर भी दिखाई देगी, फेसबुक पर भी, यू-ट्यूब पर भी और इंस्टाग्राम पर भी। वहां मुद्दे भी उछाले जाते हैं, उनके जवाब भी दिए जाते हैं और फिर पूरे विमर्श में वह बिगड़े बोल भी उभरते हैं, जिनके लिए हमारी राजनीति पहले से ही कम बदनाम नहीं है।

इस नई सक्रियता ने कभी-कभार वाली तल्खी को सदा-सर्वदा वाला स्थायी भाव बना दिया है। पहले जिस तरह के तनाव की खबरें चुनाव के आसपास आती थीं, अब कभी भी, कहीं से आ जाती हैं। हालांकि, नई तकनीक इसे भी नियंत्रित करने में हमारी मदद कर सकती है, लेकिन यह होगा तभी, जब कोई वास्तव में इसे करना चाहेगा। तकनीक ने राजनीति को भले ही कितना भी बदल दिया हो, लेकिन समाज के तनावों से फायदा उठाने वाली उसकी नीयत को नहीं बदला। जब तक यह नहीं होता, लीपापोती चलती रहेगी।

कभी लालू यादव ने कहा था कि अखबारों में क्या छपता है, इससे ज्यादा फर्क नहीं पड़ता, क्योंकि उनका मतदाता अखबार नहीं पढ़ता। लेकिन वही लालू यादव अब खुद भी ट्विटर पर सक्रिय हैं, उनकी पत्नी और पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी भी ट्विटर पर हैं, उनके बेटे-बेटियां भी हैं। वे विभिन्न मुद्दों पर बोलते और लिखते हैं। प्रतिक्रियाओं का जवाब भी देते हैं। तकनीक ने राजनीति में इतना बदलाव तो किया ही है।

ठोस और निश्चित कानूनों से ही बनेगा एक नया भारत

विराग गुप्ता

केंद्र सरकार ने दिसंबर 2016 में पत्र और अप्रैल 2017 में गाइडलाइन जारी करके होटल और रेस्तरां में सर्विस चार्ज वसूली को अवैध बताया था। तत्कालीन मंत्री रामविलास पासवान ने एयरपोर्ट और मॉल जैसी जगहों पर पानी की बोतल को एमआरपी से ज्यादा दाम पर बेचे जाने को गलत बताया था। लेकिन आज छह साल के बाद भी सरकारी महकमा इस अवैध वसूली को रोकने में विफल साबित हो रहा है।

कानून की भूलभुलैया में घुसने से पहले इस मामले में जनता से जुड़े पक्ष को समझना जरूरी है। बड़े होटल या रेस्तरां में खाने-पीने के बिल में जीएसटी के सरकारी टैक्स के साथ 10 से 20ज का प्राइवेट सर्विस चार्ज मनमाने तरीके से जोड़ा जा रहा है। इस बारे में ग्राहकों को ज्यादा जानकारी नहीं है। कुछ लोग गलतफहमी में सरकारी सर्विस टैक्स समझकर इसका भुगतान कर देते हैं।

आलीशान होटलों के वैभव से आतंकित ग्राहक कई बार सर्विस चार्ज के साथ एक्स्ट्रा टिप भी दे देते हैं। धोखे से वसूले जा रहे इस सर्विस चार्ज पर जीएसटी की रकम भी जोड़ी जाती है। यह सरकारी खजाने में जाती है या मालिकों के खजाने में, यह एक अलग जांच का विषय है। केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल का कहना है कि मेनू में दिए गए खाने-पीने के सामान के दाम बढ़ाकर होटल वाले उस रकम से स्टाफ-कल्याण कर सकते हैं। लेकिन रेस्तरां संगठनों का कहना है कि सर्विस चार्ज लगाना कानून के तहत अवैध नहीं है।

इसका मतलब यह है कि वे लोग सरकारी गाइडलाइंस मानने को तैयार नहीं हैं। इस विवाद की तह में जाने पर देश में कानून की दोहरी व्यवस्था उजागर होती है, जो असंवैधानिक होने के साथ आमजन के लिए यातनापूर्ण भी है। अंग्रेजों ने ब्रिटिश-राज और औपनिवेशिक मुनाफे को कायम रखने के लिए हिंदुस्तानियों को कानून के मकड़जाल और कठोर दंड की दहशत में फंसाया था।

पिछले 30 सालों से चल रहे उदारीकरण के बाद बड़े व्यापार, उद्योग-धंधे आदि लाइसेंस के साथ कानून के दायरे से मुक्त हो गए, लेकिन आम जनता को परंपरागत कानूनों की बेड़ियों से मुक्त करने के नाम पर थोथे आश्वासन ही मिले। छोटी-छोटी बातों पर बुलडोजर, राजद्रोह की एफआईआर, फर्जी एनकाउंटर आदि से जाहिर है आम जनता के लिए ब्रिटिश कानूनी सिस्टम बेखौफ जारी है।

सरकारी अधिकारी, विदेशी निवेशक और बड़ी कंपनियों को एडवाइजरी की आड़ में कानून के दायरे के बाहर रखने का यत्न हो रहा है। डेटा सुरक्षा के बारे में सरकार ने कानून नहीं बनाया, लेकिन उसकी बिक्री और वितरण को आसान बनाने के लिए गाइडलाइंस जारी कर दीं। कानूनी बंदिशें नहीं होने से फंतासी गेम और ऑनलाइन सट्टेबाजी का बाजार दिन दूना रात चौगुना बढ़ रहा है।

देश की एक तिहाई अर्थव्यवस्था को प्रभावित करने वाले ई-कॉमर्स, ई-वेस्ट, फैंटेसी गेम, क्रिप्टो करेंसी, सोशल मीडिया, ड्रोन, स्टार्टअप आदि की फंडिंग के बारे में ठोस कानूनों के बजाय सिर्फ एडवाइजरी, प्रेस नोट या एफएक्यू के जुगाड़ से काम चलाने की कोशिश हो रही है। महत्वपूर्ण क्षेत्रों में एडवाइजरी से बड़े खिलाड़ी अपराध और सजा के दायरे में आने से बच जाते हैं। कानून को ऐसे समझें, जैसे कि मास्टर प्लान के माध्यम से किसी शहर का सुनियोजित विकास।

बहुसंख्यकों में जब बढ़ेगी सद्भावना

शिब्बन लाल सक्सेना

महोदय, अब हम इस अध्याय के अंतिम भाग पर आ गए हैं। इस अनुच्छेद 25 द्वारा देश के प्रत्येक नागरिक को यह अधिकार प्राप्त होता है कि इस अनुच्छेद में प्रत्याभूत सभी स्वतंत्रताओं को वह प्राप्त कर सके। वह सर्वोच्च न्यायालय जा सकता है और वहां यह मांग कर सकता है कि इन कानूनों को कार्यान्वित किया जाए। यह इस अध्याय का सर्वाधिक महत्वपूर्ण अनुच्छेद है। बिना इसके उन सब अनुच्छेदों का कोई अर्थ नहीं रहेगा, जिन्हें हमने स्वीकार किया है।...ठीक ही यह संविधान का सर्वाधिक महत्वपूर्ण अनुच्छेद है। वास्तव में, यह ऐसा अनुच्छेद है, जो समस्त मूलाधिकारों को प्रभावी बनाता है। यदि किसी के साथ अन्याय हो, तो इस अनुच्छेद के अधीन कोई भी उसका उपाय कर सकता है।

जब हम इस अनुच्छेद पर इस अध्याय के प्रभावी भाग के रूप में विचार करते हैं, तो हमने अब तक जो कुछ किया है, हम उस पर सिंहावलोकन कर सकते हैं। वास्तव में, यह मूलाधिकारों का अध्याय है। हमने सब प्रकार के भेदभावों के विरुद्ध प्रत्याभूति दी है, हमने यह भी प्रत्याभूति दी है कि अस्पृश्यता का अंत कर दिया जाएगा; अब तक परिषद ने जितने कार्य किए हैं, यह उनमें सबसे ऐतिहासिक कार्य है; हमने अनुच्छेद 13 में स्वतंत्रता का घोषणापत्र स्वीकार किया है। मुझे आशा है कि हम अनुच्छेद 15 को भी पारित कर देंगे, जिसमें व्यक्तिगत स्वतंत्रता तथा कानून के समक्ष स्वतंत्रता की प्रतिभूति दी गई है।

तत्पश्चात, हमने अल्पसंख्यकों के लिए सांस्कृतिक तथा धार्मिक, दोनों प्रकार के अभिरक्षण रखे हैं। संपत्ति विषयक अधिकार अभी अंतिमरूपेण स्वीकृत होना है। मेरे विचार में ये सब अधिकार अत्यंत महत्वपूर्ण हैं, किसी नागरिक के लिए यह अत्यंत मूल्यवान अधिकार हैं। मैं अपने मित्रों से, जो कि कल यह समझते थे कि वे प्रावधान अल्पसंख्यकों के अधिकारों के लिए पर्याप्त अभिरक्षण नहीं हैं, कहता हूं कि अल्पसंख्यकों का अंतिम अधिकार बहुसंख्यकों की सद्भावना है। व्यक्तिगत रूप में मेरा ख्याल है कि बहुसंख्यक इस विषय में चिर सीमा तक पहुंच गए हैं। मैं एक बात और भी बता दूं कि मूलाधिकार समिति विभाजन से पूर्व बनी थी। वास्तव में, विभाजन से पूर्व ही इस रूप में इन अधिकारों को तैयार किया गया था। अल्पसंख्यकों के अधिकार इस आधार पर रखे गए थे कि विभाजन नहीं होगा। फिर भी हमने उनमें कोई परिवर्तन नहीं किया है। मैं एक गुप्त भेद नहीं बता रहा हूं, जब मैं कहता हूं कि हमारे महान नेता सरदार पटेल ने हमें कहा था, कृपया इन धार्मिक तथा सांस्कृतिक अधिकारों में कोई हस्तक्षेप मत करिए, क्योंकि वे विभाजन से पूर्व के एक समझौते का भाग हैं।

यदि कोई कहता है कि ये अधिकार अपर्याप्त हैं, तो यह कृतघ्नता की पराकाष्ठा है। मेरे विचार में हमने ऐसे अधिकार प्रत्याभूत किए हैं, जिनके लिए संभवत: हमारे लोग भविष्य में कहेंगे कि हमने इन अधिकारों के विषय में सौदा किया है। हमने अभी घोषणा की है कि शिक्षालयों में धार्मिक शिक्षा नहीं दी जाएगी। हमारे 30 करोड़ लोग हिंदू हैं, किंतु उन्हें शिक्षालयों में विश्व मान्य धार्मिक पुस्तक गीता के भी पढ़ने का अधिकार नहीं होगा। हमने ऐसा क्यों किया है? क्योंकि उस समय, यानी विभाजन से पहले यह सोचा गया कि यहां विभिन्न धर्म होने के कारण धर्म शिक्षा नहीं होनी चाहिए।

अब जबकि 33 करोड़ भारतीयों में से केवल तीन करोड़ ही अल्पसंख्यक हैं, तब भी बहुसंख्यक अपने बच्चों को अपनी जाति के धार्मिक सिद्धांत पढ़ाने के अवसर का परित्याग कर रहे हैं। फिर भी हमने इन अधिकारों को नहीं बदला है, क्योंकि हमारे नेता ने इनमें हस्तक्षेप करने के लिए हमें मनाही कर दी है। मेरे विचार में बहुसंख्यकों ने अल्पसंख्यकों को कितना आश्रय देने का प्रयत्न किया है, इस बात का ध्यान रखा जाएगा और यह ठीक नहीं होगा कि कोई आगे बढ़कर जोर-जोर से बहुसंख्यकों को गालियां दे कि उन्होंने पर्याप्त अभिरक्षण नहीं रखे हैं। मेरे विचार में अल्पसंख्यकों की असली प्रत्याभूति बहुसंख्यकों की सद्भावना हैं। मुझे आशा है कि इन मूलाधिकारों के आधार पर हम इस देश में ऐसा राज्य स्थापित कर सकेंगे, जो कि हमारे महान नेता राष्ट्रपिता के आदर्शों पर आधारित होगा तथा उनसे प्रेरणा प्राप्त करेगा, जिससे कि हम इस देश में सचमुच एक लौकिक राज्य बना सकेंगे, ऐसा राज्य जो महात्मा गांधी के आदर्शों पर आधारित हो।

सांस्कृतिक परंपराओं का प्रतिनिधित्व करती नारियां

श्यौराज सिंह बेचैन

हम क्या महिला युग में जी रहे हैं? एक महिला ने कहा कि गीताजंलि श्री को बूकर पुरस्कार मिलने से क्या भारत में महिलाओं का युग आ गया? क्या यह पुरुषों का अहं है कि वे महिलाओं की उत्तरोत्तर प्रगति का संज्ञान तब तक नहीं लेते, महिला की मेधा का लोहा मानने को तब तक तैयार नहीं होते, जब तक कि पानी सिर से न उतर जाए, यानी असाधारण कुछ न हो जाए? महिलाएं भी कुछ कर गुजर सकती हैं, ऐसा तो हम सोचते ही नहीं। महिलाएं भी कुछ उल्लेखनीय रच सकती हैं, हमारे भीतर बैठा सामंती शैतान यह मानने को तैयार ही नहीं।

ज्ञान-विज्ञान, कला-संस्कृति, मीडिया-सिनेमा, समाज-राजनीति, खेल-पहलवानी, कौन-सा क्षेत्र है, जहां वे पुरुषों का मुकाबला नहीं कर रहीं? आज स्त्री के कदम आसमान की ऊंचाई नाप रहे हैं। योग और चिकित्सा में महिला-गुरुओं की संख्या निरंतर बढ़ रही है। माना कि उनकी सेवाओं का गौरवशाली इतिहास अपेक्षित और उचित सम्मान नहीं पा सका। लेकिन ऐसा उनके स्त्री होने के कारण कम हुआ, उन पर लगाई गई पुरुषों की वर्जनाओं के कारण अधिक हुआ। इतिहास से उनकी सेवाओं का फल उन्हें नहीं मिला, उनके कर्म-कौशल की अनदेखी की गई, लेकिन आज वे रच तो गौरवशाली इतिहास ही रही हैं।

विगत दो दशकों से माध्यमिक और उच्च माध्यमिक परीक्षाओं के परिणाम लड़कियों की सफलताओं की गवाही दे रहे हैं। बैंकिग सेवा, विधि शिक्षा, प्रशासनिक सेवा-टॉप रैंकिग में महिलाएं ही हैं। टीना डाबी, श्रुति शर्मा, अंकिता अग्रवाल, गामिनी सिंघल हमारी होनहार बेटियां हैं। गीत-संगीत स्पर्धा, विदेश सेवा, मीडिया में संपादन, बहस और एंकरिंग में महिलाएं बड़ी संख्या में आई हैं। हालांकि महिलाओं ने पुरुषों की बुराइयां भी अपनाई हैं। संवेदना की पर्याय कही जाने वाली स्त्री ने कई मोर्चों पर क्रूरता का भी परिचय दिया है।

भारत में बूकर पुरस्कार पाने वालों में एक पुरुष और तीन महिलाएं (अरुंधति राय, किरण देसाई और गीताजंलि श्री) हैं। माना कि राजनीतिक सत्ता शीर्ष पर महिलाएं पुरुषों की तुलना में कम रही हैं, परंतु वे जब तक रही हैं, जहां भी रही हैं, पुरुषों की अपेक्षा अधिक सफल रही हैं। इंदिरा गांधी, प्रतिभा पाटिल, मीरा कुमार, सोनिया गांधी, सुषमा स्वराज, मायावती, ममता बनर्जी, राबड़ी देवी और जयललिता की उपलब्धियां छिपी नहीं हैं। उच्च शैक्षिक पदों पर जेएनयू में कुलगुरु प्रो. शांतिश्री धुलिपुड़ी पंडित, कश्मीर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलोफर खान, संस्कृत विश्वविद्यालय की कुलगुरु प्रो. अनुला मौर्य, साहित्यिक पत्रकारों में संपादक मिनी कृष्णन, मृणाल पांडे, क्षमा शर्मा, दलित लेखिकाओं में सुनीता गिडला आदि अनेक नाम हैं।

टीवी पर बहसों का संचालन करती महिलाएं, राष्ट्रीय अखबारों के संपादकीय पृष्ठों पर लिखने वाली महिलाएं, बिग बॉस और इंडियाज गॉट टैलैंट में अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाती महिलाएं, प्रतियोगिता परीक्षाओं में अव्वल रहने वाली महिलाएं, निजी शैक्षिक संस्थाओं को अपने स्वामित्व में संचालित करने वाली महिलाएं-जाहिर है, यह सूची लंबी है। पिछले दिनों सर्वोच्च न्यायालय के प्रधान न्यायाधीश ने न्यायपालिका में महिलाओं की कमतर भागीदारी पर चिंता जताते हुए कहा कि 'क्या कानूनी पेशा पुरुष प्रधान है? महिलाओं को 50 फीसदी आरक्षण मिलना चाहिए।'

अलबत्ता विभिन्न क्षेत्रों में महिलाओं की उपलब्धियों के बीच इनकी पारिवारिक-सामाजिक पृष्ठभूमि, परवरिश और शिक्षा का अध्ययन करने की भी जरूरत है कि ये स्त्रियां किस समाज से आती हैं और किन सांस्कृतिक परंपराओं का प्रतिनिधित्व करती हैं। इसकी वजह यह है कि इस बीच असंतुलन और असभ्यता का एक रूप भी उन भोजन माताओं के तौर पर भी हमारे सामने आता है, जो जाति भेद के कारण स्कूलों में ऊंची जातियों के बच्चों को भोजन नहीं दे सकतीं। या फिर वे महिलाएं, जिनके साथ इसीलिए अत्याचार होता है कि वे निचली जातियों से आती हैं, और ऐसी महिलाओं की कमजोर पृष्ठभूमि के बारे में जानने के बाद उत्पीड़क का साहस और बढ़ जाता है।

जाहिर है कि प्रगति के शीर्ष पर दिखने वाली महिलाएं उन्नत समाज से, समृद्ध परिवारों से और व्यवस्था की अनुकूल परिस्थितियों से आई है। विकट और विपरीत हालात में, कमजोर समाजों से उठकर मीडिया संस्थानों, कारोबार और फिल्म उद्योग में आने वाली महिलाओं की संख्या नगण्य है। चलती ट्रेन में बच्चे को जन्म देने वाली मजबूर मिहला या नब्बे की उम्र में एथलेटिक्स में तीन स्वर्ण पदक जीतकर पहली पंक्ति में अपना नाम दर्ज करवाने वाली महिला भगवानी देवी जैसी आखिर कितनी महिलाएं हैं, जो झुग्गी-झोपड़ियों में रहती हैं और पैसे के अभाव में अपनी संतानों को अपेक्षित शिक्षा नहीं दिलवा पाईं?

मराठी में कुमुद पावड़े और कौशल्या वैसंत्री, हिंदी में, सुशीला टाकभौंरे और बांग्ला में बेबी हालदार जैसी लेखिकाएं बहुत ही नीचे से ऊपर उठकर आई हैं और अपनी संवेदना और लगन से यहां तक पहुंची हैं। स्पष्ट है कि महिलाओं के बीच अवसरों की समानता, उपलब्धता और निष्पक्षता की अधिकाधिक व्यवस्था होगी, तो वंचित स्त्रियों के कौशल में वृद्धि होगी और स्वस्थ स्पर्धा एवं सकारात्मकता भी बढ़ेगी।

...तो घर में जरूर रखें बांसुरी

भगवान श्रीकृष्ण को बांसुरी बहुत प्रिय है। बांसुरी कृष्णजी को प्रिय होने के कारण उसको प्रकृति का अनुपम वरदान है। ज्योतिष के अनुसार बांसुरी का इस्तेमाल अगर सोच समझकर किया जाए तो यह हमें कई प्रकार के दोषों से बचाती है। वास्तु और फेंगशुई के अनुसार, बांसुरी को अगर घर, दुकान में रखा जाए है तो इसके कई लाभ मिलते हैं। बांसुरी से होने वाले लाभ कौन-कौन से है, आइए जानते है।

- फेंगशुई विद्या के अनुसार, बांसुरी घर में रखना बहुत शुभ माना गया है। यह उन्नति और प्रगति दोनों देने में बहुत सहायक है। इस प्रकार बांसुरी प्रकृति का एक अनुपम वरदान है।
- बांसुरी बांस से बनी होती है तथा इसके पौधे को दिव्य माना जाता है। अत: घर में बांसुरी का प्रयोग करके कई तरह से लाभ उठाया जा सकता है।
- बांसुरी के संबंध में एक धार्मिक मान्यता है कि जब बांसुरी को हाथ में लेकर हिलाया जाता है तो बुरी आत्माएं दूर हो जाती हैं।
- जब बांसुरी को बजाया जाता है तो ऐसी मान्यता है कि घरों में शुभ चुम्बकीय प्रवाह का प्रवेश होता है।
- यदि सोच-समझकर इसका उपयोग किया जाए तो दोषों का बिना किसी तोड़-फोड़ के निवारण कर अशुभ फलों से बचा जा सकता है।
- ऐसा माना जाता है कि जो व्यक्ति अपनी नौकरी से परेशान रहता हैं, बांसुरी उसकी सारी मुश्किलें आसान कर सकता है।
- जो व्यक्ति काफी मेहनत के बाद भी अपने बिजनेस में सफलता हासिल नहीं कर पाते उनके लिए बांस से बनी यह बांसुरी उन्नति और समृद्धि दोनों देने में सक्षम है। अत: उन्हें भगवान श्रीकृष्ण का पूजन करते हुए अपने दुकान की छत पर दो बांसुरी चिपकानी चाहिए या टांग देनी चाहिए। यह बहुत ही सरल उपाय है जो आपको अपने बिजनेस में उन्नति के शिखर पर ले जाएगा।

सूर्यास्त के बाद झाड़ू-पौंछा न करें

धार्मिक गंथों में ऐसी कई सार्वभौमिक सत्य बातें बताई गई हैं, जिनका अनसुरण कर हम अपना सौभाग्य लिख सकते हैं या प्रतिकूल ग्रहों को अनुकूल बना सकते हैं। आइए जानें ऐसी पांच चीजों के बारे में जो हमारे अच्छे व सुखद भविष्य की भी नींव रखती हैं।

थाली में न छोडें झूठा अन्न

शास्त्रानुसार कभी भी खाने की प्लेट में जूठा नहीं छोडना चाहिए और न ही कभी जूठे बर्तनों को यूं ही पढ़े रहने देना चाहिए। रात को सोने से पहले सभी जूठे बर्तन धो लेने चाहिए अन्यथा इससे घर में अशांति का वातावरण बनना शुरु हो जाएगा जो अंतत: घर के दुर्भाग्य में बदल जाएगा।

बैड को रखें नीट एंड क्लीन

शास्त्रों के अनुसार बेडरूम सुव्यवस्थित तथा साफ-सुथरा होना चाहिए। खास तौर पर बिस्तर पर बिछी हुई चादर बिल्कुल साफ होनी चाहिए साथ ही कमरे में कचरा नहीं फैला होना चाहिए। ऐसा नहीं करने पर उस बिस्तर पर सोने वाले का सौभाग्य भी दुर्भाग्य में बदल जाता है।

जगह-जगह थूकना लाता है दुर्भाग्य

कहीं भी थूक देना (विशेष तौर पर घर में, देव मंदिरों में, सार्वजनिक स्थानों पर) शास्त्रों में पूरी तरह गलत बताया गया है। इससे घर की लक्ष्मी रूठ कर चली जाती है। हमें यथासंभव अपने आसपास साफ-सफाई रखनी चाहिए। माना जाता है कि ऐसा करने से घर की सुख-शांति खत्म हो जाती है और कंगाली घर में प्रवेश कर जाती है।

बाथरूम को रखें साफ-सुथरा

बाथरुम को चन्द्रमा का स्थान माना गया है। जिन घरों में बाथरूम गंदा रहता है या अस्त-व्यस्त पड़ा रहता है, उन घरों के स्वामी की कुंडली में चन्द्रमा पर ग्रहण लग जाता है जिससे उस घर में रहने वालों की मानसिक शांति समाप्त हो जाती है तथा वहां धन की कमी होने लगती है।

पूजा में भगवान श्रीगणेश जी का है सर्वश्रेष्ठ स्थान

हिन्दू धर्म शास्त्रों के अनुसार, किसी भी शुभ काम के करने से पहले गणेश पूजन आवश्यक हैं। इससे प्रसन्न होकर गणेश जी सारे काम निर्विघ्न कर देते हैं। हिन्दू संस्कृति और पूजा में भगवान श्रीगणेश जी को सर्वश्रेष्ठ स्थान दिया गया है। प्रत्येक शुभ कार्य में सबसे पहले भगवान गणेश की ही पूजा की जाती अनिवार्य बताई गयी है। देवता भी अपने कार्यों की बिना किसी विघ्न से पूरा करने के लिए गणेश जी की अर्चना सबसे पहले करते हैं।

ऐसा कहा जाता है कि गणेश जी की पूजा में दूर्वा का सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण मानी जाती है और साथ ही यह मान्यता है कि गणपति को दूर्वा चढ़ाने से सभी मनोकामनाएं पूर्ण हो जाती हैं। ऐसे में दूर्वा को पूजन परंपरा से जोडकर उन्होंने दुर्लभ वनस्पतियों को बचाने का संदेश दिया है क्योंकि इससे हम धरती की रक्षा कर अपने लिए एक स्वच्छ वातावरण का निर्माण कर सकेंगे।

ऐसे में कहा जाता है गणपति की साधना-अराधना के लिए बताए गए 108 नाम के बारे में जिनके जप करने से भीतरी आध्यात्मिक शक्ति का विकास होता है। यह भी माना जाता है कि श्री गणेश जी के 21 नाम वालें मंत्रों और 21 पेड़ों के पत्तों को अर्पित करने पर उनकी विशेष कृपा प्राप्त होती है।

मान्यता है कि पूजन की इस परंपरा के पीछे जीवनदायक प्राण वायु प्रदान करने वाले वृक्षों को न काटने का गूढ़ रहस्य छिपाया गया है। वहीं इस बात को कहने का तात्पर्य गणपति की साधना-अराधना से जुडे इन वृक्षों संरक्षण किया जाना चाहिए। श्री गणेश नाम वृक्षों के नाम आइए जानते हैं।

इन मंत्रों का करें जाप

ओम सुमुखाय नम: शमी पत्र।
ओम गणाधीशाय नम: भृंगराज पत्र।
ओम उमापुत्राय नम: बेल पत्र।
ओम गजामुखाय नम: दूर्वापत्र।
ओम लम्बोदराय नम: बेर का पत्र।
ओम हर पुत्राय नम: धतूरे का पत्र।
ओम शूर्पकर्णाय नम: तुलसी के पत्र।
ओम वक्रतुण्डाय नम: सेम का पत्र।
ओम गुहाग्रजाय नम: अपामार्ग पत्र।
ओम एकदंताय नम: भटकटैया पत्र।
ओम हेरम्बाय नम: सिंदूर पत्र।
ओम चतुर्होत्रे नम: तेज पत्र।
ओम सर्वेश्वराय नम: अगस्त पत्र।
ओम विकटाय नम: कनेर पत्र।
ओम हेमतुण्डाय नम: केला पत्र।
ओम विनायकायनम: आक पत्र।
ओम कपिलाय नम: अर्जन पत्र।
ओम वटवे नम: देवदारू पत्र।
ओम भालचंद्रय नम: महुए के पत्र।
ओम सुराग्रजाय नम: गांधारी पत्र।
ओम सिद्धि विनायक नम: केतकी पत्र।

परिवार और व्यक्ति के दुख दूर करते हैं यह सरल उपाय

बुधवार के दिन घर में सफेद रंग के गणपति की स्थापना करने से समस्त प्रकार की तंत्र शक्ति का नाश होता है।

धन प्राप्ति के लिए बुधवार के दिन गणेश को घी और गुड़ का भोग लगाएं। थोड़ी देर बाद घी व गुड़ गाय को खिला दें। ये उपाय करने से धन संबंधी समस्या का निदान हो जाता है।

परिवार में कलह कलेश हो तो बुधवार के दिन दूर्वा के गणेश जी की प्रतिकात्मक मूर्ति बनवाएं। इसे अपने घर के देवालय में स्थापित करें और प्रतिदिन इसकी विधि-विधान से पूजा करें। घर के मुख्य दरवाजे पर गणेशजी की प्रतिमा लगाने से घर में सुख-समृद्धि बनी रहती है। कोई भी नकारात्मक शक्ति घर में प्रवेश नहीं कर पाती है।

तुलसी के पौधे को कभी भी दक्षिण में न लगाएं

हर व्यक्ति के जीवन में शांति और सम्पन्नता का होना जरूरी है और सम्पन्नता के लिए लक्ष्मी का प्रसन्न होना बेहद आवश्यतक है। वास्तु शास्त्र के अनुसार कुछ खास बातें नहीं की जाएं तो लक्ष्मी की कृपा और आशीर्वाद हमेशा बना रहता है।

- वास्तु शास्त्र के अनुसार घर के दरवाजों को कभी भी ना खटखटाएं। घर के गेट पर बैल लगाएं या आवाज देकर मालिक को बुलाएं। गेटों को खटखटाने और बजाने से वास्तु दोष बढता है। ऐसे में लक्ष्मी वहां ज्यादा दिनों तक टिकती नहीं है।
- वास्तु के अनुसार सर्वप्रिय देव श्रीगणेश की मालिक द्वारा आराधना जरूरी होती है। यदि घर का मालिक सुबह उठकर श्रीगणेशजी का ध्यान कर पूजा-अर्चना करता है तो घर के वास्तु दोष तुरंत दूर होते हैं।
- वास्तु के अनुसार तुलसी के पौधे को कभी भी दक्षिण में न लगाएं, इससे जीवन में अशुभता आने लगती है। तुलसी जी के पौधे को पूर्व या उत्तर में लगाना उचित रहता है।
- गंदे कपडे पहनने से भी वास्तु दोषों में बढोतरी होती है। कोशिश करें कि दो दिन के अलावा तीसरे दिन भी पुराने कपडे नहीं पहनें।
- घर की सफाई रात को करना भी वास्तु के अनुसार ठीक नहीं है। कहते हैं कि शाम को जो धूल एकत्रित होती है, वही लक्ष्मी जी की कृपा होती है।

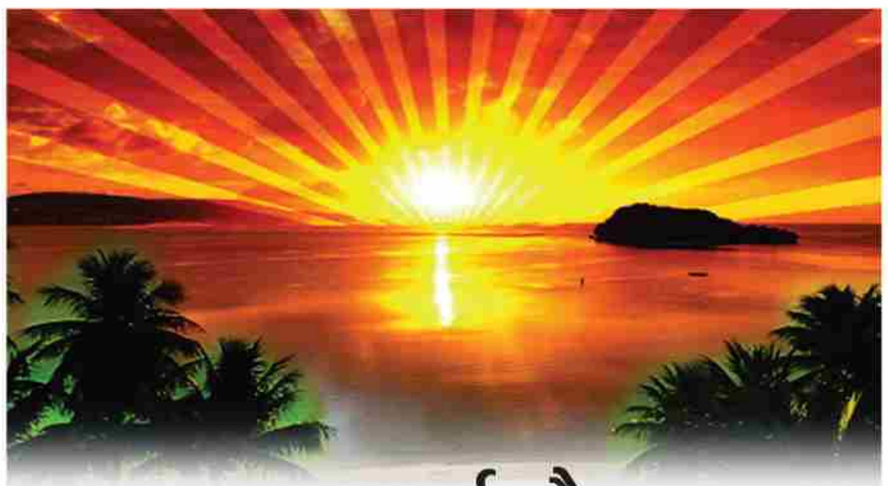

सकारात्मक ऊर्जा और तन-मन की शांति के लिए..

धार्मिक ग्रंथों के अनुसार अच्छी सेहत और प्रसन्न तन-मन के लिए कुछ उपयोगी टिप्स दैनिक व्यवहार में लाकर आप एक सुंदर एवं स्वस्थ जीवन जी सकते हैं।

- सूर्योदय से पूर्व उठने की आदत डालें, इससे सकारात्मक ऊर्जा की प्राप्ति होती है जो तन, मन और मस्तिष्क को शांत करती है।
- प्रात: काल आसपास के खुले स्थान, पार्क या भवन की छत पर जाकर पूर्व दिशा की ओर मुंह करके थोड़ा व्यायाम करें और लंबी सांस लें। इससे प्रकृति में सुबह के समय व्याप्त सकारात्मक ऊर्जा यानी आक्सीजन का भरपूर उपयोग करके आप शरीर को स्वस्थ रख सकते हैं।
- अच्छे स्वास्थ्य के लिए भोजन करते समय आपका मुख सदा पूर्व या उत्तर में रहे। कभी भी पलंग पर बैठकर, खड़े होकर या आड़े-तिरछे बैठकर भोजन न करें।
- भोजन या तो भूमि पर आसन बिछाकर करें या फिर डायनिंग टेबल का प्रयोग करें। विधिवत भोजन करने से शरीर चुस्त दुरूस्त रहता है।
- खाना खाते वक्त टेलीविजन नहीं देखें, इससे उत्पन्न होने वाली नकारात्मक ऊर्जा के प्रभाव से सभी ज्ञानेंद्रियों पर विपरीत असर पड़ता है। इससे पेट की बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। अत: भोजन करते समय टेलीविजन देखने की बजाए पारिवारिक दिनचर्या पर गपशप करें।
- दवाइयों को डायनिंग टेबल पर नहीं रखें, ये नकारात्मक ऊर्जा की प्रतीक होती है। ऐसा करके हम दवाइयों को भोजन का हिस्सा बनाने का निमंत्रण देते हैं, ऐसा नहीं करें।
- यदि घर में बच्चों या वृद्धों के लिए कुछ टॉनिक आदि का प्रयोग कर रहे हों, तो ऐसे टॉनिक की शीशियां व डिब्बे घर की पूर्व दिशा में बनी आलमारियों में रखें और किसी बीमारी से संबंधित दवाइयों को दक्षिण या पश्चिम में रखें।
- भोजन पूर्व की तरफ मुंह करके ही बनाएं। यह सेहत के लिए उत्तम और सुखदायी होता है। रसोईघर आग्नेय कोण में ही बनाएं। रसोईघर की व्यवस्था उत्तर-पूर्व में न करें। यह धन और स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचाता है। ज्वलनशील पदार्थों को भी दक्षिण-पूर्व में रखें।
- रसोईघर की दीवारों का रंग हल्का पीला, नारंगी या हल्का लाल रखें। जिससे भोजन सुप्पाच्य होकर भूख बढ़ाने में सहायक साबित होगा। जब एक साथ मिलकर सभी खाना खा रहे हों, तो घर के मुखिया का मुंह पूर्व में तथा अन्य सदस्यों का मुंह उत्तर या पश्चिम में होना चाहिए। दक्षिणामुख कभी नहीं बैठें। इससे पाचन क्रिया ठीक रहती है। हाथ आदि साफ कर प्रसन्नतापूर्वक खाने से आरोग्यता बढ़ती है।

गोमेद एक खूबसूरत रत्न

जीवन को भी बना देता है सुंदर

ज्योतिष विज्ञान में गोमेद को एक खूबसूरत रत्न माना गया है, जो जीवन को सुंदर बना देता है। गोमेद सबसे लाभदायक रत्नों में से एक माना गया है। गोमेद राहु ग्रह से संबंधित रत्न माना गया है। ज्योतिष शास्त्र में राहु को पाप ग्रह माना जाता है अत- ज्योतिषाचार्यों द्वारा राहु के दुष्प्रभावों को समाप्त करने के लिए गोमेद रत्न धारण करने की सलाह दी जाती है। ध्यान रखने योग्य यह है कि गोमेद के साथ माणिक्य, मूंगा और पुखराज नहीं पहनना चाहिए।

यह रत्न जहां रुके कार्यो पूर्ण करने का कार्य करता हैं, वहीं जीवन के हर क्षेत्र में सफलता देता है। ज्योतिषियों की मानें तो जन्म कुंडली की दशाओं को जानकर ही इस रत्न को धारण करना उचित रहता है। इतना ही नहीं गोमेद ब्लड कैंसर, कम सुनाई देना, आंखों तथा जोड़ों के दर्द जैसी बीमारियों से भी निजात दिलाता है। गोमेद एक चमकदार और अपारदर्शी रत्न है। यह गहरे भूरे अथवा लाल रंग की तरह होता है। इसे गारनेट समूह का रत्न माना जाता है। यह दुनिया में कई स्थानों पर पाया जाता है। गोमेद मुख्य रूप से यह भारत, श्रीलंका और ब्राजील में आसानी से मिल जाता है तथा साउथ अफ्रीका, थाईलैंड और ऑस्ट्रेलिया में भी यह रत्न पाया जाता है। राहु ग्रह से संबंधित इस रत्न को हिन्दी में गोमेद और अंग्रेजी में हैसोनाइट स्टोन कहते हैं। गोमेद रत्न 6 रत्ती से कम का धारण नहीं करना चाहिए। यह रत्न शनि की होरा में शुक्ल पक्ष के किसी भी शनिवार को पहनना अतिशुभ माना गया है। यदि शनिवार के दिन शतभिषा, स्वाती या आर्द्रा नक्षत्र में इसे धारण किया जाए तो गोमेद की शुभता अधिक बढ़ जाती है।

रत्न धारण करने की विधि

गोमेद रत्न की अंगूठी को सबसे पहले गंगा जल, दूध, शहद और मिश्री के घोल में डालकर एक रात उसमें ही रहने दें। तत्पश्चात ऊँ रां राहवे नम- मंत्र का 108 बार जाप करके कनिष्का में धारण करना चाहिए।

किस अंगुली में धारण करें

इसे चांदी या अष्टधातु की अंगूठी में जड़वा कर पहनना उचित रहता है। राहु का रत्न गोमेद को कनिष्का ऊंगली में पहनना चाहिए, क्योंकि मिथुन राशि में उच्च का होने से बुध की अंगुली कनिष्का में पहनना शुभ फलदायी रहता है। यह राहु के अशुभ प्रभाव को दूर करता है। गोमेद धारण करने से राहु की दशा-महादशा को दुष्प्रभावों से निजात मिलती है। यह रत्न शत्रुओं पर विजय दिलाने वाला भी माना जाता है, इतना ही नहीं इसे धारण करने से सकारात्मक विचार, एकाग्रता और आत्मविश्वास भी बढ़ता है।

कौन धारण करें

इसे राजनीतिज्ञ, जासूसी, जुआ, सट्टा खेलने वाले तथा तंत्र या मंत्र विद्या से जुड़े व्यक्ति पहनते हैं। कौन ना पहने ये रत्न- जिस व्यक्ति की कुंडली में राहु 5वें, 8वें 9वें 11वें या 12वें स्थान पर हो उन्हें गोमेद धारण नहीं करना चाहिए। इससे नुकसान होने की संभावना बढ़ जाती है तथा जिनका व्यापार-व्यवसाय राहु ग्रह से संबंधित हो उन्हें भी यह रत्न नहीं पहनना चाहिए।

पीतल का शेर देगा आपको आत्मविश्वास...

घर का सामान आपके जीवन, धन-संपत्ति और खुशहाली के साथ-साथ आपके व्यक्तित्व पर भी गहरा प्रभाव डालता है। वास्तुशास्त्र के कुछ मौलिक सिद्धांत तो लगभग सभी लोगों को मालूम होते भी हैं, मसलन दक्षिण दिशा में मुख्य द्वार नहीं बनाना चाहिए, उत्तर दिशा में तिजोरी रखना और घर में गंदगी इकट्ठी ना होने देना...वगैरह-वगैरह।

लेकिन कुछ वास्तु टिप्स ऐसे होते हैं, जो आपके व्यक्तित्व पर भी बहुत गहर असर छोड़ते हैं। अगर आप उदास रहते हैं या फिर आपको लगता है कि आत्मविश्वास की कमी के कारण आप अपने उद्देश्य को प्राप्त नहीं कर पा रहे हैं या आपको अन्य लोगों के समक्ष अपनी बात रखने में हिचक होती है तो हम आपको एक ऐसा वास्तु उपाय बताने जा रहे हैं जो आपके लिए बेहद कारगर सिद्ध हो सकता है। पीतल धातु से बना शेर, ना सिर्फ आपके घर की शोभा को बढ़ाता है बल्कि आपके भीतर छिपी हीन भावना या आत्मविश्वास की कमी को भी समाप्त करता है।

वास्तुशास्त्र के विशेषज्ञों के अनुसार अगर पीतल धातु से बने शेर को घर की पूर्वी दिशा में स्थापित करते हैं तो यह आपके सेल्फ कॉफिडेंस में गजब का उछाल लाता है। बस एक बात का ध्यान रखें कि जब आप शेर को अपने घर में स्थापित करें तो उसका मुख घर के केन्द्र में होना चाहिए।

विदेशी निवेशकों ने बाजार से की रिकॉर्ड बिकवाली

साल 2022 में अब तक बाजार से निकाले गए दो लाख करोड़ रुपए

नई दिल्ली। साल 2022 में विदेशी निवेशकों ने शेयर बाजार से जमकर बिकवाली की है, जो अभी भी लगातार जारी है। रिपोर्ट के मुताबिक, इस साल अब तक रिकॉर्ड शेयर बेचे गए हैं और और दलाल स्ट्रीट से दो लाख करोड़ रुपए बाहर गए हैं। एफपीआई मई माह में ही 45276 करोड़ रुपए के शेयर बेचे गए, जबकि इस महीने 17 जून तक ही 28445 करोड़ रुपए के शेयर बेचे गए हैं। रिपोर्ट में बाजार के आंकड़ों का हवाला देते हुए कहा गया है कि कैलेंडर ईयर 2022 में अब तक विदेशी संस्थागत निवेशकों ने कुल 202244 करोड़ रुपए के शेयरों की बिक्री की है। विशेषज्ञों ने कहा कि एफपीआई ने अन्य उभरते हुए बाजारों ताइवान और दक्षिण कोरिया की तुलना में भारतीय बाजारों से भारी बिकवाली की है। उन्होंने कहा कि डॉलर की मजबूती और अमेरिका में बॉन्ड यील्ड में बढ़ोतरी एफपीआई की बिकवाली के लिए प्रमुख कारण रहे हैं। बता दें कि फेड और अन्य केंद्रीय बैंकों जैसे बैंक ऑफइंग्लैंड और स्विस सेंट्रल बैंक ने दरें बढ़ाई हैं, इसलिए बढ़ती प्रतिफल के साथ वैश्विक स्तर पर समकालिक दरों में बढ़ोतरी हो रही है। पैसा इक्विटी से बॉन्ड में ट्रांसफर हो रहा है। इस दौरान भारत में एफपीआई ने फाइनेंस और आईटी में बिक्री जारी रखी, जहां उनकी हिस्सेदारी सबसे ज्यादा है।

विदेशी मुद्रा भंडार में गिरावट, 4.599 अरब डॉलर घटकर 600 बिलियन डॉलर से नीचे आया

देश का विदेशी मुद्रा भंडार एक बार फिर से गिर कर 600 बिलियन डॉलर से नीचे आ गया है। रिजर्व बैंक के आंकड़ों के अनुसार 10 जून 2022 को समाप्त सप्ताह के दौरान यह 4.599 अरब डॉलर घट कर 596.458 अरब डॉलर रह गया। इससे पहले, बीते तीन जून को समाप्त सप्ताह में भी यह 3.06 अरब डॉलर घटा था। तब यह 601.057 अरब डॉलर रह गया था। आरबीआई के आंकड़ों के अनुसार बीते 27 मई को समाप्त हुए सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार 3.854 अरब डॉलर बढ़कर 601.363 अरब डॉलर पर पहुंच गया था। विदेशी मुद्रा भंडार एक महीने से अधिक समय तक 600 बिलियन डॉलर से नीचे रहा था। इसके साथ ही यह लगातार 10 सप्ताह तक गिरा था। तब जा कर 20 मई 2022 और 27 मई 2022 को समाप्त सप्ताह के दौरान इसमें बढ़ोतरी हुई थी। 10 जून को समाप्त सप्ताह के दौरान विदेशी मुद्रा भंडार में गिरावट का कारण विदेशी मुद्रा आस्तियों या फॉरेन करेंसी असेट में आई गिरावट है। यह कुल विदेशी मुद्रा भंडार का एक महत्वपूर्ण घटक है। आंकड़ों के अनुसार समीक्षाधीन सप्ताह में फॉरेन करेंसी असेट एफसीए 4.535 अरब डॉलर घटकर 532.244 अरब डॉलर रह गई। डॉलर में अभिव्यक्त विदेशी मुद्रा भंडार में रखे जाने वाली विदेशी मुद्रा आस्तियों में यूरो, पौंड और येन जैसी गैर अमेरिकी मुद्राओं में मूल्यवृद्धि अथवा मूल्यह्रास के प्रभावों को शामिल किया जाता है। आंकड़ों के अनुसार, आलोच्य सप्ताह में स्वर्ण भंडार का मूल्य भी 10 लाख डॉलर की मामूली गिरावट के साथ 40.842 अरब डॉलर रह गया।

पीएनबी ग्राहकों को चेक क्लीयरेंस के पूर्व ब्यौरा देना अनिवार्य

नई दिल्ली। बैंक ग्राहकों को अत्यधिक मूल्य के चेकों की धोखाधड़ी से बचाने के लिए देश के अग्रणी सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों में से एक पंजाब नैशनल बैंक पीएनबी ने 10 लाख रुपए व उससे अधिक मूल्य के चेक के लिए अनिवार्य पॉजिटिव पे सिस्टम के तहत पॉजिटिव पे कंफर्मेशन लागू किया है। बैंक के दिशानिर्देशों के अनुसार, सहज सत्यापन प्रक्रिया संचालन और चेक की वापसी से बचने के लिए क्लीयरेंस में देने के न्यूनतम एक कार्यदिवस पूर्व ग्राहकों को अपने चेक का विवरण प्रस्तुत करना होगा। एनपीसीआई द्वारा विकसित पॉजिटिव पे सिस्टम के तहत अत्यधिक मूल्य के चेक जारी करने वाले उपभोक्ताओं को कुछ जरूरी विवरण जैसे चेक संख्या, चेक अल्फा, चेक की धनराशि, चेक की तारीख, लाभार्थी का नाम आदि को पुनर्सत्यापित करना होगा, जिनको भुगतान से पूर्व क्लीयरिंग में पेश करते समय क्रॉसचेक किया जाता है। पीएनबी ने सभी शाखाओं, इंटरनेट बैंकिंग सेवाओं, पीएनबी वन और एसएमएस बैंकिंग के माध्यम से पीपीएस की सुविधा को लागू किया है।

आईसीआईसीआई बैंक का कर्ज आकलन सुधरा

नई दिल्ली। मूडीज की निवेशक सेवा ने आईसीआईसीआई बैंक और एक्सिस बैंक के मूलभूत कर्ज आकलन बीसीए में सुधार किया हैए जो कर्ज के मूलभूत कारकों विशेषकर परिसंपत्ति गुणवत्ता का बेहतर होना दर्शाता है। वैश्विक रेटिंग एजेंसी मूडीज ने एक बयान में कहा कि बैंकों के बीसीए को बीएए3 से सुधाकर बीए1 कर दिया है।

देश में अगस्त-सितंबर में शुरू होंगी 5जी सेवाएं

साल के अंत तक 20-25 शहरों में होगा विस्तार: वैष्णव

नई दिल्ली। दूरसंचार मंत्री अश्विनी वैष्णव ने शनिवार को कहा कि साल के अंत तक 20-25 शहरों और कस्बों में 5जी सेवाओं की शुरुआत हो जाएगी। उन्होंने साथ ही संकेत दिया कि नई सेवाओं की शुरुआत के साथ भारत में डेटा कीमतें दुनिया के दूसरे देशों के मुकाबले कम बनी रहेंगी। भारत में डेटा की मौजूदा कीमतें वैश्विक औसत से काफी कम हैं। वैष्णव ने कहा कि 5जी की तैनाती अगस्त-सितंबर से शुरू होगी। मंत्री ने कहा कि भारत 4जी और 5जी स्टैक विकसित कर रहा है और डिजिटल नेटवर्क में दुनिया के लिए एक विश्वसनीय स्रोत के रूप में अपनी स्थिति को मजबूत करने के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि कई देश भारत द्वारा विकसित किए जा रहे 4जी और 5जी उत्पादों और प्रौद्योगिकियों को प्राथमिकता देना चाहते हैं। वैष्णव ने बताया कि अवांछित कॉलों के मुद्दे को हल करने के लिए मंत्रालय एक महत्वपूर्ण नियमन पर काम कर रहा है।

इसके तहत किसी भी कॉल करने वाले के केवाईसी पहचान वाले नाम को जाना जा सकेगा। उन्होंने 5जी सेवाओं पर कहा, मैं विश्वास के साथ कह सकता हूं कि साल के अंत तक कम से कम 20-25 शहरों और कस्बों में 5जी की तैनाती हो जाएगी। वैष्णव ने कहा कि आज भी भारत में डेटा दरें लगभग दो अमेरिकी डॉलर हैं, जबकि वैश्विक औसत 25 अमेरिकी डॉलर है। उन्होंने कहा कि यही प्रवृत्ति अन्य क्षेत्रों में भी होगी।

सोशल मीडिया को जवाबदेह बनाने कानून में होगा बदलाव

नई दिल्ली। सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने शनिवार को कहा कि सोशल मीडिया मंचों को और जवाबदेह बनाने पर देश में स्पष्ट रूप से सहमति है। उन्होंने कहा कि सरकार इसके लिए आवश्यक कानूनी बदलाव और नियमन लाएगी। वैष्णव ने कहा कि मोबाइल फोन पर इंटरनेट सुविधा और सोशल मीडिया मंच शक्तिशाली और परिवर्तनकारी बदलाव लेकर आए हैं लेकिन इसके साथ जिम्मेदारी का अहसास भी आना चाहिए। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया और डिजिटल दुनिया को और जवाबदेह बनाने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि कानून में जो भी बदलाव करने पड़ेंगे, हम करेंगे। मीडिया समूहों के भीतर स्व नियमन जरूरी है। स्व नियमन किया जाएगा लेकिन जब भी जरूरत होगी, सोशल मीडिया को जवाबदेह बनाने के लिए हम सभी कदम उठाऐंगे। वैष्णव कहा कि संसद के भीतर और बाहर भी, देश में इस पर सहमति है कि सोशल मीडिया को जवाबदेह बनाना आवश्यक है। उन्होंने कहा, आप दुनियाभर में भी देखें तो सोशल मीडिया को जवाबदेह बनाने का ही रूझान है। भारत में भी ऐसा ही है और जैसा कि मैंने कहा कानूनी कदम भी उठाए जाएंगे।

सेबी की समिति ने पीएसीएल निवेशकों को सुविधा दी

मोबाइल नंबर कर सकेंगे अपडेट

नई दिल्ली। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड सेबी की एक उच्चस्तरीय समिति ने पीएसीएल निवेशकों को उनके मोबाइल नंबरों की जानकारी अपडेट करने की सुविधा दी। इसके अलावा निवेशकों को मूल पंजीकरण प्रमाणपत्र जमा करने के लिए भेजे गए एसएमएस का पता लगाने की सुविधा भी प्रदान की है। समिति ने अप्रैल में पीएसीएल की गैरकानूनी योजनाओं में निवेश करने वाले निवेशकों को एसएमएस मिलने के बाद ही 30 जून तक अपने मूल पंजीकरण प्रमाण पत्र जमा करने को कहा था। यह केवल उन निवेशकों पर लागू था जिनके दावे की राशि 10001 रुपए से 15000 रुपए के बीच है और जिनके आवेदनों का सत्यापन किया गया था। बाजार नियामक ने पीएसीएल समूह के मामले में निवेशकों को पैसा वापस करने के उच्चतम न्यायालय के आदेश के बाद भारत के पूर्व मुख्य न्यायाधीश आरएम लोढ़ा की अगुवाई में एक समिति का गठन किया था। सेबी की वेबसाइट पर जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, समिति को मोबाइल नंबर में बदलाव के कारण मूल पीएसीएल प्रमाणपत्रों के लिए एसएमएस नहीं मिलने के संबंध में निवेशकों से सवाल मिल रहे थे। कई निवेशकों ने कहा है कि ऑनलाइन दावे जमा करने के दौरान उनके द्वारा दिए गए मोबाइल नंबर अब सुविधा में नहीं हैं। जिसके बाद समिति ने अब वेब पोर्टल पर पीएसीएल के निवेशकों, आवेदकों को अपने पंजीकृत मोबाइल नंबरों को ऑनलाइन अपडेट, बदलने की सुविधा प्रदान की।

गूगल-अमेजन के वित्तीय कारोबार में आने से बढ़ेगा कर्ज जोखिम

मुंबई। आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास ने कहा कि गूगल और अमेजन जैसी बड़ी प्रौद्योगिकी कंपनियों के वित्तीय कारोबार में आने से जोखिम बढ़ जाएगा। कर्जदार के स्तर पर ज्यादा कर्ज लेने और उसे न चुका पाने जैसी व्यवस्थागत चिंताएं पैदा हो सकती हैं। गूगल, अमेजन, फेसबुक मेटा जैसी बड़ी प्रौद्योगिकी कंपनियों के वित्तीय कारोबार में आने से प्रतिस्पर्धा और डाटा की निजता को लेकर भी सवाल खड़े हो जाएंगे। दास ने कहा, इन कंपनियों के साथ जोखिम जुड़े हैं। इसका उचित आकलन करना और निपटना जरूरी है। इनमें शामिल ई-कॉमर्स कंपनियों, सर्च इंजन और सोशल मीडिया मंचों ने अपने स्तर पर या साझेदारी से बड़े स्तर पर वित्तीय सेवाओं की पेशकश शुरू की है। नए तरीकों का इस तरह बड़े पैमाने पर इस्तेमाल करने से अत्यधिक कर्ज, अपर्याप्त कर्ज आकलन व कुछ इसी प्रकार के जोखिमों की व्यवस्थागत चिंता पैदा हो सकती है।

पर्यावरण अनुकूल खनन की योजना : कोल इंडिया

नई दिल्ली। सार्वजानिक क्षेत्र की कोल इंडिया लिमिटेड सीआईएल भूमिगत और खुली खदानों में पर्यवरण अनुकूल प्रौद्योगिकी का इस्तेमाल कर खनन के हरित विकल्पों की तलाश में जुटी है। सीआईएल ने कहा कि इस कदम से कोयला उत्पादन बढ़ाने और पर्यावरण पर प्रतिकूल प्रभाव को कम करने में मदद मिलेगी। महारत्न कंपनी ने कहा, कोल इंडिया अपनी भूमिगत और खुली खदानों में पर्यावरण अनुकूल प्रौद्योगिकी का लाभ उठाकर पर्यावरण पर पड़ने वाले प्रतिकूल प्रभाव को कम करने के लिए हरित खनन के विकल्पों पर गौर कर रही है। कंपनी ने कहा कि तकनीकी-वाणिज्यिक और सुरक्षा चिंताओं के कारण पहले से बंद पड़ी कोयला खदानों का अब प्रौद्योगिकी के जरिये उपयोग में लाया जा सकता है। कोल इंडिया वित्त वर्ष 2021-22 में 2.56 करोड़ टन के अपने भूमिगत उत्पादन को 2029-30 तक चार गुना बढ़ाकर 10 करोड़ टन करने की संभावनाएं टटोल रही है। कंपनी ने कहा कि भूमिगत खदानों में उत्पादन पर्यावरण के अनुकूल होता है और इसका भूमि और लोगों पर कम नुकसान पड़ता है।

कोयले का एकीकृत आयात करे कोयला मंत्रालय

देश में बढ़ती ऊर्जा मांग को पूरा करने के लिए विदेशों से कोयला आयात बेहद जरूरी होता जा रहा है, ऐसे में कोयला मंत्रालय को सभी ऊर्जा संस्थानों के लिए केंद्रीकृत आयात करना चाहिए। इससे प्रभावशीलता बढ़ेगी और लागत घटेगी। सूत्रों ने यह कहा। दो सूत्रों ने बताया कि ऊर्जा मंत्रालय में यह ऐसा विचार उभर रहा है कि बिजली की किल्लत दूर करने के लिए कोयला मंत्रालय को आयात की पूरी जिम्मेदारी अपने कंधों पर ले लेनी चाहिए। इसमें, ऊर्जा उत्पादन करने वाली कंपनियां अपनी मासिक आवश्यकता कोयला मंत्रालय को बता सकती हैं और फिर मंत्रालय कोल इंडिया को सभी आयात के लिए नोडल एजेंसी के तौर पर काम करने का निर्देश दे सकता है। हाल के दिनों में कोल इंडिया लिमिटेड ने अपनी आपूर्तियों को बढ़ाने की खातिर कोयला आयात के लिए निविदाएं निकाली थीं। राज्यों और ऊर्जा उत्पादकों को भी ऐसा करने को कहा गया। यह जिम्मेदारी अब कोल इंडिया को दी जा सकती है। उन्होंने कहा कि बड़े पैमाने पर ऑर्डर देने से देश बेहतर तरीके से मोलभाव कर सकेगा और इससे लागत घटेगी और परिणामस्वरूप ऊर्जा उत्पादन की लागत कम होगी। अभी ऊर्जा उत्पादन कंपनियां अपने स्तर पर कोयला आयात करती हैं।

गैर-जीवन बीमा कंपनियों का प्रीमियम बढ़ा

मई में 24 प्रतिशत बढ़कर 15404 करोड़ रुपए पर रहा

नई दिल्ली। गैर जीवन बीमा कंपनियों का समूहिक रूप से सकल प्रत्यक्ष प्रीमियम मई, 2022 में सालाना आधार पर 24 प्रतिशत बढ़कर 15404.45 करोड़ रुपए पर पहुंच गया। भारतीय बीमा नियामक एवं विकास प्राधिकरण इरडा के जारी आंकड़ों में इसकी जानकारी मिली है। गैर-जीवन बीमा कंपनियों का मई, 2021 में सकल प्रत्यक्ष प्रीमियम 12423.98 करोड़ रुपए रहा था। इरडा के आंकड़ों के मुताबिक, 31 गैर-जीवन कंपनियों में से 25 साधारण बीमा कंपनियों का मई, 2022 में सकल प्रत्यक्ष प्रीमियम 24 प्रतिशत की बढ़त के साथ 13566.18 करोड़ रुपए पर पहुंच गया जबकि एक साल पहले इसी महीने में यह 10954.18 करोड़ रुपए था। निजी क्षेत्र की पांच स्वास्थ्य बीमा कंपनियों का सकल प्रीमियम आलोच्य महीने में 23.6 प्रतिशत बढ़कर 1708.86 करोड़ रुपए हो गया, जबकि मई, 2021 में यह 1382.71 करोड़ रुपए था। कुल मिलाकर सभी गैर-जीवन बीमा कंपनियों का सकल प्रत्यक्ष प्रीमियम चालू वित्त वर्ष 2022-2023 की अप्रैल-मई अवधि के दौरान 22.8 प्रतिशत बढ़कर 36680.69 करोड़ रुपए पर पहुंच गया जो एक साल पहले इसी महीने में 29867.41 करोड़ रुपए था।

चीनी निर्यात पर लगाम की तैयारी

सरकार की कीमतों में कमी करने की योजना

मुंबई। सरकार अगले सीजन में चीनी निर्यात पर 60-70 लाख टन की सीमा लगा सकती है, जो चालू सीजन में एक करोड़ टन है। यह लगातार दूसरा साल होगा, जब चीनी निर्यात पर सीमा लगाई जाएगी। अगला सीजन अक्टूबर से सितंबर तक होगा।

सरकार इसके जरिये घरेलू आपूर्ति को सही रखने और साथ ही कीमतों में कमी करने की योजना बना रही है। भारत दुनिया का सबसे बड़ा चीनी उत्पादक देश है। सरकारी और उद्योग के सूत्रों के मुताबिक, चालू सीजन की तुलना में अगले सीजन में एक तिहाई कम निर्यात हो सकता है।

सरकार ने 24 मई को चीनी के निर्यात पर 6 साल में पहली बार सीमा लगाई थी। इस साल में रिकॉर्ड निर्यात से चीनी का भंडार एक अक्टूबर तक कम होकर 65 लाख टन रह सकता है। एक साल पहले यह 82 लाख टन था।

80 लाख टन चीनी निर्यात को मंजूरी की मांग

इंडियन शुगर मिल्स एसोसिएशन इस्मा के अध्यक्ष आदित्य झुनझुनवाला ने सरकार से अपील की है कि कम से कम 80 लाख टन चीनी निर्यात की मंजूरी दी जाए। क्योंकि इस साल 3.6 करोड़ टन चीनी का उत्पादन हो सकता है। इस्मा ने कहा है कि अगले सीजन के पहले कुछ महीने में निर्यात को तेजी दी जाए क्योंकि उत्पादन का सही आंकड़ा अप्रैल, 2023 तक ही पता चल पाएगा। भारत मुख्य रूप से इंडोनेशिया, बांग्लादेश, सूडान, संयुक्त अरब अमीरात, नेपाल और चीन में चीनी का निर्यात करता है।

अब नहीं फैलेगी पेट्रोल खत्म होने की खबर, रिटेलर्स की मनमानी पर लगाम

सरकार ने पेट्रोल पंपों पर लागू किया यूएसओ

नई दिल्ली। पिछले कुछ दिनों में देश के कई राज्यों से ऐसी खबरें आ रही थीं कि वहां पर पेट्रोल पंपों पर पेट्रोल-डीजल खत्म हो गया है। दरअसल ये सब निजी पेट्रोल पंप संचालकों की वजह से हुआ है। जिन्होंने तेल की कीमतें बढ़ा दीं। ऐसे में लोग सरकारी पेट्रोल पंपों की तरफ भागे और नतीजा ये हुआ कि अचानक बढ़ी मांग की वजह से पेट्रोल खत्म हो गया। इसी के चलते अब सरकार ने हर पेट्रोल पंप को यूएसओ के दायरे में ला दिया है। मोदी सरकार ने प्राइवेट प्लेयर्स की मनमानी को रोकने के लिए यूएसओ यानी यूनिवर्सल सर्विस ऑब्लिगेशन लागू कर दिया है। इससे उन प्राइवेट पेट्रोल पंपों पर नकेल कसी जा सकेगी, जो मनमाने तरीके से पेट्रोल-डीजल के दाम बढ़ा रहे हैं। पेट्रोल की कीमत में 2-3 रुपए प्रति लीटर और डीजल में 3 से 5 रुपए की बढ़ोतरी देखी जा रही है। निजी कंपनियों की तरफ से दाम बढ़ाए जाने की वजह से सरकारी पंपों पर भीड़ बढ़ रही है। ऐसे में उन पेट्रोल पंपों पर सप्लाई बिगड़ गई है, जो दूर-दराज के इलाकों में स्थित हैं। पेट्रोल खत्म होने की समस्या मध्य प्रदेश, राजस्थान, महाराष्ट्र और कर्नाटक जैसे राज्यों में अधिक दिखी, जहां प्राइवेट प्लेयर्स की संख्या अधिक है। यूएसओ के तहत हर पेट्रोल पंप को पूरे कामकाजी घंटों के दौरान बिना किसी भेदभाव के सभी ग्राहकों को पेट्रोल-डीजल देना होगा। इतना ही नहीं, उन्हें सरकार की तरफ से तय किया गया न्यूनतम स्टॉक भी रखना होगा। यूएसओ लागू होने के बाद निजी पेट्रोप पंप ना तो कीमतें बढ़ाकर पेट्रोल बेच सकेंगे, ना ही ये बहाना बना पाएंगे कि उनके पास पेट्रोल खत्म हो गया है।

निजी कंपनियां क्यों बढ़ा रही हैं दाम

प्राइवेट पेट्रोल पंप फ्यूल की कीमतें बढाकर पेट्रोल इसलिए बेच रहे हैं, ताकि वह अपने नुकसान को कम कर सकते हैं। इसका एक दूसरा मकसद ये भी है कि लोग उनके यहां से कम पेट्रोल खरीदें। दरअसल, इस वक्त कच्चे तेल के दाम 120 डॉलर प्रति बैरल के करीब जा पहुंचे हैंए जबकि मौजूदा पेट्रोल-डीजल भाव कच्चे तेल की कीमत 85 डॉलर प्रति बैरल के हिसाब से तय किए गए हैं।

30 लाख लोगों के रोजगार पर संकट

नई दिल्ली। सितंबर, 2021 में सरकार द्वारा राज्य और केंद्रीय करों और लेवी से छूट आरओएससीटीएल योजना में बदलाव से भारत के कपड़ा निर्यातकों के सामने कई कठिनाइयां खड़ी हो गई हैं। इससे देश के कपड़ा उद्योग की वैश्विक प्रतिस्पर्धा और लगभग 30 लाख लोगों का रोजगार प्रभावित हो सकता है। भारत वर्तमान में 44 अरब डॉलर से अधिक का निर्यात करता है जिसमें से परिधान और वस्त्र निर्यात का हिस्सा करीब 16 अरब डॉलर है। यह बदलाव दुनिया के लिए मेक इन इंडिया की सरकार की घोषित नीति को बढ़ावा देने की इस पूरी योजना के उद्देश्य और मंशा पर पानी फेर रहा है। भले ही यह योजना भारत के कपड़ा उद्योग को प्रतिस्पर्धी बनाने और निर्यात को बढ़ावा देने के लिए शुरू की गई थी, लेकिन निर्यातकों के बजाय आयातकों को फायदा हो रहा है। अपैरल एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसिल के सदस्य और गारमेंट एक्सपोर्ट मैन्युफैक्चरिंग एसोसिएशन के अध्यक्ष विजय जिंदल ने कहा कि यह योजना भारत के कपड़ा उद्योग को प्रतिस्पर्धी बनाने के इरादे से शुरू की गई थी। यह योजना निर्यातकों द्वारा इनपुट पर पहले से भुगतान किए गए करों, लेवी आदि से छूट प्रदान करती है। लेकिन इस छूट को उन स्क्रिप में बदल दिया गया।

टॉप अमीरों को जोर का झटका

मस्क से लेकर अंबानी तक की संपत्ति घटी

नई दिल्ली। दुनिया के टॉप-10 अमीरों की संपत्ति में इस सप्ताह बढ़ी गिरावट दर्ज की गई। सबसे ज्यादा घाटा एलन मस्क को उठाना पड़ा है, उनकी नेटवर्थ बीते 24 घंटे में 14 अरब डॉलर का हो गई। इसके अलावा जेफ बेजोस, वॉरेन बफे, मुकेश अंबानी और गौतम अदाणी को भी भारी नुकसान उठाना पड़ा है। दुनिया के सबसे अमीर व्यक्ति और टेस्ला व स्पेसएक्स कंपनी के मालिक एलन मस्क की नेटवर्थ 14 अरब डॉलर का होकर 203 अरब डॉलर रह गई। इसके अलावा अमेजन के संस्थापक जेफ बेजोस को भी बीते 24 घंटे में 4.20 अरब डॉलर का नुकसान उठाना पड़ा है और उनकी संपत्ति इस गिरावट के साथ 127 अरब डॉलर पर पहुंच गई है। गिरावट के इस दौर में टॉप-10 सूची में तीसरे नंबर पर मौजूद बर्नार्ड अर्नाल्ट की नेटवर्थ 38.9 करोड़ डॉलर घटकर 122 अरब डॉलर, जबकि माइक्रोसॉफ्ट के बिल गेट्स की संपत्ति 1.73 अरब डॉलर की कमी के साथ 112 अरब डॉलर रह गई है। इस दौरान सूची में पांचवें नंबर पर मौजूद लैरी पेज 2.99 अरब डॉलर की कमी के साथ 97.1 अरब डॉलर रह गई है। टॉप-10 अमीरों की सूची में शामिल दोनों भारतीय उद्योपतियों मुकेश अंबानी और गौतम अदाणी को भी बड़ा घाटा हुआ है। जहां एक ओर अंबानी की नेटवर्थ 1.40 अरब डॉलर की कमी के साथ 92.9 अरब डॉलर रह गई, वहीं गौतम अदाणी की दौलत 2.19 अरब डॉलर कम होकर 92.7 अरब डॉलर रह गई।

अन्य अरबपतियों का हाल

छठे नंबर पर मौजूद दिग्गज निवेशक वॉरेन बफे के लिए भी यह सप्ताह घाटे का रहा है। उनकी दौलत में 3.43 अरब डॉलर की कमी आई। इसके बाद बफे की नेटवर्थ कम होकर 93.4 अरब डॉलर रह गई। सातवें पायदान पर काबिज सग्रेई ब्रिन की नेटवर्थ 2.82 अरब डॉलर की कमी के साथ 93.1 अरब डॉलर, जबकि 10वें स्थान पर बने हुए स्टीव बाल्मर को 2.19 अरब डॉलर का नुकसान हुआ और उनकी नेटवर्थ 87.7 अरब डॉलर रह गई है।

वेकोलि में कोल इंडिया के एचआर विजन 2025 पर कार्यशाला

नागपुर ■

समयानुसार मानव संसाधन के क्षेत्र में आए परिवर्तन को कार्यप्रणाली में समाहित करने एवं देश की कोयला आवश्यकताओं को पूर्ण करने के उद्देश्य से मानव संसाधन के समुचित संयोजन हेतु कोल इंडिया लिमिटेड द्वारा एचआर विजन 2025 बनाया जा रहा है। इस विजन के प्रारूप पर वेकोलि में कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में सभी क्षेत्रों के कार्मिक विभाग के अधिकारियों ने भाग लिया।

कार्यशाला के दौरान कोल इंडिया लिमिटेड के निदेशक कार्मिक एवं औद्योगिक संबंध विनय रंजन ने सहभागियों को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से संबोधित किया। उन्होंने अपने संबोधन में कहा की एचआर विजन 2025 सभी का साझा विजन होगा। बदलते परिपेक्ष में एचआर विजन 2025 को महत्वपूर्ण बताते हुए उन्होंने सभी से इस विजन के बनने के उपरांत इसका कार्यान्वयन सुनिश्चित करने को कहा। कार्यशाला के उद्घाटन समारोह में वेकोलि के निदेशक कार्मिक डॉ संजय कुमार मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। अपने उद्बोधन में उन्होंने कंपनी के मानव संसाधन को अधिक कार्यशील बनाने एवं कर्मियों में तेजी से कार्य करने की क्षमता विकसित करने पर जोर दिया। उन्होंने एचआर विजन 2025 में वर्तमान आवश्यकताओं को समाहित करने के साथ ही भविष्य की आवश्यकताओं के अनुरूप सिद्धांतों के समावेश का आग्रह किया। कार्यशाला में चार्ल्स जस्टर, महाप्रबंधक कार्मिक, नॉर्दर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड मुख्य वक्ता एवं समन्वयक के तौर पर उपस्थित रहे। उन्होंने मानव संसाधन के विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से बात की। इस दौरान उपस्थित अधिकारियों को 10 टीमों में बांटा गया जिन्होंने इस एचआर विजन 2025 के विभिन्न पहलुओं पर अपना प्रेजेंटेशन दिया। उपस्थित अधिकारियों के पारस्परिक विचार-विमर्श एवं संवाद के दौरान आए सुझावों पर विस्तार से चर्चा हुई एवं सुझावों का एचआर विजन 2025 के प्रारूप में समावेश किया गया।

बैंक ऑफ बड़ौदा का को-ब्रांडेड कॉन्टैक्टलेस रुपे क्रेडिट कार्ड लॉन्च

देहरादून। बैंक ऑफ बड़ौदा की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी, बीओबी फाइनेंशियल सॉल्यूशंस और भारत रत्न पं. गोविंद बल्लभ पंत द्वारा 1922 में स्थापित तथा 1973 से बैंक ऑफ बड़ौदा द्वारा प्रबंधित नैनीताल बैंक ने नैनीताल बैंक-बॉब को-ब्रांडेड कॉन्टैक्ट लेस रुपे क्रेडिट कार्ड लॉन्च किया है। नैनीताल बैंक के शताब्दी वर्ष में लॉन्च किया जा रहा कार्ड, ग्राहकों को किराना और डिपार्टमेंटल स्टोर्स जैसी कैटेगरीज में रोजमर्रा के खर्चों के लिए परस्कृत करने के मकसद से डिजाइन किया गया है। नैनीताल बैंक-बॉब को-ब्रांडेड कॉन्टैक्ट लेस रुपे क्रेडिट कार्ड के कार्डधारक ग्रॉसरी, डिपार्टमेंटल स्टोर्स और फिल्मों पर किए गए खर्च के लिए 5 रिवार्ड पॉइंट्स प्रति 100 रुपये खर्च कर अर्जित कर सकेंगे। अन्य सभी खर्चों के लिए कार्डधारकों को प्रति 100 रुपए खर्च पर 1 रिवॉर्ड पॉइंट मिलेगा। इसके अलावा कार्डधारकों को ईंधन खरीद पर 1 फीसदी फ्यूल सरचार्ज छूट का भी लाभ मिलेगा।

पीएम मोदी ने लॉन्च की चेस ओलंपियाड की मशाल, बोले- हमारे देश में प्रतिभाओं की कमी नहीं है

नई दिल्ली (एजेंसी)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इंदिरा गांधी स्टेडियम में 44वें शतरंज ओलंपियाड के मशाल रिले का शुभारंभ किया। इस दौरान प्रधानमंत्री ने कहा कि आज चेस ओलंपियाड गेम्स के लिए पहली टॉर्च रिले भारत से शुरू हो रही है। इस साल पहली बार भारत चेस ओलंपियाड गेम्स की मेजबानी भी करने जा रहा है। उन्होंने कहा कि हमें गर्व है कि एक खेल, अपने जन्मस्थान से निकलकर पूरी दुनिया में अपनी छाप छोड़ रहा है, अनेक देशों के लिए एक पैशन बन गया है। मोदी ने कहा कि भारत से सदियों पहले चतुरंग के रूप में इस स्पोर्ट्स की मशाल पूरी दुनिया में गई थी। आज शतरंज की पहली ओलंपियाड मशाल भी भारत से निकल रही है।

मोदी ने कहा कि आज जब भारत अपनी आजादी के 75वें वर्ष का पर्व, अमृत महोत्सव मना रहा है, तो ये चेस ओलंपियाड मशाल भी देश के 75 शहरों में जाएगी। उन्होंने कहा कि एफआईडीई ने ये भी तय किया है कि प्रत्येक शतरंज ओलंपियाड खेल के लिए मशाल रिले भारत से ही शुरू हुआ करेगी। ये सम्मान न केवल भारत का सम्मान है, बल्कि शतरंज की इस गौरवशाली विरासत का भी सम्मान है। मैं इसके लिए एफआईडीई और इसके सभी सदस्यों का अभिनंदन करता हूं। प्रधानमंत्री ने कहा कि Analytical और problem solving brains के लिए हमारे पूर्वजों ने चतुरंग या शतरंज जैसे खेलों का आविष्कार किया। भारत से होते हुए शतरंज,दुनिया के अनेक देशों तक पहुंचा और खूब लोकप्रिय हुआ। आज स्कूलों में चेस युवाओं के लिए, बच्चों के लिए एक एजुकेशन टूल के रूप में इस्तेमाल हो रहा है।

नरेंद्र मोदी ने कहा कि बीते 7-8 वर्षों में शतरंज में अपना प्रदर्शन लगातार बेहतर किया है। 41वें चेस ओलंपियाड में भारत ने ब्रॉन्ज के रूप में अपना पहला मैडल जीता था। 2020 और 21 के वर्चुअल चेस ओलंपियाड में भारत ने गोल्ड और ब्रॉन्ज भी जीता है। उन्होंने कहा कि इस बार अब तक की तुलना में हमारे सबसे ज्यादा खिलाड़ी चेस ओलंपियाड में भाग ले रहे हैं, मुझे आशा है कि इस बार भारत मेडल्स के नए रिकॉर्ड बनाएगा। मोदी ने कहा कि जैसे शतरंज के हर मोहरे की अपनी यूनिक ताकत होती है, उसकी यूनिक क्षमता होती है। अगर आपने एक मोहरे को लेकर सही चाल चल दी, उसकी ताकत का सही इस्तेमाल कर लिया तो वो सबसे शक्तिशाली बन जाता है। चेसबोर्ड की यही खासियत हमें जीवन का बड़ा संदेश देती है। सही सपोर्ट और सही माहौल दिया जाए तो कमजोर से कमजोर के लिए भी कोई लक्ष्य असंभव नहीं होता।

वेस्टइंडीज को जीत के लिए चाहिये 35 रन

प्राग ,चेक गणराज्य (एजेंसी)।

एंटीगा (ईएमएस)। वेस्टइंडीज को बांग्लादेश के खिलाफ पहले क्रिकेट टेस्ट मैच में जीत के लिए अब केवल 35 रन ही चाहिये जबकि उसके केवल तीन विकेट ही गिरे हैं। तीसरे दिन का खेल समाप्त होने के समय तक जॉन कैंपबेल 28 और जर्मेन ब्लैकवुड 17 रन बनाकर खेल रहे थे। ऐसे में मेजबान टीम की जीत तय नजर आती है। वहीं इससे पहले बांग्लादेश की टीम अपनी दूसरी पारी में भी नाकाम रही और केवल 245 रनों पर ही सिमट गयी। इस प्रकार वेस्टइंडीज को जीत के लिए केवल 84 रनों का लक्ष्य मिला। इस लक्ष्य का पीछा करते हुए वेस्टइंडीज ने तीसरे दिन का खेल समाप्त होने तक अपनी दूसरी पारी में तीन विकेट के नुकसान पर 49 रन बनाये। इंडीज टीम को जीत के लिए अब केवल 35 रन और चाहिए। लक्ष्य का पीछा करते हुए दूसरी पारी में वेस्टइंडीज की शुरुआत अच्छी नहीं रही थी। कप्तान क्रेग ब्रेथवेट एक रन बनाकर ही आउट हो गए। इसके बाद रेमॉन राइफर 2 और बोनर का खाता ही नहीं खोल पाये। दूसरी ओर बांग्लादेश के तेज गेंदबाज खालिद अहमद ने भी 11 गेंद के अंदर ही वेस्टइंडीज के तीन बल्लेबाजों को आउट कर अपनी टीम की वापसी का प्रयास किया हालांकि, इसके बाद जॉन कैंपबेल और ब्लैकवुड ने 40 रन की साझेदारी कर वेस्टइंडीज टीम को संभाला।

वहीं इससे पहले दूसरी पारी में वेस्टइंडीज के तेज गेंदबाज केमार रोच ने बांग्लादेश बल्लेबाजों को खेलने का कोई अवसर नहीं दिया। रोच ने दूसरी पारी में पांच बांग्लादेशी बल्लेबाजों को आउट किया। इस प्रकार वह वेस्टइंडीज की ओर से सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाजों में छठे स्थान पर आ गए हैं। इस प्रकार उन्होंने माइकल होल्डिंग की भी बराबरी की है। अब रोच के नाम 72 टेस्ट में 249 विकेट हो गए हैं , वहीं होल्डिंग ने 60 टेस्ट में इतने विकेट हासिल किए थे।

बांग्लादेश की तरफ से दूसरी पारी में सबसे अधिक 64 रन नरूल हसन ने बनाए जबकि कप्तान शाकिब अल हसन ने 63 रन बनाये। इनके अलावा अन्य बल्लेबाज सस्ते में ही सिमट गये।

एफआईएच प्रो लीग : नीदरलैंड को कड़ी टक्कर देने के बावजूद शूटआउट में हारा भारत

राजकोट (एजेंसी)।

रोटरडम।भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने एफआईएच प्रो लीग के दो चरण के शुरुआती मुकाबले में नीदरलैंड को शनिवार को कड़ी टक्कर दी लेकिन नियमित समय में मैच के 2-2 की बराबरी पर छूटने के बाद शूटआउट में उसे 1-4 से हार का सामना करना पड़ा। इस हार के साथ ही भारतीय टीम को अब खिताब की दौड़ में बने रहने के लिए दूसरी टीमों पर निर्भर रहना होगा। इस मैच से भारत को एक अंक मिला जिससे 15 मुकाबलों के बाद उनके नाम 30 अंक है। उसका एक मैच बचा हुआ है। तालिका में शीर्ष पर काबिज नीदरलैंड के नाम 13 मैचों में 33 अंक है जबकि ओलंपिक चैंपियन बेल्जियम 14 मैचों में 31 अंक के साथ दूसरे स्थान पर है। नीदरलैंड के तीन जबकि बेल्जियम के दो मैच बचे हुये हैं। भारतीय टीम ने दोनों गोल पिछड़ने के बाद किये।

एफआईएच प्रो लीग : भारतीय महिला टीम ने ओलिम्पिक रजत पदक विजेता अर्जेंटीना को हराकर उलटफेर किया

रोटरडम (एजेंसी)।

गुरजीत कौर के दो गोल से भारतीय महिला हॉकी टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए एफआईएच प्रो लीग के 'डबल लेग' मुकाबले के पहले मैच में निर्धारित समय में 3-3 के स्कोर के बाद शूटआउट में ओलंपिक रजत पदक विजेता अर्जेंटीना को 2-1 से हराकर उलटफेर किया। गुरजीत (37वें और 51वें मिनट) ने दो पेनल्टी कॉर्नर से और लालरेमसियामी ने चौथे मिनट में मैदानी गोल किया। अर्जेंटीना के लिऐ ऑगस्टिना गोर्जेलानी ने 22वें, 37वें और 45वें मिनट में हैट्रिक करके मैच को शूटआउट तक पहुंचाया। शूटआउट में नेहा गोयल और सोनिका ने भारत के लिए गोल किए जबकि मौजूदा प्रो लीग चैम्पियन अर्जेंटीना के लिये विक्टोरिया ग्रानाटो एकमात्र स्कोरर रहीं।

इस तरह सविता पूनिया की टीम ने यादगार जीत दर्ज की और तोक्यो ओलंपिक सेमीफाइनल में इसी प्रतिद्वंद्वी टीम के खिलाफ मिली 1-2 की हार का बदला भी चुकता किया। भारतीय टीम ने मैच में मजबूत शुरुआत की और दबदबा बनाया। भारत ने शुरू में ही अर्जेंटीना के रक्षण पर दबाव बनाकर तीसरे ही मिनट में पेनल्टी कॉर्नर हासिल कर लिया लेकिन मोनिका की फ्लिक का प्रतिद्वंद्वी गोलकीपर बेलेन सुकी ने अच्छा बचाव किया। एक मिनट बाद भारत ने लालरेमसियामी के शानदार मैदानी गोल से बढ़त बनाई।

दीप ग्रेस एक्का ने सर्कल के बाहर से किए गए पास से मौका बनाया और लालरेमसियामी ने अर्जेंटीना की गोलकीपर को हैरत में डालते हुए गोल कर दिया। इस गोल से दबाव में आई अर्जेंटीना ने आक्रमण करना शुरू किया और जल्द ही लगातार दो पेनल्टी कॉर्नर हासिल किए लेकिन भारत के मजबूत रक्षण के आगे उनकी एक नहीं चली। पहले क्वार्टर के समाप्त होने से कुछ सेकेंड पहले शर्मिला देवी के प्रयास को सुकी ने विफल कर दिया।

भारतीय खिलाडियों ने दूसरे क्वार्टर में भी यही आक्रामकता जारी रखी लेकिन अर्जेंटीना ने धीरे-धीरे वापसी करना शुरू किया। दूसरे क्वार्टर के छह मिनट में अर्जेंटीना ने तेजी से दो पेनल्टी कॉर्नर हासिल किये और ऑगस्टिना गोर्जेलानी ने गोल कर दिया जब उनकी फ्लिक सुशीला चानू की स्टिक से डिफ्लेक्ट हो गई।

अर्जेंटीना ने जल्द ही एक और पेनल्टी कॉर्नर हासिल कर लिया लेकिन चानू ने वालेंटिना कोस्टा के प्रयास का शानदार बचाव किया। भारत को हाफ टाइम से कुछ सेकेंड से पहले एक पेनल्टी कॉर्नर हासिल किया लेकिन मौका गंवा दिया। इसके बाद गोर्जेलानी ने 37वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर से गोल किया। अर्जेंटीना की खुशी हालांकि कुछ देर ही रह सकी भारत ने सेकेंड बाद ही गुरजीत कोर के पेनल्टी कॉर्नर पर किए गए गोल से बराबरी हासिल की।

अर्जेंटीना ने कोशिश जारी रखी और तीसरे क्वार्टर में दो और पेनल्टी कॉर्नर हासिल किए लेकिन भारतीयों का रक्षण बेहतरीन रहा। अर्जेंटीना को 8वां पेनल्टी कॉर्नर 45वें मिनट में मिला और गोर्जेलानी ने गोल कर अपनी हैट्रिक पूरी कर टीम को फिर आगे कर दिया। भारतीय खिलाडियों ने उम्मीद नहीं छोड़ी और डटी रहीं। गुरजीत ने फिर 51वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर को गोल में तब्दील कर स्कोर 3-3 की बराबरी पर ला दिया। इसके बाद दोनों टीमों ने विजयी गोल करने की कोशिश की लेकिन दोनों टीमों का रक्षण दमदार रहा जिससे मैच शूटआउट में चला गया। भारत और अर्जेंटीना अब दूसरे मैच में रविवार को एक दूसरे के आमने सामने होंगे।

रणजी ट्राफी फाइनल : मुंबई और मप्र के बीच 22 जून से खेला जाएगा रणजी ट्रॉफी मुकाबला

बैंगलोर । मुम्बई ओर मध्यप्रदेश के बीच 22 जून से रणजी ट्रॉफी मुकाबला खेला जाएगा। मध्यप्रदेश ने जहां एक सेमीफाइनल में बंगाल को हराकर फाइनल में प्रवेश किया है। वहीं मुम्बई और उत्तर प्रदेश के बीच सेमीफाइनल मैच में कोई परिणाम नहीं निकला। इससे पहली पारी में बढ़त लेने वाली मुम्बई की टीम फाइनल में पहुंच गयी। फायनल मुकाबला 22 जून से 26 जून के बीच बैंगलोर के चेन्ना स्वामी स्टेडियम में खेला जाएगा।

पहला सेमीफाइनल में मध्य प्रदेश मध्य प्रदेश ने अपनी पहली पारी में 341 और दूसरी पारी में 281 रन बनाए थे। वहीं पहली पारी में बंगाल की टीम 273 रन ही बना पाई। इसके बाद बंगाल को जीत के लिए 350 रनों का लक्ष्य मिला जिसके जवाब में बंगाल की टीम के 175 रन ही बना पायी। इस प्रकार मप्र की टीम 174 रनों की जीत के साथ ही 23 साल बाद रणजी सेमीफाइनल में पहुंच गई। वहीं दूसरे सेमीफाइनल में मुम्बई ने पहली पारी में 393 रन बनाने के बाद उत्तर प्रदेश को केवल 180 रनों पर ही आउट कर दिया। दूसरी पारी में मुंबई की टीम को आउट करने में उत्तर प्रदेश के गेंदबाज नाकाम रहे।

सीमित ओवरों की श्रृंखला के लिए श्रीलंका पहुंची भारतीय महिला टीम

कोलंबो (एजेंसी)।

हरमनप्रीत कौर की अगुवाई वाली भारतीय महिला क्रिकेट टीम श्रीलंका के खिलाफ 23 जून से शुरू हो रही सीमित ओवरों की श्रृंखला के लिए रविवार को यहां पहुंची। भारतीय टीम क्रिकेट के सभी प्रारूपों से संन्यास लेने वाली मिताली राज और अनुभवी तेज गेंदबाज झूलन गोस्वामी जैसी वरिष्ठ खिलाड़ियों के बिना इस दौरे पर गई है। भारत की यह युवा टीम पल्लेकेले और दांबुला में क्रमश- तीन एकदिवसीय और इतने ही टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेलेगी।

श्रीलंका क्रिकेट (एसएलसी) ने आगमन पर भारतीय टीम का स्वागत किया और अपने सोशल मीडिया हैंडल पर तस्वीरें भी पोस्ट की। भारतीय टीम ने श्रीलंका रवाना होने से पहले बेंगलुरु में राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) में शिविर में हिस्सा लिया था तथा इस बीच एनसीए प्रमुख वीवीएस लक्ष्मण के साथ बातचीत भी की थी। हरमनप्रीत के अनुसार यह दौरा मजबूत टीम तैयार करने के लिहाज से बेहतरीन मौका है।

हरमनप्रीत ने शनिवार को कहा था, 'हम अपनी टीम पर कड़ी मेहनत कर रहे हैं, हमारे पास बेहतरीन संयोजन हैं। हम पहली बार सीनियर खिलाड़ियों के बिना जा रहे हैं, ऐसे में यह हमारे लिए नयी शुरुआत करने के नजरिये से यह अच्छा दौरा है। हम सभी के लिए टीम के गठन का यह बड़ा मौका है।' इस दौरे की शुरुआत 23 जून को दांबुला में पहले टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच से होगी।

फीडे कैंडीडेट्स शतरंज – रद्जाबोव को हराकर नाकामुरा नें की वापसी

मेड्रिड ,स्पेन । फीडे कैंडीडेट 2022 के दूसरे दिन चार में से सिर्फ एक मैच जीत और तीन ड्रॉ के साथ समाप्त हुए । पहले राउंड में हार के बाद, अमेरिकी दिग्गज ग्रांड मास्टर हिकारू नाकामुरा ने वापसी करते हुए अज़रबैजान के तैमूर रद्जाबोव को साढ़े छह घंटे तक चले मुक़ाबले में पराजित किया। सफ़ेद मोहरो से खेलते हुए राय लोपेज़ ओपनिंग में नाकामुरा को थोड़ी बेहतर स्थिति मिली और उन्होने रद्जाबोव पर धीरे-धीरे दबाव बढ़ाते हुए 75 चालों में जीत दर्ज की । पहले राउंड में जीत दर्ज करने वाले यूएसए के फबियानों कारुआना और रूस के यान नेपोमिन्सी के बीच इटेलिअन ओपनिंग में 31 चालों में बाजी अनिर्णीत रही । अपना 19वां जन्मदिन मना रहे फ्रांस के अलीरेजा फिरोजा बड़ी मुश्किल से सिसलियन ओपनिंग में हंगरी के रिचर्ड रापोर्ट के खिलाफ 60 चाल में बाजी ड्रॉ करा सके । पहला राउंड हारने के बाद टॉप सीड चीन के डिंग लीरेन नें सम्हाल कर खेलते हुए पोलैंड के यान डूडा से 41 चालों में इटेलिअन ओपनिंग में अंक बाँट लिया ।पहले दो राउंड के बाद फिलहाल नेपोमिन्सी और कारुआना 1.5 अंक बनाकर सयुंक्त बढ़त पर चल रहे है ।

विराट कोहली या रोहित शर्मा नहीं, हार्दिक सिर्फ धोनी की सलाह पर करते हैं अमल

नई दिल्ली (एजेंसी)।

इंडियन प्रीमियर लीग 2022 में गुजरात टाइटंस को खिताबी जीत दिलाने वाले ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या अब भारतीय टीम में धमाल मचा रहे हैं। पंड्या साउथ अफ्रीका के खिलाफ चौथे टी20 में 31 गेंद में 46 रनों की महत्वपूर्ण पारी खेलकर टीम इंडिया को जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई। इस जीत के साथ ही भारत अब पांच मैचों की सीरीज में 1-1 की बराबरी कर ली है।

मैच के बाद हार्दिक पंड्या ने बीसीसीआई टीवी के लिए दिनेश कार्तिक का एक खास इंटरव्यू किया। इस दौरान हार्दिक ने बताया कि कैसे उन्होंने अपनी कप्तानी में गुजरात को आईपीएल का खिताब दिलाया और किसकी सलाह मानने पर उन्हें इतनी बड़ी सफलता हासिल की है। हार्दिक ने कहा मैं हमेशा पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी से सलाह लेता रहता हूं। वह जिस तरह से शांत रहकर अपनी रणनीति पर आगे बढ़ते हैं, वह शानदार है। करियर के शुरुआत में उन्होंने मुझे सलाह दी थी कि तुम यह मत सोचो की टीम का स्कोर क्या है। यह सोचो की टीम की जरूरत क्या है और मैं अब इसी चीज का पालन करता हूं।

कार्तिक के द्वारा पूछे गए इस सवाल पर कि गुजरात और टीम इंडिया के लिए खेलते हुए वह अपनी प्लानिंग में क्या कुछ बदलाव करते हैं। इसके जवाब में उन्होंने कहा मैं अपने खेल में कुछ खास बदलाव नहीं करता। मैं बस अपनी टाइमिंग और अपने जोन में आने वाली गेंद को खेलने का प्रयास करता हूं। चाहे मैं गुजरात के लिए खेलूं या फिर टीम इंडिया के लिए। बता दें कि पंड्या ने टीम इंडिया के लिए 2016 में अपना टी20 डेब्यू किया था। इसके बाद से वह अब तक कुल 58 टी20 मैच खेल चुके हैं। हालांकि चोट के कारण वह लगातार टीम से अंदर बाहर होते रहे हैं, लेकिन उन्हें जब भी मौका मिलता है वह गेंद और बल्ले दोनों से अपना भरपूर योगदान देते हैं। यही कारण की आयरलैंड दौरे पर उन्हें टीम इंडिया की कप्तानी दी गई है।

गोल्फर त्वेसा दूसरे दौर में पहुंची , दीक्षा बाहर

लंदन । भारत की त्वेसा मलिक आरामको टीम सीरीज लंदन गोल्फ टूर्नामेंट के दूसरे दौर में पहुंच गयी हैं। त्वेसा ने तीन बर्डी खोने के बाद 18वें होल पर बर्डी लगायी। पहले दौर में 74 के बाद उन्होंने दूसरे दौर में 78 का स्कोर किया। वह संयुक्त 59वें स्थान पर है जबकि 62 खिलाडियों ने कट में जगह बनायी। वहीं भारत की ही दीक्षा डागर को कट में जगह नहीं मिली जबकि इंग्लैंड की हेली डेविड ने अंतिम दौर से पहले दो शॉट की बढ़त बना ली थी। वहीं दूसरी ओर पुरुष वर्ग में भारतीय गोल्फर उद्यन माने ने इंडो मास्टर्स गोल्फ निमंत्रण प्रतियोगिता के अंतिम दौर में दो अंडर 70 का कार्ड खेला जिससे वह संयुक्त 42वें स्थान पर रहे। माने ने अंतिम दौर में चार बर्डी और दो बोगी लगायी। उन्होंने 73, 71, 78 और 70 के कार्ड खेले। एशियाई डेवलपमेंट टूर पर इंडोनेशिया में आठ टूर्नामेंट की सीरीज की यह दूसरी प्रतियोगिता थी। आस्ट्रेलिया के हैरिसन गिलबर्ट ने अंतिम दौर में 66 के कार्ड से खिताब जीता। भारतीय महिला गोल्फर अदिति अशोक ने दूसरे दौर में तीन अंडर 69 का बेहतर स्कोर किया पर वह 'मीजर एलपीजीए क्लासिक% टूर्नामेंट में कट हासिल नहीं कर पायीं।

नीरज चोपड़ा ने 4 दिनों में दूसरी बार वर्ल्ड चैंपियन को पछाड़ा, गोल्ड मेडल जीता

नई दिल्ली (एजेंसी)।

ओलंपिक चैंपियन नीरज चोपड़ा ने चार दिनों में दूसरी बार ग्रेनाडा के मौजूदा विश्व चैंपियन एंडरसन पीटर्स को पछाड़कर फिनलैंड के कुओतनि खेलों में भालाफेंक स्पर्धा में शनिवार को सत्र का पहला स्वर्ण पदक हासिल किया। चौबीस साल के नीरज ने 86.69 मीटर के प्रयास से यह पदक हासिल किया। उन्होंने अपने पहले प्रयास में ही यह दूरी हासिल की जबकि उनका दूसरा और तीसरा प्रयास फाउल हो गया। उन्होंने इसके बाद और थ्रो नहीं किया।

त्रिनिदाद एवं टोबैगो के 2012 के ओलंपिक चैंपियन केशोर्न वालकॉट 86.64 मीटर के दूसरे स्थान पर रहे जबकि पीटर्स 84.75 मीटर के सर्वश्रेष्ठ प्रयास के साथ तीसरे स्थान पर रहे। नीरज ने इससे पहले फिनलैंड के तुर्कू में पावो नूरमी खेलों में 89.30 मीटर के प्रयास के साथ रजत जीता था। इस जीत से 30 जून को स्टॉकहोम में होने वाली डायमंड लीग से पहले उनका आत्मविश्वास जरूर बढ़ेगा।

ओलंपिक चैम्पियन नीरज चोपड़ा की नजरें अब डायमंड लीग पर, इंस्टाग्राम पोस्ट में लिखी ये बात

नयी दिल्ली। ओलंपिक चैम्पियन भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा ने फिनलैंड में कुओर्टेन खेलों में वर्ष का पहला खिताब जीतकर चोट की आशंका को दूर करते हुए कहा कि वह 30 जून से स्टॉकहोम में अपने डायमंड लीग सत्र को शुरू करने के लिये पूरी तरह तैयार हैं। कुओर्टेन खेलों के दौरान शनिवार को 24 वर्षीय चोपड़ा अपने तीसरे प्रयास के बाद फिसल गये थे। बारिश के कारण गीले और फिसलन भरे रन अप में आयोजित की गयी भाला फेंक स्पर्धा के लिये परिस्थितियां अनुकूल नहीं थी। चोपड़ा अपने तीसरे प्रयास में भाला फेंकने के बाद संतुलन खोकर नीचे गिर गये थे। चोपड़ा ने अपने पहले प्रयास में ही 86.69 मीटर भाला फेंककर स्वर्ण पदक जीता। उन्होंने दूसरे और तीसरे स्थान पर रहने वाले त्रिनिदाद और टोबैगो के 2012 के ओलंपिक चैंपियन केशोर्न वालकॉट (86.64 मीटर) और ग्रेनाडा के विश्व चैंपियन एंडरसन पीटर्स (84.75 मीटर) की तरह केवल तीन प्रयास ही किये। चोपड़ा ने अपनी इंस्टाग्राम पोस्ट में लिखा, ''मौसम के कारण परिस्थितियां मुश्किल थी लेकिन यहां कुओर्टेन में सत्र की अपनी पहली जीत से खुश हूं।'' उन्होंने कहा, मैं अच्छा महसूस कर रहा हूं और 30 जून को बौहौसगलान (स्टॉकहोम डायमंड लीग) में अपना डायमंड लीग सत्र शुरू करने के लिये तैयार हूं।'' चोपड़ा ने इससे पहले फिनलैंड के तुर्कू में पावो नूरमी खेलों में 89.30 मीटर के प्रयास के साथ रजत जीता था। कुओर्टेन में उनका थ्रो इससे कम था लेकिन स्वर्ण पदक जीतने से निश्चित रूप से उनका मनोबल बढ़ा होगा। भारतीय एथलेटिक्स महासंघ (एएफआई) ने भी कहा कि चोपड़ा पूरी तरह से फिट हैं। एएफआई ने ट्वीट किया, ''कुओर्टेन से खबर- तीसरे प्रयास में फिसलने के कारण गिरने के बावजूद नीरज चोपड़ा फिट हैं। चिंता की कोई बात नहीं है। नीरज चोपड़ा को एक और शानदार प्रदर्शन के लिये बधाई।'' चोपड़ा ने तोक्यो ओलंपिक खेलों में स्वर्ण पदक जीतने के 10 महीने से भी अधिक समय बाद पावो नूरमी खेलों रजत पदक जीतकर शानदार वापसी की थी।

फीफा वर्ल्डकप में जुटेंगे 12 लाख से अधिक दर्शक, कतर सरकार क्रूज पर ठहराने के अलावा बड़ौइन टैंट की भी करेगी व्यवस्था

दोहा । फीफा विश्व कप 2022 को भव्य बनाने के लिए कतर सरकार दिन प्रति दिन नई व्यवस्थाएं कर रही है। समुद्र किनारे क्रूज में फैंस को ठहराने के अलावा सरकार दर्शकों के लिए पारंपरिक 1000 बडौइन टैंट भी बनाएगी। इन टैंट में सभी तरह की सुविधाएं होंगी। 28 दिवसीय फीफा विश्व कप में प्रबंधन को इस मुकाबले के लिए 1.2 मिलियन दर्शकों के आने की उम्मीद है। यह कतर की आबादी का लगभग आधा हिस्सा है। फैंस इतने हैं कि उतने कतर के होटलों में कमरे नहीं है।

आजमगढ़ को आर्यमगढ़ बनाएंगे योगी? सीएम ने चुनावी रैली में समझाया कैसे बदलेगा जिले का नाम

आजमगढ़, 19 जून (एजेंसी)। यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को राज्य की मुख्य विपक्षी समाजवादी पार्टी पर निशाना साधते हुए कहा कि आजमगढ़ को समाजवादी पार्टी (सपा) की (पिछली) सरकार ने आतंक का गढ़ बना दिया था लेकिन भाजपा की डबल इंजन की सरकार ने इसे विकास से जोड़ने का कार्य किया है। सीएम योगी ने आजमगढ़ को आर्यमगढ़ बनाने की भी बात कही। उन्होंने समझाया कि कैसे शहर का नाम बदल सकता है। इसके अलावा सीएम योगी ने आजमगढ़ में कई चुनावी वादे किए। योगी ने सपा और बसपा पर आरोप लगाया कि उत्तर प्रदेश के विकास में सपा और बसपा, राहु और केतु हैं, ये विकास के क्रूर ग्रह हैं, इनसे आप जितनी दूरी बनाएंगे, विकास उतना ही नजदीक आएगा।

आजमगढ़ लोकसभा के उपचुनाव में भाजपा उम्मीदवार दिनेश लाल यादव निरहुआ के समर्थन में चक्रपानपुर और बिलरियागंज में आयोजित जनसभाओं को संबोधित करते हुए योगी आदित्यनाथ ने सपा प्रमुख अखिलेश यादव पर जमकर निशाना साधा और कहा 'आजमगढ़ को समाजवादी पार्टी की सरकार ने आतंक का गढ़ बना दिया था, बहुजन समाज पार्टी भी उससे कभी अपने आपको मुक्त नहीं कर पाई लेकिन आजमगढ़ को विकास के साथ जोड़ने का कार्य भारतीय जनता पार्टी की डबल इंजन की सरकार ने किया है।

भाजपा सरकार की उपलब्धियों की चर्चा करते हुए योगी ने कहा कि आजमगढ़ में जिन्हें आपने चुना था, वह विकास तो नहीं करा पाये, बल्कि उन्होंने आपके सामने पहचान का संकट जरूर खड़ा कर दिया और फिर आजमगढ़ को मझधार में छोड़कर गायब हो गये। उन्होंने कहा, हम मानते थे कि अखिलेश जी विधायक बन गये हैं, तब भी आजमगढ़ को नहीं छोड़ेंगे क्योंकि आजमगढ़ ने संकट के समय में उनका साथ दिया है। यद्यपि यहां के कार्यकर्ता संशय में थे कि वह धोखा जरूर देंगे। उन्होंने आरोप लगाया कि कोरोना काल में अखिलेश यादव सांसद रहते हुए भी यहां हाल चाल लेने नहीं आए लेकिन कोरोना काल में मैं यहां तीन बार आया था।

गौरतलब है कि सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में मैनपुरी के करहल से जीतने के बाद आजमगढ़ संसदीय सीट से इस्तीफा दे दिया था। अखिलेश यादव के इस्तीफे से रिक्त हुई आजमगढ़ संसदीय सीट पर 23 जून को मतदान होगा। यहां सपा प्रमुख के चचेरे भाई और पूर्व सांसद धर्मेंद्र यादव को समाजवादी पार्टी ने उम्मीदवार बनाया है। इसके पहले 2014 में आजमगढ़ संसदीय सीट से सपा संस्थापक मुलायम सिंह यादव चुनाव जीते थे।

योगी ने सपा पर धोखा देने का आरोप लगाते हुए दावा किया कि सपा ने पहले एक दलित नौजवान को टिकट देने का वादा किया और फिर सैफई परिवार में टिकट चला गया। उन्होंने कहा कि बहन जी (मायावती) ने जिन्हें अपना प्रत्याशी (शाह आलम उर्फ गुड्डू जमाली) बनाया है, सपा उन्हें भी धोखा दे चुकी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि वह (शाह आलम) सपा में गये थे लेकिन सपा ने टिकट से वंचित कर बेरोजगार कर दिया था क्योंकि सपा की प्रवृत्ति ही धोखा देने की है। वरिष्ठ भाजपा नेता ने बिना नाम लिए कहा कि आपने दो-दो पूर्व मुख्यमंत्रियों (अखिलेश यादव और मुलायम सिंह यादव) को सांसद बनाया था लेकिन उन लोगों ने आजमगढ़ के विकास में रुचि नहीं ली। योगी ने आरोप लगाया कि उनके लिए आजमगढ़ और उत्तर प्रदेश का विकास मायने नहीं रखता था, उनके लिए स्वयं का और अपने परिवार का विकास मायने रखता था।

मुख्यमंत्री ने कहा, प्रदेश की जनता ने चार बार बसपा और तीन बार सपा को सत्ता में आने का अवसर दिया लेकिन सपा और बसपा ने उसे धोखा दिया है। इन लोगों का विकास का कोई एजेंडा नहीं है। उन्होंने अनुरोध किया कि आजमगढ़ को आतंकवाद का गढ़ मत बनने दीजिए, आजमगढ़ को विकास के माध्यम से आर्यमगढ़ बनाने की प्रक्रिया से जोड़ने आया हूं, आप अवसर को चूकिएगा मत, ईश्वर ने आपको एक अवसर दिया है। आदित्यनाथ ने इस अवसर पर केंद्र की अग्निपथ योजना की प्रशंसा की और इसके लाभों पर प्रकाश डाला। विपक्ष पर हमला तेज करते हुए आदित्यनाथ ने कहा, पूरी दुनिया ने अग्निपथ योजना का स्वागत किया है, जबकि विपक्षी दलों ने युवाओं के जीवन के साथ खिलवाड़ करने के अपने स्वभाव के कारण युवाओं

को गुमराह किया है।

नौकरियों को लेकर मुख्यमंत्री ने सपा परिवार की ओर इशारा करते हुए आरोप लगाया, 2017 से पहले जब भी नौकरियों की घोषणा की जाती थी तो पूरा खानदान वसूली के लिए निकल पड़ता था। योगी ने दावा किया कि हमने पांच लाख सरकारी नौकरी दी है जबकि सपा और बसपा ने युवाओं को धोखा दिया था। उन्होंने कहा कि बहन जी (मायावती) के हाथी का पेट इतना बड़ा है कि यह कभी नहीं भरता है। यह गरीबों का राशन और युवाओं के लिए रोजगार भी खाता था। उन्होंने कहा कि डबल इंजन की सरकार ने सभी बाधाओं को दूर किया और जब लगा कि ज्यादा जकड़न है तो उस जकड़न को दूर करने के लिए बुलडोजर का भी सहारा लिया है।

योगी ने आजम खान पर तंज कसते हुए कहा कि एक नेता कल आए थे जो रोना रो रहे थे लेकिन याद रखिये जो गरीबों की संपत्ति पर कब्जा करेगा उस पर रियायत नहीं होगी। जो नौजवानों के भविष्य से खेलेगा, जो बहू बेटियों की इज्जत से खेलेगा उसके साथ रियायत नहीं बरती जाएगी, चाहे वह कोई भी हो। जरूरत पड़ने पर बुलडोजर भी चलता रहेगा। गौरतलब है कि उच्चतम न्यायालय से जमानत मिलने के बाद 27 माह बाद जेल से छूटे सपा के वरिष्ठ नेता आजम खान ने शनिवार को आजमगढ़ की चुनावी जनसभा में सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी पर अपने और अपने परिवार के उत्पीड़न का आरोप लगाया था।

योगी ने भीड़ से पूछा, क्या इस बार भी सड़क पर अलविदा जुमे की नमाज हुई? नहीं हुई न। अब कहीं लाउडस्पीकर तो नहीं बजता है न? उन्होंने दावा किया कि आगे भी नहीं बजेगा और हमारी सरकार का एजेंडा विकास के साथ ही सभी को सुरक्षा प्रदान करना है। योगी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संसदीय क्षेत्र वाराणसी (काशी) और अपने गृह जिले गोरखपुर के विकास कार्यों की चर्चा करते हुए अपील की कि निरहुआ को को वोट देने की अपील की। आजमगढ़ के विकास में भारतीय जनता पार्टी की सरकार के प्रयासों की चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पूर्वांचल एक्सप्रेस की आधारशिला जुलाई 2018 में रखी और कोरोना काल के बावजूद नवंबर 2021 में उन्होंने इसका लोकार्पण किया और अब आजमगढ़ के लोग दो घंटे में लखनऊ जा सकते हैं।

100 में 60 हमारा है, 40 में भी बंटवारा है... केशव ने रामपुर में दिया नया नारा

रामपुर, 19 जून (एजेंसी)। उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि अब गुंडाराज नहीं रामराज चाहिए। समाजवादी पार्टी समाप्तवादी पार्टी बनने वाली है। समाजवादी पार्टी एक डूबता हुआ जहाज है। अब ऐसा सांसद मत चुनना जिसका वक्त जेल की सलाखों के पीछे कटे। ये बातें उन्होंने रामपुर लोकसभा उप चुनाव को लेकर रविवार को मसवासी और मुरसैना में आयोजित जनसभा में कही।

डिप्टी सीएम ने कहा कि अब रामपुर की पुलिस को किसी समाजवादी पार्टी के नेता की भैंस ढूंढने की जरुरत नहीं है क्योंकि साइकिल का युग खत्म हो गया है अब कमल का युग आ गया है। उन्होंने कहा कि जहरीले भाषण देने वाले नेता को अब जनता को जरुरत नहीं है। उन्होंने कहा कि यूपी में लोकसभा के दो उपचुनाव होने हैं, आजमगढ़ और रामपुर। आजमगढ़ में तो कमल खिल रहा है अब रामपुर में भी रामराज आने वाला है।

उन्होंने कहा कि 2014 से जब से केंद्र में भाजपा की सरकार बनी है तभी से देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का मुख्य लक्ष्य देश से पूरी तरह गरीबी को मिटाना है। देश की मोदी और प्रदेश की योगी सरकार ने विभिन्न प्रकार की जनकल्याणकारी योजनाएं लागू कर लोगों को लाभांवित किया है। योगी सरकार ने बिना भेदभाव कार्य किए हैं जबकि अपराधियों पर सख्त कार्यवाही की जा रही है। आजम खां पर तंज कसते हुए केशव प्रसाद मौर्य ने जनता से कहा ऐसा सांसद मत सुनो जिसका समय जेल में बीते।

रामपुर को विकास की धारा से जोड़ने के लिए आपको कमल खिलाना पड़ेगा। उन्होंने नारा दिया 100 में 60 हमारा है जबकि 40 में भी बंटवारा है।

उन्होंने आजम, अखिलेश और ओवैसी पर युवाओं को भड़काने का आरोप भी लगाया। जनता से आह्वान किया कि आगामी 23 जून को कमल के फूल का बटन दबाकर भाजपा प्रत्याशी घनश्याम सिंह लोधी को जिताकर देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हाथों को मजबूत बनाएं।

भाजपा ने आजमगढ़ की उपेक्षा की और बदनाम किया : अखिलेश

लखनऊ, 19 जून (एजेंसी)। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा है कि भाजपा ने हमेशा आजमगढ़ की उपेक्षा की और बदनाम किया। अभी भी भाजपा सरकार धोखा देने से बाज नहीं आ रही है। आजमगढ़ ने हमेशा भाजपा की साम्प्रदायिकता और विकास विरोधी ताकतों को नकारा है। समाजवादियों ने हमेशा आजमगढ़ और पूर्वांचल में विकास और जनता को सम्मान दिया है। आजमगढ़ की जनता ने भी हमेशा समाजवादियों का साथ दिया है। यह परस्पर भरोसा अटूट है।

अखिलेश यादव ने रविवार को जारी बयान में कहा कि भाजपा सरकार की जनविरोधी और गलत नीतियों का खामियाजा पूरा प्रदेश और देश भुगत रहा है। भाजपा की धोखे और झूठ की राजनीति ने समाज के हर वर्ग को तबाह कर दिया है। भाजपा के सभी नेता अपनी बात झूठ से शुरू करते है और झूठ पर ही खत्म करते हैं। समाजवादी पार्टी की सरकार ने आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस-वे का निर्माण कराया। उसी की अगली कड़ी में आजमगढ़ को प्रदेश की राजधानी लखनऊ और देश की राजधानी नई दिल्ली से जोड़ने के लिए समाजवादी पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे की आधारशिला रखी गई थी।

प्रदेश की जनता जानती है कि भाजपा राज में महंगाई, भ्रष्टाचार और बच्चियों के दुष्कर्म की घटनाएं लगातार बढ़ती जा रही हैं। सत्ता संरक्षित दबंगों ने भाजपा राज को जंगलराज में तब्दील कर दिया है। भाजपा ने एक यूनिट बिजली का उत्पादन नहीं किया। भाजपा सरकार के पास गिनाने को अपनी एक भी योजना नहीं है। समाजवादी सरकार के कामों को ही अपना बताकर वह पांच वर्ष से गुमराह करने का अपराध किया है। आर.एस.एस. और भाजपा झूठ-फरेब और नफरत फैला कर जनता को गुमराह कर राज कर रहे हैं।

जेडीयू कार्यकर्ताओं से मिले सीएम नीतीश, ललन सिंह, उपेन्द्र कुशवाहा भी रहे मौजूद

पटना, 19 जून (का.सं.)। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने रविवार को अपने आवास एक अणे मार्ग के जनसंवाद कक्ष में कार्यकर्ताओं से मुलाकात की। सीएम ने कार्यकर्ताओं की समस्याओं को सुना और उसके समाधान के लिए आवश्यक निर्देश दिया। इस दौरान जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन, संसदीय बोर्ड के अध्यक्ष विधान पार्षद उपेन्द्र कुशवाहा, प्रदेश अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष बिजेंद्र प्रसाद यादव और विजय कुमार चौधरी भी मौजूद रहे। सीएम से 60 से अधिक पार्टी कार्यकर्ताओं ने भेंट कर अपनी बात रखी। सीएम से मिलने वालों में सांसद दिनेश चंद्र यादव व महाबली सिंह, विधायक अशोक कुमार, विधान पार्षद रणविजय सिंह, पूर्व मंत्री भगवान सिंह कुशवाहा, शैलेश कुमार, मंजर आलम व लक्ष्मेश्वर राय, पूर्व विधायक विक्रम कुंवर, प्रो रणविजय कुमार, ई सुनील, सूर्यदेव त्यागी, डॉ अरुण कुमार, गुलजार देवी, ललन भुईया, अभय कुशवाहा व पूर्व विधान पार्षद सलीम परवेज भी शामिल रहे।

सेना से रिटायर होने वाले अग्निवीरों को यूपी पुलिस में मिलेगी प्राथमिकता : सीएम योगी

लखनऊ, 19 जून (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को युवाओं से अपील की कि वे अग्निपथ योजना के खिलाफ विपक्षी दलों के प्रचार से गुमराह न हों। सीएम ने जोर देकर कहा कि सेवानिवृत्त अग्निवीरों को यूपी पुलिस में प्राथमिकता दी जाएगी। उन्होंने कहा कि इस योजना की पूरी दुनिया में सहायना की गई है। इस योजना से ना सिर्फ 10 लाख युवाओं को रोजगार मिलेगा बल्कि वहां मिली ट्रेनिंग उन्हें अनुशासन और प्रशिक्षण के साथ चुनौतियों से अधिक प्रभावी ढंग से निपटने में सक्षम बनाएगी। सीएम ने ये भी कहा कि अग्निवीर जवानों को आसानी से पुलिस बल में नौकरी लेने में मदद मिलेगी।

आजमगढ़ सीट के लिए हो रहे उपचुनाव में बीजेपी उम्मीदवार दिनेश लाल यादव 'निरहुआ' के लिए वोट मांगने के लिए आजमगढ़ में दो रैलियों को संबोधित करते हुए योगी आदित्यनाथ ने ये बात कही। सीएम योगी ने कहा- उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, असम और उत्तराखंड की सरकारें पहले ही घोषणा कर चुकी हैं कि अग्निवीर सैनिकों को नौकरी में प्राथमिकता दी जाएगी। उन्होंने कहा कि सरकार का इरादा है कि चार साल की सेवा के बाद रिटायर होने वाले अग्निवीरों को पुलिस बल में शामिल किया जाए।

योजना के अनुसार, 25 प्रतिशत अग्निवीर सेना में बने रहेंगे, जबकि बाकी को पुलिस बल में उपयुक्त रोजगार के अवसर मिलेंगे। उन्होंने कहा- हमारी सरकार पहले ही घोषणा कर चुकी है कि अग्निवीरों को प्राथमिकता दी जाएगी। इस दौरान सीएम योगी ने यूपी के विकास में समाजवादी पार्टी और बहुजन

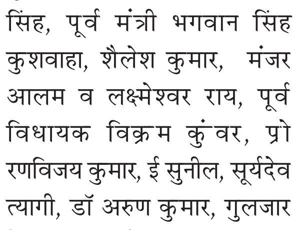

समाजवादी पार्टी को 'राहु और केतु' करार दिया। उन्होंने कहा- राज्य को क्रमशः चार बार और तीन बार चलाने का मौका मिलने के बाद भी इन पार्टियों ने सिर्फ कहर बरपाया है। सीएम योगी ने कहा- उनकी पूरी राजनीति परिवार और स्वार्थी लक्ष्यों के ईर्द-गिर्द घूमती रही। राज्य का विकास, युवाओं का रोजगार, किसानों की भलाई के साथ-साथ महिलाओं और नागरिकों की सुरक्षा कभी भी उनके एजेंडे में नहीं था। योगी ने कहा कि दो मुख्यमंत्री देने के बावजूद आजमगढ़ विकास से वंचित है और गलत कारणों से पूरे देश में जाना जाता है।

अग्निपथ योजना के विरोध को हवा दे रही सपा और कांग्रेस : स्वतंत्र देव सिंह

बरेली, 19 जून (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रदेश अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश सरकार के जल शक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने सेना में भर्ती की अग्निपथ योजना के विरोध प्रदर्शन के लिए विपक्षी दलों को जिम्मेदार ठहराते हुए खासतौर से कांग्रेस और समाजवादी पार्टी पर रविवार को आरोप लगाया कि ये दोनों दल राज्य में इस विरोध को हवा दे रहे हैं।

रामपुर संसदीय क्षेत्र के उपचुनाव में भाजपा उम्मीदवार के समर्थन में जा रहे स्वतंत्र देव सिंह ने यहां सर्किट हाउस में पत्रकारों से बातचीत में आरोप लगाया कि विपक्ष भाजपा सरकार के हर अच्छे काम में बाधा डालने की कोशिश कर रहा है।

स्वतंत्र देव सिंह ने कहा कि जनता द्वारा नकार दिए जाने के बाद कमजोर हो चुके विपक्षी दल अब लोगों को भड़काने की ओछी हरकतों पर उतर आए हैं। सपा पर निशाना साधते हुए भाजपा नेता ने कहा कि इसी दल के अध्यक्ष ने कोरोना वैक्सीन को भाजपा की वैक्सीन बताकर विरोध किया था जबकि वही वैक्सीन कारगर साबित हुई। उन्होंने कहा कि अब सपा और कांग्रेस लोगों को भड़काकर अग्निपथ योजना के विरोध को हवा दे रहे हैं, विरोध करा रहे हैं, लेकिन युवाओं को समझना चाहिए कि अग्निपथ योजना बहुत अच्छी है, इससे युवाओं का बहुत हित होगा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने सिर्फ देश को लूटा और खोखला किया।

मंत्री ने कहा कि जनता ने कांग्रेस और सपा को वंशवाद और परिवारवाद को बढ़ावा देने की वजह से नकार दिया, इसलिए अब ये लोगों को भड़काने का काम कर रहे हैं, यह ओछी राजनीति है। उन्होंने बरेली में सिंचाई विभाग के अफसरों के साथ बैठक भी की और सिंचाई परियोजनाओं के कामों में तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि बारिश सिर पर है, इसलिए बाढ़ नियंत्रण के इंतजाम तत्काल पूरे कर लिए जाएं। गौरतलब है कि समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता आजम खान के इस्तीफे से रिक्त हुई रामपुर संसदीय सीट पर उपचुनाव हो रहा है, जहां 23 जून को मतदान होगा। यहां भाजपा से घनश्याम लोधी और सपा के आसिम राजा उम्मीदवार हैं।

8 साल में देनी थी 16 करोड़ नौकरियां लेकिन युवाओं को मिला पकौड़े तलने का ज्ञान : राहुल गांधी

नई दिल्ली, 19 जून (एजेंसी)। सेना में भर्ती से संबंधित नई योजना अग्निपथ के विरोध में हो रहे प्रदर्शनों की बीच कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने रविवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर तीखा हमला बोला। राहुल गांधी ने कहा कि बार-बार नौकरी की झूठी उम्मीद देकर उन्होंने युवाओं को बेरोजगारी के 'अग्निपथ' पर चलने के लिए मजबूर कर दिया है। गांधी ने यह भी कहा कि आठ साल में 16 करोड़ नौकरियां दी जानी थीं, लेकिन युवाओं को केवल पकौड़े तलने का ज्ञान मिला।

राहुल गांधी ने ट्वीट करते हुए कहा कि बार-बार नौकरी की झूठी उम्मीद देकर प्रधानमंत्री ने देश के युवाओं को बेरोजगारी के 'अग्निपथ' पर चलने के लिए मजबूर कर दिया है। उन्होंने कहा कि आठ साल में 16 करोड़ नौकरियां दी जानी थीं, लेकिन युवाओं को पकौड़े तलने का ही ज्ञान मिला है। उन्होंने कहा कि देश की इस हालत के लिए केवल प्रधानमंत्री जिम्मेदार हैं।

गांधी ने पार्टी के नेताओं और कार्यकर्ताओं से रविवार को उनका जन्मदिन नहीं मनाने की अपील की। शनिवार रात नेताओं और कार्यकर्ताओं को भेजे संदेश में गांधी ने कहा कि देश के युवा आक्रोशित हैं तथा सड़कों पर प्रदर्शन कर रहे हैं और कांग्रेस कार्यकर्ताओं को उनके साथ खड़ा होना चाहिए।

अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के महासचिव (संचार) जयराम रमेश द्वारा ट्विटर पर पोस्ट किए गए एक संदेश में राहुल गांधी ने कहा कि देश में माहौल इस समय बेहद चिंताजनक है। राहुल ने सशस्त्र सेनाओं में भर्ती के लिए अग्निपथ योजना के खिलाफ देश के कई हिस्सों में हो रहे विरोध प्रदर्शनों की ओर इशारा करते हुए कहा, देश के युवा परेशान हैं। हमें इस समय उनके और उनके परिवारों के साथ खड़ा होना चाहिए। उन्होंने कहा, मैं देश भर के सभी कांग्रेस कार्यकर्ताओं और अपने शुभचिंतकों से अपील करता हूं कि मेरे जन्मदिन के मौके पर किसी भी तरह का जश्न न मनाएं।

नए संसद भवन में होगा संसद का शीतकालीन सत्र, आत्मनिर्भर भारत की दिखेगी तस्वीर : ओम बिरला

नई दिल्ली, 19 जून (एजेंसी)। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा कि संसद का शीतकालीन सत्र नए संसद भवन में होगा। बिरला ने कहा, 'हमारा प्रयास संसद के नए भवन में शीतकालीन सत्र शुरू करने का है और नए भवन में आत्मनिर्भर भारत की तस्वीर साफ दिखाई देगी। तकनीकी और सुरक्षा की दृष्टि से यह नया भवन पुराने संसद भवन से काफी आगे है। लेकिन संसद का पुराना भवन भी इसका हिस्सा रहेगा।'

ओम बिरला ने कहा कि सदन की प्रोडक्टिविटी काफी बढ़ गई है। उन्होंने कहा कि सभी के सहयोग से सदन की प्रोडक्टिविटी इतनी अधिक रही है कि अब सदन देर रात तक चलता है। बिड़ला ने कहा कि सभी दलों को अपने-अपने नेताओं से भी बात करनी चाहिए। उन्होंने कहा, 'मैं भी समय-समय पर पार्टी नेताओं से बात करता हूं और उनसे कहता हूं कि सदन सुचारू रूप से चले और अनुशासन व मर्यादा बनाए रखी जाए।'

बिरला ने कहा कि लोकसभा सचिवालय सांसदों के लिए सूचीबद्ध विधेयकों पर विशेषज्ञों की ओर से ब्रीफिंग सत्र आयोजित कर रहा है। सांसदों को शोध परक जानकारी भी दी जाती है। उन्होंने कहा कि पुस्तकालय को और बेहतर बनाने के लिए कई प्रयास किए गए हैं और अब सांसदों के लिए घर पर किताबों की आपूर्ति भी शुरू कर दी गई है।

मई में दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से देश के सांप्रदायिक सद्भाव को लेकर 'संदेश' भेजने के लिए पूर्व राष्ट्रपति एपीजे अब्दुल कलाम के नाम पर नए संसद भवन का नाम रखने की अपील की थी। केंद्रीय शहरी विकास मंत्री हरदीप सिंह पुरी के मुताबिक, नए संसद भवन का निर्माण इस साल अक्टूबर तक पूरा कर लिया जाएगा।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक : सत्येन्द्र नाथ सिंह एवं मुद्रक: नूतन वर्मा द्वारा प्राइम प्रिंटर्स, प्रिमुला कॉटेज, चर्च रोड, गंगटोक से मुद्रित एवं रतना निवास, मेट्रो प्वाइंट, नेशनल हाईवे 10, गंगटोक (पूर्व सिक्किम) से प्रकाशित।
सम्पादक - सत्येन्द्र नाथ सिंह, कार्यकारी सम्पादक - अश्विनी आनंद, मोबाइल नं. : 9474355832, 9609024017, फोन नं. : 03592-204174, पोस्टल रजि. सं. : WB/SKM/110/07-09, e-mail ID : anugamini@gmail.com